ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 28 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-27

पुलिस ने तेजी से मामला सुलझाया
18.3 किलो सोना बरामद @ नम्मा बेंगलूरु

14 संशोधनों के साथ वक्फ बिल को जेपीसी से मिली मंजूरी

संसद में पेश होने के लिए वक्फ विधेयक तैयार

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने वक्फ विधेयक को 14 संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी है। लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को मिलाकर बनाई गई इस संसदीय समिति ने महीनों तक इस पर चर्चा की और कई पक्ष सुनने के बाद इसे मंजूरी दी है। जेपीसी ने नए वक्फ अधिनियम में 14 खंड में बदलाव किए हैं। जेपीसी ने 14 संशोधनों के साथ वक्फ बिल के आखिरी मसौदे (ड्राफ्ट) को बहुमत से स्वीकार कर लिया। इस बिल के मूल स्वरूप में 14 बदलाव किए गए जो जेपीसी में शामिल एनडीए सांसदों ने प्रस्तावित किए थे। इन्हें जेपीसी की बैठक में मंजूरी मिल गई। यह 14 खंड में बदलाव बिल के अलग-अलग नियमों को लेकर किए गए हैं।

विपक्ष ने भी इस वक्फ बिल में कई बदलाव प्रस्तावित किए थे लेकिन उन्हें मतदान में मंजूरी हासिल नहीं हुई। समिति में 16 सदस्य एनडीए के थे, जबकि 10 बाकी दलों के सांसद शामिल थे। ऐसे में मतदान के दौरान विपक्ष द्वारा सुझाए गए बदलाव 16:10 के बहुमत से गिर गए। विपक्ष के सदस्यों ने बिल के सभी 44 खंड में संशोधन के प्रस्ताव दिए थे। इनकी संख्या सैकड़ों में थी। इस प्रयास में विपक्ष सफल नहीं हुआ। एनडीए द्वारा किए गए बदलावों में वक्फ ट्रिब्यूनल में सदस्यों की संख्या और सरकारी अधिकारियों की वक्फ सम्पत्तियों को लेकर अधिकार से जुड़े प्रस्ताव शामिल थे।

वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए बनाई गई जेपीसी के मुखिया और सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि बदलाव को लेकर अपनाई गई पद्धति पूरी तरीके से लोकतांत्रिक थी। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा लोकतांत्रिक तरीका कुछ नहीं हो सकता था। विपक्ष के सांसद और वक्फ बिल का विरोध करने वाले नेता कल्याण बनर्जी ने पूरी प्रक्रिया को ही गड़बड़ करार दिया। उन्होंने दावा किया कि सब कुछ पहले से तय था और सरकार की मर्जी से ही काम हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों को बोलने का भी मौका नहीं दिया गया। इससे पहले कई बार हुई वक्फ की बैठकों में विपक्ष के सांसदों ने हंगामा भी किया। कल्याण बनर्जी ने एक बार ग्लास तोड़ कर अपना हाथ चोटिल कर लिया था। वक्फ बिल को अब संभवतः संसद के बजट सत्र में पेश किया जा सकता है।

विपक्ष ने बिल के 44 खंडों में सैकड़ों संशोधन के प्रस्ताव दिए थे

बजट सत्र 31 जनवरी 2025 से लेकर 13 फरवरी 2025 तक चलेगा। इसका मसौदा पेश किए जाने से पहले जनता के सामने भी आएगा।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के लिए बनी जेपीसी यानी संयुक्त संसदीय समिति की आज अध्यक्ष जगदंबिका पाल की मौजूदगी में अहम बैठक हुई थी। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि आज जो संशोधन पारित हुए हैं, उससे वक्फ बोर्ड को लेकर बेहतर विधेयक बनेगा। उन्होंने कहा कि इससे गरीब और पसमांदा मुसलमानों को लाभ पहुंचाने का सरकार का लक्ष्य भी आसानी से पूरा होगा और यह समाज के हर तबके के लिए लाभकारी होगा। जगदंबिका पाल ने कहा है कि वक्फ बिल के एक-एक खंड पर विचार-विमर्श के लिए बैठक हुई थी। विपक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी संशोधनों, उनमें से प्रत्येक में 44 संशोधन थे, जिन्हें मैंने उनके नाम के साथ पढ़ा। मैंने उनसे पूछा कि क्या वे अपने संशोधन पेश कर रहे हैं। फिर उन्हें पेश किया गया। इससे ज्यादा लोकतांत्रिक कुछ नहीं हो सकता था। जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर सबके सामने संशोधन पेश किए गए और उनके खिलाफ 16 सदस्यों ने मतदान किया और सिर्फ 10 ने उनके पक्ष में तो क्या 10 सदस्यों के समर्थन ▶10पर

यूसीसी पोर्टल और नियमावली का सीएम धामी ने किया लोकार्पण

उत्तराखंड में लागू हो गया समान नागरिक कानून

देहरादून, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

ढाई साल की तैयारियों के बाद उत्तराखंड में आज से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में यूसीसी के पोर्टल और उसकी नियमावली का लोकार्पण किया। प्रदेश में यूसीसी लागू होने की अधिसूचना भी जारी हो गई है। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। अब उत्तराखंड में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून रहेगा। कानून का उल्लंघन किया तो समाज सजा मिलेगी।

सब के लिए समान कानून, उल्लंघन किया तो समान सजा

समान नागरिक संहिता के लिए 27 मई 2022 को विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट दो फरवरी 2024 को सरकार को सौंपी थी। इसके बाद आठ मार्च 2024 को विधानसभा में विधेयक पारित किया गया। विधानसभा से पास होने के बाद इस इसे राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजा गया। यहां से 12 मार्च 2024 को इस अधिनियम पर राष्ट्रपति का अनुमोदन मिल गया। इसके बाद यूसीसी के क्रियान्वयन के लिए तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गईं। नागरिकों और अधिकारियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किए गए। बीती 20 जनवरी को यूसीसी की नियमावली को अंतिम रूप देकर कैबिनेट ने इसे पास कर दिया।

बीते कई दिनों से इसके पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन को लेकर विभिन्न स्तरों पर मॉक ड्रिल भी चल रही थी। शुक्रवार को हुई मॉक ड्रिल में पहले आई समस्याओं को दूर कर लिया गया। दोपहर 12.30 बजे यूसीसी की नियमावली का भी लोकार्पण किया गया। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि समिति ने कई सालों की मेहनत के बाद यूसीसी को तैयार किया है। यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। समाज पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पंजीकरण की प्रक्रिया को भी आसान किया गया है। यूसीसी समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि पंजीकरण को आसान बनाया गया है। आप एक बार हमारे पोर्टल पर आइए। फिर आप सिस्टम के पास नहीं सिस्टम आपके पास आएगा।

सीएम धामी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश के लिए भी ऐतिहासिक दिन है। यूसीसी रूपी गंगा को निकालने का श्रेय देवभूमि की जनता को जाता है। आज अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। मैं आज भावुक भी हो रहा हूं। इसी क्षण से समान नागरिक संहिता लागू हो रही है। सभी नागरिकों के अधिकार समान हो रहे हैं। सभी धर्म की महिलाओं के अधिकार भी समान हो रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को भी धन्यवाद देता हूं उन्हीं के सहयोग से यह सब हो रहा है। जस्टिस प्रमोद कोहली और समिति का धन्यवाद करता हूं। विधानसभा के सभी सदस्यों का धन्यवाद है। आईटी विभाग और पुलिस गृह विभाग सबका धन्यवाद। जो हमने संकल्प लिया था। जो वादा किया था वह पूरा किया।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने की काफी कवायद हुई। इसके लिए 43 हितधारकों के साथ बैठकें हुईं। गहन विचार विमर्श के लिए 72 बैठकें की गईं। समिति को 49 लाख एसएमएस प्राप्त हुए और 29 लाख व्हाट्सएप मैसेज आए। ▶10पर

नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए समिति गठित

कानून मंत्री करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन के लिए एक खोज समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल करेंगे। समिति में वित्त मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव भी सदस्य होंगे। नए कानून के तहत सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। अब तक का चलन था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के रिटायर होने पर उनके बाद वरिष्ठतम चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त किया जाता था। पिछले साल मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के लिए एक नया कानून लागू हुआ। इसके तहत एक शीर्ष चयन समिति सचिव स्तर के पांच अधिकारियों का नाम चुनेगी। जिन्हें सीईसी और ईसी के पर नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा। सीईसी राजीव कुमार 18 फरवरी को 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर अपने पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम-2023 के तहत पहली बार सीईसी की नियुक्ति की जा रही है। इस अधिनियम के उपयोग करके पिछले साल चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू की नियुक्ति में किया गया था, जो अनूपचंद्र पांडे और अरुण गोयल के सेवानिवृत्त होने और इस्तीफा देने के बाद पदों पर आए थे। नए कानून के मुताबिक, सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। चयन समिति में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में लोकसभा के विपक्षी नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री होंगे। ▶10पर

चुनाव आयोग ने हरियाणा सरकार से मांगी रिपोर्ट

दिल्ली आ रहे यमुना के पानी में कितना अमोनिया?

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली को आपूर्ति किए जाने वाले पानी में अमोनिया के उच्च स्तर पर चुनाव आयोग ने हरियाणा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने हरियाणा से आने वाले पानी में अमोनिया के उच्च स्तर की शिकायत चुनाव आयोग से की थी। इस पर चुनाव आयोग ने हरियाणा से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया और आरोप लगाया कि हरियाणा से दिल्ली को मिलने वाले पानी में अमोनिया का स्तर काफी अधिक है। चुनाव आयोग ने हरियाणा सरकार को मंगलवार दोपहर तक इस मामले पर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केजरीवाल की आरोप लगाकर भागने की आदत और सोच है। मैंने कहा कि आप (अरविंद केजरीवाल) अपने मुख्य सचिव को भेजें और मैं अपने मुख्य सचिव से कहूंगा कि सोनीपत में यमुना के पानी की गुणवत्ता की जांच करें, जहां से यह दिल्ली में प्रवेश करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल अमोनिया की बात करते हैं। वह पानी की कमी का दावा करते हैं, लेकिन कोई कमी नहीं है। समस्या वितरण प्रणाली में है। वह 10 साल में पानी के वितरण को ठीक से नहीं संभाल सके, जबकि उन्होंने मंच से वादा किया था। फिर भी लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। ▶10पर

जसप्रीत बुमराह बने 2024 के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर

सम्मान पाने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2024 का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। बुमराह यह कीर्तिमान दर्ज करने वाले छठे भारतीय हैं। इस पुरस्कार के लिए भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट, इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस भी प्रबल दावेदार थे, लेकिन बुमराह ने इन सभी को पछाड़कर पुरस्कार जीत लिया। बुमराह ने हाल ही में टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं।

उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए, जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। आईसीसी ने पर्थ में बुमराह के मैच का रुख बदलने वाले स्पैल को उनके सबसे यादगार प्रदर्शन में से एक माना था जिसकी बदौलत भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की।

पिछले कैलेंडर वर्ष में बुमराह ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 71 विकेट चटकाए और इस प्रारूप में सबसे सफल गेंदबाज रहे। चाहे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियां हों या स्वदेश में तेज गेंदबाजों के लिए कठिन परिस्थितियां, बुमराह ने पूरे साल प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इस तेज गेंदबाज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। 71 विकेट लेने के बाद बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 70 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 82,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,770/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 20^0

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति के सम्मान में रात्रिभोज

मेरा डीएनए भारतीय है : सुबियांतो

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में रात्रि-भोज दिया। रात्रि-भोज के दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मोदी समेत सभी गणमान्य लोग प्रसन्न हो गए। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने कहा, कुछ हफ्ता पहले ही मैंने अपनी जेनेटिक्स सीक्वेंसिंग और डीएनए टेस्ट कराया। मुझे बताया गया कि मेरा डीएनए भारतीय है। सभी जानते हैं कि जैसे ही मैं भारतीय संगीत सुनता हूं, तभी मैं थिरकना शुरू कर देता हूं। राष्ट्रपति सुबियांतो की यह बात सुन कर सभी लोग आनंद से भर गए। राष्ट्रपति सुबियांतो ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात भी कही और कहा, हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो ने डिनर के दौरान कहा कि भारत और इंडोनेशिया के आपसी संबंधों का इतिहास बेहद पुराना है। दोनों देशों की सभ्यताओं में भी जुड़ाव रहा है, यहां तक कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा के हैं। हमारे कई नाम भी संस्कृत भाषा के हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव है। यहां तक कि हमारे जीन्स में भी समानता है। सुबियांतो ने कहा, मुझे यहां (भारत) आने पर गर्व है। मैं कोई खांटी राजनेता नहीं हूं, न ही अच्छा कूटनीतिकार हूं, मैं जो भी कहता हूं दिल से कहता हूं। मुझे यहां आए हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और उनके समर्पण से काफी कुछ सीखा है। उनका गरीबी को दूर करने और कमजोर वर्ग की मदद करने के लिए जो समर्पण है, वह हमारे लिए प्रेरणा है। इंडोनेशिया ने भारत की समृद्धि, शांति के लिए कामना की और उम्मीद जताई कि भारत और इंडोनेशिया के संबंध आगे भी मजबूत होते रहेंगे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबिआंतो का भारत दौरा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने और भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ▶10पर

मैंने पीएम मोदी के नेतृत्व और समर्पण से बहुत सीखा

कार्टून कॉर्नर

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर गणतंत्र दिवस परेड का बना हिस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा माणिकशाह परेड ग्राउंड, महात्मा गांधी रोड में भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित ऐतिहासिक परेड का साक्षी बना।

कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित यह गणतंत्र दिवस परेड एक भव्य आयोजन था। इस अवसर पर राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने अपने संबोधन में आज के दिन को लोकतंत्र के उदय का ऐतिहासिक दिन बताते हुए देश की एकता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन किया। राज्यपाल ने बताया कि आज के दिन भारत में संविधान लागू हुआ था, जिसने राजाओं और सामंतों के बनाए नियमों को समाप्त कर देश में कानून का शासन स्थापित किया। उन्होंने संविधान की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि यदि हम संविधान की रक्षा करेंगे, तो संविधान हमारी रक्षा करेगा। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज को सलामी और राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद राज्यपाल ने परेड की सलामी ली। परेड में राज्य पुलिस के विभिन्न विंग्स ने अनुशासन और साहस का प्रदर्शन किया। विभिन्न राज्यों की झांकियों और सांस्कृतिक दलों ने परेड की शोभा बढ़ाई। परेड का मुख्य आकर्षण राज्य पुलिस के जवानों द्वारा दिखाए गए करतब और सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन था। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न जिलों की झांकियां भी परेड में शामिल थीं। इस भव्य आयोजन में राज्यपाल सहित कई उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ से महामंत्री विजय सिंघवी, कार्यसमिति से सुनील लोढ़ा, दिनेश जैन, प्रमीत बाफना, जीतो महिला विंग की फाउंडर चेयरपर्सन निशा सामर, चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सहमंत्री मीना बडेरा और कार्यसमिति से संगीता नागोरी, साधना धोका, अल्का लोढ़ा, नंदा बाफना, सारिका जैन, संगीता मुथा, प्रेमा रांका, नेहा भंडारी, बिंदु नाहर, मोना आंचलिया सहित कुल 80 सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में रतनी बाई मेहता ने प्रवेश पत्र की व्यवस्था की। संयोजिका सुमन रांका और सह संयोजिका ज्योति सोलंकी ने व्यवस्थाओं का संचालन करते हुए सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मदारिया जैन ओसवाल साजनान संघ, बेंगलूरु की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक अध्यक्ष ललित मांडोत की अध्यक्षता में यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन में आयोजित हुई।

नमस्कार महामंत्र के साथ बैठक की शुरुआत हुई। टीम द्वारा गणतंत्र दिवस के प्रायुक्त राष्ट्रगान का संगान किया गया। अध्यक्ष ललित मांडोत ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि टीम द्वारा समूहिक भोज में सीमित व्यंजन, रात्रि भोजन का त्याग और जमीकंद रहित भोजन करने वाले परिवार को मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया। मंत्री सुरेश गन्ना ने गत बैठक की कायवाही का वाचन किया। कोषाध्यक्ष दिनेश पोखरना द्वारा धन उपयोग की विस्तृत जनकारी दी गई। दान प्रति जनकारी दी गई। जैनत्व संकरण पुष्टिकरण का लांच हुआ। महेंद्र दक ने हर वार्ड के हर प्रभारी को इसमें जुड़ने हेतु निवेदन किया। इस संकरण में जैन के 9 सूत्र की जानकारी दी गई। प्रेम चावत ने समाज के संबंधित समस्याओं या उसके निवारण पर चिंतन मंथन करने के लिए कहा। सुरेश दक ने गत दो महीने में सेवा, चिकित्सा या शिक्षा पर की गई कार्य की जनकारी दी। मुकेश पोखरना ने प्रोफेशनल फोरम की जरूरत पर अपनी भावना संप्रेषित की। महावीर मेहता ने अल्पसंख्यक कार्ड की विशेषता की जानकारी देते हुए उसकी प्रक्रिया बताई। राजेश चावत ने मेवाड़ कार्ड की रिपोर्ट दी। उपाध्यक्ष विमल कटारिया ने जीतो और मेवाड़ संघ को इसके लाभ के बारे में बताया। मदारिया संघ में युवा और लेडीज विंग स्थापित करने के भाव रखे।

चिकित्सा संबंधित सेवा की जनकारी अमृत दलाल ने दी। विकास मेहता ने मोटिवेशनल क्लासेस और इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग, औद्योगिक प्रशिक्षण, नई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रेरित किया। दिलीप गन्ना ने प्रयास ऐप की जनकारी दी। कौशल विकास कार्यक्रम के लिए रोजगार विभाग, नौकरी से संबंधित प्रशिक्षण की जानकारी जयंतीलाल बोहरा ने दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री सुरेश गन्ना ने किया।

76वें गणतंत्र दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या विदुषी साध्वी सिद्धप्रभाजी के पावन सानिध्य में तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। साध्वियों द्वारा सुमधुर गीतिका की प्रस्तुति दी गयी। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने बताया कि किसी भी सभा समाज देश का संचालन किसी न किसी संविधान या मर्यादा के अनुसार व्यवस्थित ढंग से होना आवश्यक है।

इसी आधार पर समाज या देश की व्यवस्थाओं का निर्माण किया जाता है। हमारे देश में भी आज ही के दिन सन् 1950 में संविधान लागू किया गया। इसी प्रकार तेरापंथ धर्मसंघ में भी आचार्य श्री भिक्षु द्वारा प्रतिपादित मर्यादाओं को आचार्य श्री जयाचार्य ने संकलित कर मर्यादा रूपी संविधान को पूरे धर्मसंघ में प्रचारित एवं अनुकरणीय बनाया। भावी आचार्यों ने समय का परिस्थिती अनुसार उसमें बदलाव किए और वे मर्यादाएं आज धर्मसंघ की प्रगति का मुख्य आधार है। इस अवसर पर तेरापंथ ट्रस्ट हनुमंतनगर द्वारा गुरु दर्शनार्थ संघ यात्रा के प्रायोजकों का सम्मान का कार्यक्रम रखा गया। सभाध्यक्ष गौतमचंद दक ने सभी का स्वागत किया। मंत्री हेमराज मांडोत ने संघ यात्रा की पूरी जानकारी समाज के समक्ष रखी। तत्पश्चात नाथूलाल बोल्या, गौतम कातरेला, गौतम दक, गौतम देसरला एवं बाबूलाल कटारिया का प्रायोजक के रूप में सम्मान किया गया। अगली कड़ी में रोशनलाल मांडोत, संपतराज पोरवाड, प्रकाश बोल्या, महावीर भटेवरा, हेमराज मांडोत महावीर आर. देरासरिया, भेरूलाल मेहता, धवल बोल्या का सह प्रायोजक के रूप में सम्मान किया गया। महासभा कार्यकारिणी सदस्य विराटनगर नेपाल से राकेश नाहटा का सभा परिवार द्वारा जैन पट्ट से स्वागत किया गया। संयोजक आर. महावीर देरासरिया, गौतम खाब्या, कमलेश झाबक के साथ-साथ बंटी देसरला, कमलेश श्रीश्रीमाल, ललित बोहरा, राकेश खटेड आदि सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री हेमराज मांडोत ने ज्ञापित किया।

भव्य अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के माउंट कार्मेल कॉलेज में हिंदी भाषा कौशल, भाषाई दक्षता और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर 23, 24 जनवरी को एक भव्य अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एनए-सीसी मूल्यांकन के अंतर्गत हाल ही में इस संस्थान को अपने पाँचवे मूल्यांकन साइकिल में ए प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर संस्थान के हिन्दी विभाग एवं अभिज्ञान भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र ने अरुंधती ज्ञान परंपरा केंद्र, पी जी डी ए वी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं दिल्ली हिन्दी साहित्य सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में इस संगोष्ठी का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय भाषा केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित रहे। बीजवक्ता के रूप में पी जी डी ए वी कॉलेज, हिन्दी विभाग के प्रो हरीश अरोड़ा, दिल्ली हिन्दी साहित्य सम्मेलन की उपाध्यक्ष डॉ. वीणा गौतम, सम्मानित अतिथि में हिन्दी साहित्य के वरिष्ठ एवं सुप्रसिद्ध लेखक जयप्रकाश कर्दम, अध्यक्ष के रूप में प्रो टी जी प्रभाशंकर प्रेमी, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो आशा रानी, डॉ. जयराम रायपुरा, डॉ. विनय यादव, प्रो मैथिली पी राव, प्रो प्रभु उपासे, डॉ. धन्यकुमार जिनपाल बिराजदर् उपस्थित रहें।

विदेश से प्रसिद्ध हास्य एवं व्यंग्य के लेखक डॉ. हरीश नवल अंतरराष्ट्रीय अतिथि के रूप में अनलाइन जुड़कर कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिया। इस संगोष्ठी के संरक्षक माउंट कार्मेल संस्थान की सिस्टर अल्बिना रही तथा प्राचार्या डॉ. जॉर्ज लेखा ने उद्घाटन सत्र में अतिथियों का औपचारिक अभिनंदन भी किया।

हिन्दी के लिए निरंतर प्रयासरत, माउंट कार्मेल कॉलेज के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष एवं संगोष्ठी के संयोजक डॉ. कोयल बिस्वास ने कार्यक्रम का संचालन किया।

देश भर से बहु संख्या में प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया। अलग अलग सत्रों में हिन्दी भाषा कौशल, भाषाई दक्षता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर ज्ञान मंथन हुआ। हिंदी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तहत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भारतीय कला, संस्कृति और परंपरा को जीवंत किया। संगोष्ठी के दूसरे दिवस पर तकनीकी सत्रों के साथ साथ दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुए जिसमें यूको बैंक द्वारा आयोजित जी डी बिरला व्याख्यान माला शृंखला में सुप्रसिद्ध लेखक जयप्रकाश कर्दम एवं हरीश अरोड़ा ने सृजनात्मक लेखन पर अपना विशेष व्याख्यान दिया। इसके बाद एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध कवयित्री, रंगकर्मी एवं लेखिका, राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित डॉ. मंजरी पांडे उपस्थित रही।

सरकारी स्कूलों में बच्चों के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर तेयुप विजयनगर के सदस्यों ने तुमकुरु रोड स्थित हायर प्राइमरी स्कूल हिरेहल्ली, टी बेगुर, सीबी, ब्रह्मसंद्र गाँव में बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। गणतंत्र दिवस पर तिरंगे को फहराया गया। तेयुप विजयनगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास बांठिया, प्रबंध मंडल, पंचायत पदाधिकारियों के समक्ष विद्यार्थियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। स्कूल प्रधानाध्यापक ने सभी का स्वागत किया। मंत्री संजय भटेवरा ने छात्रों को नशा मुक्त एवं अच्छे नागरिक बनने का संकल्प करवाया। इस अवसर पर सेवा, संस्कार, संगठन के अंतर्गत सामाजिक सेवा कार्य के तहत स्वर्गीय घेवरचंद की धर्मपत्नी प्रेमा बाई टेबा, महावीर, गौतम टेबा परिवार ठीकरवास कला, फतेह चंद, सूरज चिंडालिया, सरदारशहर, स्व. दलाराम चौधरी की स्मृति में नंदी ग्लास प्लाईवुड, नायनदहल्ली एवं प्रबंध मंडल के सहयोग से चारों प्रज्ञा केंद्र, सरकारी विद्यालयों के लगभग 500 बच्चों में गिफ्ट वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में परिषद् से सह मंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, कार्यसमिति सदस्य आशीष सिंघी, बसंत डागा की विशेष उपस्थिति रही।

जेएटीएफ हॉस्टल में मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ ने रविवार को देश के 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर स्थित जेएटीएफ बल्डोटा गर्ल्स हॉस्टल और जेएटीएफ गुलेच्छा बॉयज हॉस्टल में देश भक्ति से ओत प्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया। सुबह नौ बजे गर्ल्स हॉस्टल में और साढे दस बजे बॉयज हॉस्टल में जीतो के अनेक पदाधिकारियों व प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस मनाया ग। हॉस्टल के प्रबंध समिति के सदस्य व छात्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। हॉस्टल प्रांगण में तिरंगा फहराया गया और सभी ने राष्ट्र गान किया। दोनों हॉस्टल में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने भारत के संविधान की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने जीतो के आदर्श व सिद्धांतों पर भी रोशनी डाली और लर्न, अर्न, रिटर्न' के बारे में समझाया। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और भविष्य में अपने दायित्वों के प्रति सचेत होने की दिशा में उन्होंने कहा कि विद्या अभ्यास के दिनों में लर्न यानी शिक्षा ग्रहण करने पर उन्हें ध्यान देना चाहिए।

ग्रेज्यूशन के बाद अर्न, यानी जीवन यापन के लिए कमाना मुख्य ध्येय होना चाहिए, पर साथ ही रिटर्न, यानी समाज को वापस लौटाने के हितार्थ सामाजिक विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने विद्यार्थियों को जीतो के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ ।

कार्यक्रम में उप चेयरमैन राजेंद्र दांतेवाडिया व महेंद्र जियानी, सचिव कोमल भंडारी व प्रतीक गांधी, सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र सांकलेचा, प्रबंध समिति सदस्य हितेंद्र जैन, हॉस्टल सह-संयोजक सफल साकरिया, गर्ल्स हॉस्टल सह - संयोजक चित्रा मेहता, समिति सदस्य निशा जैन, उर्मिला बरडिया और बॉयज हॉस्टल के पूर्व संयोजक प्रवीण मूथा भी उप-स्थित रहे।

मुमुक्षु का बहुमान अभिनन्दन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्वी वर्या श्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में मुमुक्षु बहन क्रिया सुपुत्री वीर पिता दिनेश कुमार टिमरेचा मोकलसर निवासी का बहुमान अभिनन्दन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, बाबूभाई मेहता, अनिता दांतेवाडिया ने मुमुक्षु का स्वागत किया। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि क्रिया टिमरेचा की दीक्षा 24 मार्च 2025 को मोकलसर नगर में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी की निश्रा में पूज्या साध्वी कल्पलता श्री जी के पास होगी। इस अवसर पर पूज्य मुनिराज मलयप्रभ सागर जी और साध्वी प्रियस्वर्णांजना ने मुमुक्षु को आगामी संयम जीवन की शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज मेरू तेरस है, श्री आदिनाथ दादा का मोक्ष कल्याणक दिन है। 500 धनुष की काया वाले 108 आत्मा एक ही समय में मेरू तेरस के दिन मोक्ष गये जिसमें आदिनाथ भगवान, 99 आदिनाथ भगवान के पुत्र, 8 भरत चक्रवर्ती के पुत्र ऐसे 108 आत्मा मोक्ष में एक ही समय में गए, यह जिनशासन में पहला अच्छेरा यानि आश्चर्यचकित करने वाली घटना थी। आज ही के दिन कुल 10000 आत्माएं मोक्ष गयी थी। बहुमान अभिनन्दन समारोह में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द कोठारी ने किया।

महावीर लिंब सेंटर में ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस मनाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन हुब्बल्ली द्वारा किम्स परिसर में संचालित महावीर लिंब सेंटर में संस्था के पदाधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा ध्वजारोहण कर 76 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।

इस दौरान फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। ध्वजारोहण कर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक ने कहा कि आज हम गणतंत्र दिवस मनाने के लिए यहाँ हैं, जो हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। यह हमें देश के नागरिक के रूप में अपने अधिकारों और कर्तव्यों को जानने में मदद करता है। गणतंत्र दिवस उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का भी दिन है जिन्होंने भारत को स्वतंत्र और मजबूत बनाने के लिए लड़ाई लड़ी।

कोटेकर बैंक डकैती मामला

पुलिस ने तेजी से मामला सुलझाया 18.3 किलो सोना बरामद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने 17 जनवरी को हुई कोटेकर बैंक डकैती के सिलसिले में चार व्यक्तियों की गिरफ्तारी की घोषणा की। गिरफ्तार किए गए लोगों में कुख्यात अपराधी मुरुगंडी थेवर (36), योसोवा राजेंद्रन (35), कन्नन मणि (36) और मुरुगंडी थेवर के पिता शनमुगसुंदरम शामिल हैं। पुलिस अभी भी चार और संदिग्धों की तलाश कर रही है। पूछताछ के दौरान, आरोपी ने एक स्थानीय व्यक्ति शशि थेवर का नाम लिया, जिसकी संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस घटना में चार नकाबपोश लोगों ने बैंक में घुसकर कर्मचारियों को धमकाया और 18 किलोग्राम से अधिक सोना लूटकर भाग गए। यह राज्य में दूसरी सबसे बड़ी बैंक डकैती थी। सुरक्षा गार्डों की अनुपस्थिति और सीसीटीवी फुटेज सहित शुरुआती चुनौतियों के बावजूद, पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई फिएट कार का पता लगाकर सफलता हासिल की। एक समर्पित टीम ने मामले को

सुलझाने के लिए अथक प्रयास किया। जांच में पता चला कि फिएट कार की नंबर प्लेट फर्जी थी। टोल रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने पर पता चला कि कार हेजमाडी टोल से गुजरी थी और सूरतकल के एक पेट्रोल पंप पर नंबर प्लेट महाराष्ट्र के रजिस्ट्रेशन से बदलकर कर्नाटक के रजिस्ट्रेशन में बदल दी गई थी। ऑपरेशन के तहत कई टीमें मुंबई और तमिलनाडु भेजी गईं। आरोपी शुरू में तालापडी टोल गेट से भाग निकले और फिर अलग हो गए। कुछ तमिलनाडु और अन्य मुंबई चले गए। चोरी हुए सोने को बरामद करने के महत्व को देखते हुए, त्वरित कार्रवाई महत्वपूर्ण थी। पुलिस ने तीन आरोपियों से 2 किलो सोना बरामद किया, जबकि 16 किलो सोना शनमुगसुंदरम के घर से बरामद किया गया। इसके अलावा, चोरी की गई 11 लाख रुपये की नकदी में से 3,80,000 रुपये भी बरामद किए गए। पुलिस ने बिना किसी आराम के मुंबई और तमिलनाडु में 2,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए रिकॉर्ड समय में मामले का पता लगाया। पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा 2016 में, आर–ोपी तलोजा जेल में मिले, जहाँ शशि तेवर ने एक योजना प्रस्तावित की, जिसकी तैयारी छह महीने से चल रही थी। मुख्य आरोपी ने प्रवेश और निकास बिंदुओं का अध्ययन करने के लिए इस अवधि के दौरान मेंगलूरु की तीन यात्राएँ कीं। स्थानीय लोगों के प्रार्थना में व्यस्त होने का फायदा उठाने के लिए शुक्रवार को ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी, ताकि आसानी से पहुँच और भागने को सुनिश्चित किया जा सके। मुरुगंडी और उनके तीन साथी फिएट कार में तिलक नगर, मुंबई से निकले, जबकि कन्नन मणि और अन्य ट्रेन से यात्रा की। कार की नंबर प्लेट दो बार बदली गई– पहली बार शिरुर गेट के पास एक नकली महाराष्ट्र पंजीकरण के साथ, और बाद में सूरतकल में एक नकली कर्नाटक पंजीकरण के साथ। योजना को अंजाम देने के लिए सभी आरोपी सूरतकल में एकत्र हुए। अपराध के बाद, मुरुगंडी, थेवर और योसुवा राजेंद्रन फिएट कार में तलपडी के रास्ते केरल भाग गए, जबकि अन्य तीन ट्रेन से भाग गए। आयुक्त ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अगले सप्ताह बैंक अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी, जिसमें सभी शिफ्टों में गार्ड की तैनाती और सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित सुरक्षा उपायों पर चर्चा की जाएगी।

प्रेस वार्ता के दौरान डीसीपी सिद्धार्थ गोयल, रविशंकर, एसीपी धन्या नायक और मनोज नायक मौजूद थे।

शिवराजकुमार से मुलाकात की

यह सच है, मेरी पत्नी को नोटिस मिला है: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कन्नड़ अभिनेता शिवराजकुमार से मुलाकात की, जो अमेरिका से बेंगलूरु लौटे हैं, जहां उनकी सर्जरी हुई थी। सीएम ने अभिनेता से उनके नागवारा निवास पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने सर्जरी के तुरंत बाद शिवराजकुमार को फोन किया था और उन्हें आश्वासन दिया गया था कि प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और अभिनेता अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। शिवराजकुमार ने दिसंबर 2024 में अमेरिका के मियामी स्थित एक अस्पताल में अपने कैंसरग्रस्त मूत्राशय को हटा दिया था।

डॉ. मुरुगेश मनोहरन ने कहा कि अभिनेता की आंत का उपयोग करके एक कृत्रिम मूत्राशय बनाया गया था। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी पत्नी पार्वती को नोटिस जारी किया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में स्वीकार किया कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी पत्नी पार्वती को नोटिस जारी किया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार के सदस्य, जो पहले से ही मुडा मामले में उलझे हुए हैं, अब समस्याओं का सामना भी कर रहे हैं। एक ओर, प्रवर्तन निदेशालय 50:50 अनुपात में भूखंडों के आवंटन में अवैधता के आधार पर 141 से अधिक भूखंडों को जब्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चल रहे मामले के एक भाग के रूप में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार द्वारा एक भूखंड के अधिग्रहण की जांच करने का निर्णय लिया गया है। इस संदर्भ में सिद्धरामैया की पत्नी को नोटिस जारी किया गया है।

मुडा घोटाले में सीएम को बड़ा झटका: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि मैसूरु मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री को बड़ा झटका लगा है।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के लिए बड़ा झटका है, जो जल्दबाजी में बी रिपोर्ट दाखिल करने और मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। मीडिया ने भी लोकायुक्त की जांच को दिखाया है। भाजपा और जेडीएस पार्टियों ने मैसूरु में मुडा घोटाले के मुद्दे पर संयुक्त पदयात्रा की थी। हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप, मुख्यमंत्री की पत्नी ने रातों–रात मुडा को पत्र लिखकर कहा कि वे 14 प्लॉट वापस कर देंगी। मुख्यमंत्री भी इस भ्रम में थे कि उस पत्र के माध्यम से वे घोटाले से बच गये हैं। लेकिन वह ईडी के इस नोटिस से स्तब्ध हैं। ईडी के अपने नियम हैं। तदनुसार, वे आगे बढ़ते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस बड़े घोटाले के परिणाम आने वाले दिनों में भुगतने होंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को उम्मीद थी कि लोकायुक्त से जल्द ही बी रिपोर्ट मिल जाएगी और मुडा घोटाले से बाहर आ जाएंगे। लेकिन अब प्रवर्तन निद–ेशालय ने मुख्यमंत्री की पत्नी को भी नोटिस जारी कर जांच के लिए उपस्थित होने को कहा है। इसके साथ ही मंत्री सुरेश को भी ईडी ने नोटिस जारी किया है। इसलिए, मुख्यमंत्री की पत्नी और मंत्री सुरेश जांच एजेंसी से बच नहीं पाएंगे। लोकायुक्त द्वारा दी गई रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। राज्य उच्च न्यायालय को एक लिफाफे में दी गई सूचना आ रही है। मैंने डी.के. शिवकुमार का बयान भी देखा।

ईडी ने राजनीतिक साजिश के कारण सीएम की पत्नी और मंत्री को जारी किया नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि ईडी ने राजनीतिक साजिश के कारण सीएम की पत्नी और मंत्री सुरेश को नोटिस जारी किया है। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास के निकट संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ईडी ने मुख्यमंत्री की पत्नी और मंत्री सुरेश को नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ मामले में भी यही सच है। दो एजेंसियां एक ही समय में एक मामले की जांच नहीं कर सकतीं। लोकायुक्त पहले से ही जांच कर रहा है। कई अदालतों ने फैसला दिया है कि जब लोकायुक्त जांच कर रहा हो तो अन्य संस्थाएं जांच नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा कि वह पूरी जानकारी मिलने के बाद इस मुद्दे पर बात करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या मुडा मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए, तो उन्होंने कहा कि मेरे मामले की जांच सीबीआई और ईडी मिलकर कर रहे हैं। कोई भी दो एजेंसियां एक ही मामले की जांच एक साथ नहीं कर सकतीं, चाहे कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले में अदालत के समक्ष अदालती फैसलों का उल्लेख किया है।

मुडा घोटाला मामला

ईडी ने सीएम की पत्नी और मंत्री बिरथी सुरेश को नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में दूसरी आरोपी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ईडी ने शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश को भी नोटिस जारी किया है, जो सीएम सिद्धरामैया के करीबी विश्वासपात्र हैं।

सूत्रों ने बताया कि पार्वती को धन शोधन निवारण (पीएमएलए) अधिनियम की धारा 50 के तहत नोटिस जारी किया गया है। वरिष्ठ ईडी अधिकारी मुरली कन्नन द्वारा हस्ताक्षरित नोटिस में उन्हें मंगलवार को ईडी अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने यह भी बताया कि ईडी द्वारा सीएम की पत्नी पार्वती को यह दूसरा नोटिस भेजा गया है।

पहले मौके पर पार्वती ने खराब स्वास्थ्य, उम्र और ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश होने में असमर्थता का हवाला देते हुए दो सप्ताह का समय मांगा था। उन्होंने अधिकारियों से ऑनलाइन पेश होने की अनुमति देने की भी गुहार लगाई थी। हालांकि, ईडी ने उनकी दलीलों पर विचार नहीं किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को पुष्टि की कि उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती को मुडा घोटाला मामले के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से नोटिस मिला है। इस संबंध में मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए सीएम ने कहा हां। उन्हें नोटिस मिला है। यह पता चला है कि चूंकि इस बार ईडी द्वारा सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की संभावना है, इसलिए सीएम के परिवार ने ईडी द्वारा नोटिस पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पार्वती के वकील ने उच्च न्यायालय की पीठ से आपातकालीन आधार पर याचिका पर विचार करने का अनुरोध किया। इस बीच, उच्च न्यायालय ने मुडा घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई शुरू कर दी है। मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया आरोपी नंबर एक हैं और मुडा के माध्यम से अवैध आवंटन करवाने वाले अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री को झटका देते हुए, प्रवर्तन निदेशालय, बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय ने मुडा घोटाले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया। ईडी ने 17 जनवरी को एक बयान में कहा था पार्वती के नाम पर कई साइटें आवंटित की गई हैं। जांच के दौरान की गई तलाशी में यह भी पता चला कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बी.एम. पार्वती को आवंटित 14 साइटों के अलावा, कई अन्य साइटें मुडा द्वारा अवैध रूप से रियल एस्टेट व्यवसायियों को मुआवजे के रूप में आवंटित की गई हैं, जिन्होंने बदले में इन साइटों को मुनाफे पर बेच दिया और भारी मात्रा में बेहिसाब नकदी अर्जित की। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया है कि मुडा द्वारा अवैध आवंटन की राशि हजारों करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा कि अर्जित लाभ को वैध स्रोतों से प्राप्त किया गया है। ईडी ने कहा छापेमारी में यह भी पता चला कि प्रभावशाली व्यक्तियों और रियल एस्टेट व्यवसायियों के बेनामी/डमी व्यक्तियों के नाम पर साइटें आवंटित की गई हैं। मुडा के तत्कालीन अध्यक्ष और मुडा आयुक्त को अचल संपत्ति, मुडा साइटों, नकदी आदि के रूप में अवैध रूप से रिश्वत के भुगतान के संबंध में सबूत बरामद किए गए। ईडी ने कहा जब्त की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं, जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने मैसूरु के लोकायुक्त पुलिस द्वारा सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की। आरोप है कि सिद्धरामैया ने मुडा द्वारा अधिग्रहित तीन एकड़ और 16 गुंटा भूमि के बदले अपनी पत्नी बी.एम. पार्वती के नाम पर 14 साइटों के लिए मुआवजा पाने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया। यह भूमि मूल रूप से मुडा द्वारा 3.24 लाख रुपये में अधिग्रहित की गई थी। मैसूरु के पॉश विजयनगर इलाके में 14 साइटों के रूप में मुआवजे की कीमत लगभग 56 करोड़ रुपये है।

लोकायुक्त ने मुडा घोटाले की जांच रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक लोकायुक्त ने सोमवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में उच्च न्यायालय धारवाड़ पीठ को जांच रिपोर्ट सौंप दी। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस मामले में पहले आरोपी हैं, जबकि उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती दूसरी आरोपी हैं। मैसूरु लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक टी.जे. उदेश ने सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट अदालत को सौंपी। अदालत ने पहले लोकायुक्त को इस संबंध में रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। पीठ ने कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की, जिसमें मुडा घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की गई है। महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने पीठ के समक्ष याचिका के खिलाफ दलीलें पेश करने के लिए समय देने का अनुरोध किया और आगे प्रार्थना की कि इस मामले को बाद में तब उठाया जा सकता है, जब अदालत छुट्टी के बाद बेंगलूरु में काम करना फिर से शुरू करेगी। हालांकि, पीठ ने झुकने से इनकार करते हुए एजी को बिना किसी देरी के दलीलें पेश करने का निर्देश दिया। एजी ने अनुरोध किया कि वकील कपिल सिब्बल अदालत के समक्ष उपस्थित हों और समय मांगा। हालांकि, पीठ ने कहा कि दलीलें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रखी जा सकती हैं। तब एजी ने प्रस्तुत किया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एक तकनीकी समस्या थी, जिसके बाद पीठ ने इस मुद्दे को ठीक करने और दलीलें उसी दिन रखने का निर्देश दिया। मुडा मामले में चौथे आरोपी, भूमि मालिक जे. देवराजू की ओर से पेश वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने प्रस्तुत किया कि उनके मुवक्किल पर कोई आपराधिक आरोप नहीं है और इस पृष्ठभूमि में, सीबीआई जांच की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को शर्मिंदा करने के लिए याचिका दायर की गई थी। उन्होंने तर्क दिया याचिकाकर्ता ने पहले अदालत के समक्ष लोकायुक्त जांच की मांग की थी और जब

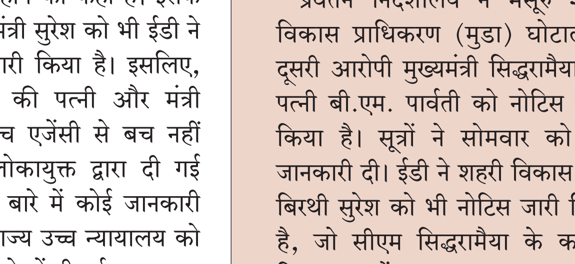

लोकायुक्त जांच आगे बढ़ रही थी, तो उन्होंने सीबीआई जांच की मांग करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की। अदालत को याचिका पर एक पल भी बर्बाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज करते समय, याचिकाकर्ता ने मामले से संबंधित कई तथ्यों को छिपाया। दवे ने कहा याचिकाकर्ता ने म्यूटेशन के आदेश और राजस्व विभाग के दस्तावेजों को छिपाया है, जो साबित करते हैं कि देवराजू संपत्ति के मालिक थे। इससे पहले, वकील मनिंदर सिंह याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की ओर से पेश हुए और मामले पर अपनी दलीलें पूरी कीं। उन्होंने अदालत को बताया कि जब तक अदालत में रिट याचिका दायर नहीं की गई, तब तक मामले में एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए स्नेहमयी कृष्णा ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। लोकायुक्त उचित तरीके से जांच नहीं कर रहे हैं। हमने यह साबित करने के लिए सबूत और दस्तावेज पेश किए हैं कि मामले में लोकायुक्त के अधिकारियों की आरोपियों के साथ मिलीभगत है। उन्होंने कहा इस पृष्ठभूमि में और इस संबंध में प्रस्तुत सबूतों और दस्ता–वेजों के आधार पर, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को ध्यान में रखते हुए, हम उम्मीद कर रहे हैं कि अदालत मामले को सीबीआई को सौंप देगी।

सिद्धरामैया को क्लीन चिट देना असंभव

लोकायुक्त जांच में सीएम सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती को क्लीन चिट मिलने की अफवाहों के बारे में पूछे जाने पर स्नेहमयी कृष्णा ने कहा मुझे इस बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं है। मुझे मीडिया के माध्यम से पता चला। सीएम सिद्धरामैया को क्लीन चिट देना असंभव है। हमने उनके खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा अगर यह सिर्फ सीएम सिद्धरामैया की 14 साइटों को अवैध रूप से आवंटित करने का मामला होता, तो मैं सीबीआई जांच पर जोर नहीं देता। जब उनसे पूछा गया कि अगर मामला सीबीआई को सौंप दिया जाता है, तो क्या सीएम सिद्धरामैया इस्तीफा दे देंगे, तो उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि मामला सीबीआई को सौंपे जाने के बाद सीएम सिद्धरामैया अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। सीएम सिद्धरामैया कानूनी रूप से झटके खा रहे हैं और हम विजयी हो रहे हैं। अगर अदालत मामले को सीबीआई को सौंपती है, तो यह उनके लिए एक गंभीर झटका होगा। इसके बाद की कार्रवाई को देखते हुए, वह इस्तीफा दे सकते हैं या पार्टी हाईकमान उन्हें पद छोड़ने के लिए कह सकता है।

सरकार विजयपुरा में औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने विजयपुरा में कहा कि राज्य सरकार विजयपुरा जिले में उद्योगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा यह पहले से ही कृषि और बागवानी जिले के रूप में जाना जाता है। हम इसे औद्योगिक जिला बनाने की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले को छह क्षेत्रों के साथ एक औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना चल रही है, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र के उपकरण, मशीनरी और उपकरण, गैर-धातु खनिज उत्पाद, कृषि और कृषि आधारित उत्पाद, न्यूट्रास्यूटिकल्स, औषधीय और वनस्पति उत्पाद, विशेष मिश्र धातु और धातु उत्पाद शामिल हैं। मंत्री ने कहा केआईएडीबी के तहत मुलवाड़ गांव में एक विनिर्माण क्लस्टर स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। विजयपुरा जिले में पवन और सौर ऊर्जा के दोहन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस संबंध में, सुज्ञान पवन ऊर्जा इकाई ने हमारे जिले में 5,000 मेगावाट क्षमता की इकाई शुरू करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए 100 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, रेनेसां कंपनी विजयपुरा जिले में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश से सौर पैनल घटक निर्माण इकाई स्थापित करेगी। आने वाले दिनों में यह 20,000 मेगावाट के स्तर तक पहुंच जाएगा, जिससे अधिकतम 3,000 नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने कहा सीएसआर पहल के तहत 1 करोड़ रुपये की लागत से ऐतिहासिक ममदापुरा झील को आकर्षक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

साथ ही, यहां के जैविक उद्यान का नाम पूज्य श्री सिद्धेश्वर स्वामीजी के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा विजयपुरा महानगर पालिका और उसके आसपास के भूटानल झील, बेगम तालाब, गोल-गुंबज, इब्राहिम रोजा, कुमातागी झील, समर पैलेस और कराडा डोड्डा मानव निर्मित वन क्षेत्र को खूबसूरत पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का काम बड़े और मध्यम उद्योग विभाग और सीएसआर अनुदान की मदद से चल रहा है। अप्रैल 2023 से राज्य को फॉक्सकॉन, जिंदल, टोयोटा, एयर इंडिया और अन्य जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों से 1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। यह निवेश आईफोन पार्ट्स निर्माण, पवन ऊर्जा, कार निर्माण और विमान मरम्मत और रखरखाव आदि के क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से प्रबंधित अमृता-2.0 योजना के तहत आवंटित 25 करोड़ रुपये में से 20 करोड़ रुपये बेगम तालाब और भूटानला झीलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्यों और 5 करोड़ रुपये की राशि से विजयपुरा शहर में 10 पार्कों के विकास कार्य करने के लिए खर्च करने की योजना है। मंत्री ने कहा बाबलेश्वर और टिकोटा तालुकों को मॉडल तालुकों के रूप में चुना गया है और सीएसआर इकाइयों के सहयोग से स्कूल भवन का जीर्णोद्धार, निर्माण और स्मार्ट क्लास की स्थापना की जा रही है और आने वाले दिनों में इसे जिले भर में कुछ स्थानों तक विस्तारित करने की योजना है। उन्होंने आगे कहा कि जिला अस्पताल परिसर में 10 बिस्तरों वाली नेत्र शल्य चिकित्सा इकाई, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन इकाई, आईपीए-चएल प्रयोगशाला, लॉन्ड्री और मुर्दाघर का निर्माण शुरू कर दिया गया है, तथा 50 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु अस्प-ताल भवन और नागरिक सुविधाओं का निर्माण कार्य शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि मुद्देबिहाल के पास बिदरकुंडी गांव में 2 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ में तालुक स्टेडियम का काम शुरू हो गया है।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** विष्णुवर्धन सेवा समिति द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में राजाजीनगर राम मंदिर के निकट आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने ध्वजारोहण कर मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित की। साथ ही कहा आज ही के दिन देश में संविधान लागू हुआ था, संविधान की बदौलत ही हमें समानता का अधिकार मिला। संविधान की बदौलत ही राष्ट्र में विकास है। हमें अपने संविधान पर गर्व है। संविधान का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

अस्पताल से मिली छुट्टी

मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरा पुनर्जन्म हुआ है: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, जिनकी कार 14 जनवरी को कित्तूर के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई थी और रीढ़ की हड्डी और गर्दन में फ्रैक्चर हो गया था, को रविवार को यहां एक निजी अस्पताल में 13 दिनों के उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने दावा किया कि उनका पुनर्जन्म हुआ है। दुर्घटना से बचने के बाद मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरा पुनर्जन्म हुआ है। डॉक्टरों ने मुझे तीन सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है। लेकिन एक मंत्री होने के नाते, मार्च के पहले सप्ताह में होने वाले

बजट से पहले मुझे कुछ जिम्मेदारियां और कर्तव्य निभाने हैं। मेरा विभाग ठीक से काम कर रहा है और डॉक्टरों की सलाह के अनुसार आराम करने के बाद मैं सार्वजनिक जीवन में वापस आऊंगी। फिलहाल, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बजट से जुड़ी बैठकें कर रही हूं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की प्रार्थनाओं और विभिन्न मठों के संतों के आशीर्वाद ने मुझे शक्ति दी। मुख्यमंत्री, उनके उप और कई मंत्रियों और विधायकों ने अस्पताल में मुझसे मुलाकात की और मेरी भलाई के बारे में पूछा। मैं उन सभी की आभारी हूं जिन्होंने मेरे शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने विजया अस्पताल के डॉ. रवि पाटिल को संबोधित एक भावुक पत्र के साथ धन्यवाद दिया। भाजपा नेताओं के इस आरोप पर कि दुर्घटना के बाद मंत्री की कार से नकदी से भरे बड़े बैग निकाले गए, के बारे में पूछे जाने पर हेब्बालकर ने कहा वे (भाजपा नेता) पत्थर दिल हैं। मैं उनके द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगी। वे लोगों के दुखों पर राजनीति करते हैं। 13 जनवरी की रात को, हम मालाप्रभा नदी के तट पर अपने पैतृक स्थान हिरेहट्टीहोल में संक्रांति मनाने के लिए बेंगलूरु से बेलगावी के लिए निकले। हम पवित्र स्नान के लिए सुबह 7 बजे से पहले वहां पहुंचने की योजना बना रहे थे। चूंकि कार्यक्रम अंतिम क्षण में तय किया गया था, इसलिए हम बिना किसी अनुरक्षक के गए।

गोदाम में आग लगने से 40 लाख रुपये का नुकसान

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के गुड्डेनगडी, अलेवूर में एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे करीब 40 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने बताया कि घटना में गोदाम में रखे कई सामान और उपकरण पूरी तरह से नष्ट हो गए। अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया, जिससे और अधिक नुकसान होने से बच गया।

76वें गणतंत्र दिवस पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद हनुमन्त नगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीनिवास नगर में ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के सामूहिक मंगलाचरण द्वारा हुई।

शिविर में कुल 57 लोगों ने लाभ लिया। इस शिविर को सफल बनाने में सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, एटीडीसी संयोजक गौतम खाब्या, एटीडीसी एगनिस मैडम का विशेष श्रम रहा। सभा अध्यक्ष गौतम दक, परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, संस्थापक अध्यक्ष रतन कटारिया, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक, उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता आदि लोगों की विशेष उपस्थिति रही। आभार मंत्री संदीप चौधरी ने ज्ञापित किया।

निजी स्कूल में बम की धमकी से दहशत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी के एक निजी स्कूल को मिली बम की धमकी ने छात्रों, अभिभावकों और कर्मचारियों में खलबली मचा दी। पुलिस को तुरंत अलर्ट कर दिया गया और मामले की जांच करने के लिए टीमें स्कूल पहुंचीं। मौजूद सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा जांच और गहन निरीक्षण किए गए। शारदा आवासीय विद्यालय के प्रिंसिपल विंसेंट डी'कोस्टा के अनुसार, ईमेल में कहा गया था, अल्पसंख्यक छात्रों को तुरंत बाहर निकालें। इस पवित्र दिन पर, आपका स्कूल ट्विन पाइप आईईडी विस्फोट का शिकार होगा। यह अफजल गुरु की अनुचित फांसी और हमारे अपने अन्ना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चित्रकला गोपालन की घटना की याद में है। हम इस घटना के साथ स्वर्ग देखना चाहते हैं, यह हमारी आखिरी घटना है। हम आज डिवाइस को सक्रिय करने वाले ऐसे लोगों में से एक होंगे। मीडिया से बात करते हुए प्रिंसिपल विंसेंट डी'कोस्टा ने कहा ईमेल के बारे में पता चलने के बाद, हमने तुरंत संबंधित अधिकारी को सूचित किया और सुरक्षा कड़ी कर दी गई। हमारे पास देश के विभिन्न हिस्सों से छात्र हैं, इसलिए हम हमेशा सतर्क रहते हैं। डरने की कोई जरूरत नहीं है और हम भी पुलिस सुरक्षा के साथ मजबूती से खड़े हैं। घटना के बाद स्कूल परिसर में चिंतित माता-पिता और अभिभावक एकत्रित हो गए और स्थिति पर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करने लगे।

कर्नाटक में बीयर की किल्लत, कीमतों में बढ़ोतरी से बाजार प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के अन्य हिस्सों के साथ-साथ राजधानी बेंगलूरु में भी अनौपचारिक रूप से बीयर बंद (बीयर की कमी) चल रही है। बीयर के शौकीनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि अधिकांश दुकानों में बीयर खत्म हो गई है और एक भी बोतल नहीं मिल पा रही है। हाल ही में कीमतों में बढ़ोतरी के बाद, बाजार में बीयर की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण इसकी भारी कमी हो गई है।

राज्य सरकार ने बीयर प्रेमियों को एक और झटका दिया है। 20 जनवरी से बीयर की कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद, बार, वाइन शॉप और एमआरपी आउटलेट्स में स्टॉक खत्म हो रहा है। पिछले शनिवार से बीयर की आपूर्ति रोक दी गई है। बोतलों पर चीनी की

मात्रा की जानकारी की आवश्यकता वाले नए मूल्य लेबल के साथ, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले कुछ दिनों तक बीयर की आपूर्ति बाधित रह सकती है।

इस मुद्दे पर बोलते हुए, बेंगलूरु बार ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लोकेश ने कहा कि कर्नाटक के आबकारी विभाग ने बीयर की कीमतों में संशोधन किया है और 20 जनवरी, 2025 से प्रभावी मूल्य वृद्धि के लिए अधिसूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान ने बीयर की ग्राहकों की मांग बढ़ा दी है, और आबकारी विभाग से इस मुद्दे को तुरंत हल करने का आग्रह किया। बीयर की आपूर्ति में कमी से बार मालिकों को नुकसान हो रहा है और उनके व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। आबकारी विभाग ने आपूर्तिकर्ताओं को नए मूल्य लेबल लागू होने तक वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जो मंगलवार तक आने की उम्मीद है। तब तक, बीयर की आपूर्ति बहुत कम होने की संभावना है। बार मालिकों के अनुसार, बीयर की अनुपस्थिति ने व्यवसाय को 20 प्रतिशत तक कम कर दिया है। मूल्य वृद्धि के साथ, बिक्री में अतिरिक्त 10 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वाइन शॉप के मालिक कृष्णा ने बताया कि ग्राहक निराशा व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि पिछले 15 दिनों से बीयर उपलब्ध नहीं है। एक अन्य शराब विक्रेता शिवू ने कहा हम इस समय पुराने स्टॉक को साफ कर रहे हैं। हालांकि, ग्राहक नई बीयर की आपूर्ति तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पिछले सप्ताह सरकार ने बीयर की कीमतों में 10 रुपये की बढ़ोतरी करके इसे 40 रुपये कर दिया। इसके साथ ही, इसने सभी बीयर ब्रांडों के लिए चीनी सामग्री लेबलिंग को अनिवार्य कर दिया, जिससे लेबल पर उपभोक्ताओं को विस्तृत जानकारी प्रदान करना आवश्यक हो गया। इस कदम ने बाजार को और बाधित कर दिया है, जिससे व्यापक कमी हो गई है।

गणतंत्र दिवस पर सरकारी शाला में झंडा फहराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल ने 76वें गणतंत्र दिवस पर कालम्मा सरकारी शाला में झंडा फहराया।

कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत कन्या सुरक्षा स्थंभ पर भी ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया। शाला के मुख्य प्राध्यापक हनुमन्थरायप्पा ने स्वागत भाषण देते हुए मण्डल की सराहना करते हुए कहा ग्रंथालय योजना, बेंच, डस्टबिन, प्रिंटर से बच्चों को बहुत लाभ हो रहा है। अध्यक्ष नेहा चावत ने शुभकामनाए दी व गणराज्य पर अपनी भावाभिव्यक्ति व्यक्त की। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों में मिठाई का वितरण किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत, मंत्री नम्रता पितलिया एवं पूरी टीम समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत ग्रंथालय का सार संभाल व उनकी पूरी टीम सुचारू रूप से कर रही है। मण्डल से संगठन मंत्री सरोज मारू, कार्यकारिणी सदस्य किरण मेहर, प्रिया पितलिया, सपना पितलिया आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर रियायती स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में रियायती दर पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई।

स्वास्थ्य जांच शिविर के अंतर्गत संपूर्ण रक्त गणना, लिपिड कोलेस्ट्रॉल, लीवर, थायराइड, किडनी एवं इलेक्ट्रोलाइट्स संबंधित जांच हुई। जांच केवल 76 रुपये प्रति टेस्ट दर पर की गई। लगभग 3 घंटे तक चले इस शिविर में कुल 106 लाभार्थी लाभान्वित हुए।

इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपा, श्यामला एवं दीप-ाश्री का सम्पूर्ण सहयोग रहा। तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, जयंतीलाल गांधी, मुकेश भंडारी, मोहन चौरड़िया एवं अभिषेक पीपाड़ा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षा प्रवाह, शांति और शक्ति की ओर के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर में कायोत्सर्ग विषय पर कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ त्रिपदी वंदना द्वारा महिमा पटावरी एवं शिल्पा दक ने किया। तत्पश्चात महिला मंडल एवं प्रेक्षा ध्यान साधकों द्वारा प्रेक्षाध्यान गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रूपरेखा बताई। कार्यशाला में प्रेक्षा ध्यान

प्रशिक्षिका एवं प्रेक्षा फाउंडेशन की साउथ जोन कोऑर्डिनेटर वीणा बैद ने विषय पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा ज्ञान का प्रथम एवं अंतिम चरण है कायोत्सर्ग। साधना से सादगी आती है और ध्यान के प्रयोग से जब प्राण धारा बहती है तो चेतना का जागरण होता है। संकल्प शक्ति, मजबूत होती है। कहा जाता है कि यदि 2 मिनट पूरी जागरूकता के साथ ध्यान में लगा जाए तो बेले के बराबर लाभ मिलता है। कायोत्सर्ग हमारी नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है। नींद और थकान की कमी को पूरा करता है। तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष एवं प्रेक्षा ध्यान साधक भंवर लाल मांडोत ने प्रेक्षा ध्यान कैसे करें इस बारे में बताया। कार्यशाला का कुशल संचालन संयोजिका सरिता छाजेड़ एवं आभार मंत्री दीपिका गोखरू ने व्यक्त किया।

गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति की सरिता बही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणतंत्र दिवस पर प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की काव्य गोष्ठी गूगल मीट के जरिए आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकारा नलिनी पोपट ने की। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकारा प्रोफेसर लता चौहान मौजूद थी। वीणा मेदनी के राष्ट्रीय गीत एवं गीता सिन्हा गीतांजलि की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। देश भक्ति कविता पाठ में कमल अरोड़ा, मधु मनमौजी, पुष्पा पाण्डेय, नलिनी पोपट, डॉक्टर शशि मंगल, संतोष भाऊवाला, गीता गीतांजलि, प्रोफेसर लता चौहान, विद्या कृष्णा, रितु प्रज्ञा, डॉक्टर के साईं लता, रमा बहेड, रतिंदर कौर, शोभा देशपांडे, अन्नपूर्णा मालवीया इत्यादि ने भाग लिया। अंत में मुख्य अतिथि प्रोफेसर लता चौहान ने कहा कि हम आज भी परतंत्र है अपने ही कुविचारों के हाथों। आज भी स्थिति पूर्व की भांति हमारे सामने है। जरूरत है हमें अपने अंदर की बुराई को खत्म करने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में नलिनी पोपट ने कहा कि हमारा देश धीरे-धीरे प्रगति की ओर बढ़ रहा है। काव्यात्मक रूप से देश की परिस्थिति को प्रस्तुत किया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित वीणा मेदनी ने किया।

मोदी ने एनसीसी रैली के जरिए युवाओं से 'एक देश एक चुनाव' की बहस में भाग लेने का किया आह्वान

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सभी चुनाव एक बार में कराने के मुद्दे पर चल रही राष्ट्रीय बहस में भाग लेने का आह्वान किया और आजादी के अमृत काल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया है।

श्री मोदी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन-सीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने राजधानी में एकत्रित भिन्न राजयों के कैडेटों को सोमवार को संबोधित करते हुए युवाओं को अनुशासन के महत्व को समझाते हुए उन्हें हमेशा राष्ट्र निर्माण में जुटे रहने की भी प्रेरणा दी।

प्रधामंत्री ने इस वार्षिक एनसीसी-पीएम रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति हो, या देश... उसका सामर्थ्य तब बढ़ता है, जब वह अनावश्यक बाधाओं से पार पा लेता है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि भारत में युवाओं के सामने रहीं अनेक बाधाओं को बीते 10 वर्षों में हमने हटाने का काम किया है। इससे युवाओं का और देश का सामर्थ्य बढ़ा है।

उन्होंने कहा, देश में वन नेशन वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) के मुद्दे पर बहस चल रही है, लोग अपने अपने विचार रख रहे हैं। भारत के युवाओं से मैं आग्रह करता हूं कि आप जहां भी हों, इस डिबेट को आगे बढ़ाएं और बड़ी मात्रा में इस डिबेट में हिस्सा लें

क्योंकि ये आपके भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि उसकी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में युवाओं और देश की प्रगति की राह की बहुत सी बाधाओं को हटाया है जिससे उनका समर्थ बढ़ा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत की आजादी के बाद लागू गणतांत्रिक व्यवस्था की अब तक की 75 वर्ष की यात्रा में देश के संविधान ने हर समय देश को लोकतांत्रिक प्रेरणा दी, नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि तरह एनसीसी ने भी भी हर समय भारत के नौजवानों को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी और उन्हें अनुशासन का महत्व समझाया है।

श्री मोदी ने शिविर में शामिल कैडेटों के मध्यम से देश की युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए कहा, आप 21वीं सदी में भारत के विकास को, दुनिया के विकास को निर्धारित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समजा की शक्ति हैं। आज दुनिया इस बात को मान रही है।

उन्होंने कहा, इस अमृतकाल में हमें अपना एक ही लक्ष्य रखना है- विकसित भारत। हमारे हर निर्णय की कसौटी, हर हर कार्य की कसौटी विकसित भारत ही होनी चाहिए। इसके लिए हमें अपने पंच प्राणों को हमेशा याद रखना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के समक्ष प्राण... प्रस्तु किए है जिनमें उन्होंने लोगों को संकल्प दिलाया है कि - हमें विकसित भारत बनाना है। हमें गुलामी की हर सोच से मुक्ति पानी है। हमें अपनी विरासत पर गर्व करना है। हमें भारत की एकता के लिए काम करना है और हमें अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन के प्रारंभ में सभी को एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिविर में आए 18 मित्र देशों के भी करीब 150 कैडेट्स का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिवस की परेड में किसी कैडेट का चुना जाना अपने आप में ही उपलब्धि है। इस बार की परेड इसलिए भी खास थी क्योंकि हमारे गणतंत्र ने 75 साल पूरे किए हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस वर्ष गणतंत्र दिवस शिविर में एन-सीसी के कुल 2361 कैडेटों ने भाग लिया, जिसमें 917 बालिका कैडेट शामिल हैं। कैंप में अब तक की बालिका कैडेटों की सबसे बड़ी भागीदारी थी। एनसीसी-पीएम रैली में इन कैडेटों की भागीदारी के साथ राजधानी में एक महीने तक चलने वाले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 का सफल समापन हुआ।

समापन कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण के प्रति एनसीसी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। एनसीसी रैली में देशभर से मेरा युवा (एमवाई) भारत, शिक्षा मंत्रालय और जनजातीय मामलों के 650 से अधिक स्वयंसेवक भी विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लिया। इस बार की एनसीसी पीएम रैली का ध्येय वाक्य 'युवा शक्ति, विकसित भारत' रखा गया था।

मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बातचीत, दोनों ने मिल काम करने की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की और दोनों शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की । श्री मोदी ने श्री ट्रम्प को ऐतिहासिक रूप से दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इस बातचीत की जानकारी देते हुए कहा, मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात करके बहुत खुशी हुई। उन्हें उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। हम पारस्परिक रूप से लाभकारी और भरोसेमंद साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने लोगों के कल्याण और वैश्विक शांति, समृद्धि और सुरक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे। श्री ट्रम्प ने अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के अपने तीसरे चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद 20 जनवरी को दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। श्री ट्रम्प 2014 का चुनाव जीतने के बाद 2019 में अपना दूसरा चुनाव हार गए थे। इस बार वाशिंगटन में उनके शपथग्रण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया था।

रांची के रिम्स में सरस्वती पूजा पर लगाई रोक

मंत्री इरफान अंसारी का हुआ विरोध तो रोक हटी

रांची, 27 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के रांची स्थित राजेंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में सरस्वती पूजा के आयोजन पर रोक लगा दी गई। कई दशकों से होते आ रहे इस आयोजन को रद्द करने को कहा गया। छात्रों को सभी तैयारियां बंद करने और चंदे का पैसा वापस करने का आदेश रिम्स प्रशासन ने जारी किया। रिम्स के ही एक बड़े डॉक्टर समेत बाकी लोगों ने जब मामला उठाया तो रिम्स को पीछे हटना पड़ा और उसने अनुमति दी।

रिम्स में हर साल सरस्वती पूजा का आयोजन छात्र मिल कर करते हैं। यह आयोजन एमबीबीएस दूसरे वर्ष के छात्र करते हैं। इस बार की सरस्वती पूजा आयोजन के लिए छात्रों ने लाखों का चंदा इकट्ठा करके सारे इंतजाम कर लिए थे। लगभग 70% काम हो चुका था। कई वेंडरों को भी पैसा दिया जा चुका था। हालांकि, इसी बीच रिम्स प्रशासन ने सरस्वती पूजा पर प्रतिबन्ध लगा दिया। रिम्स की डीन शशिबाला सिंह ने शनिवार 25 जनवरी को एक आदेश जारी करके पूजा को निरस्त करने को कहा। इस आदेश में रिम्स में मारपीट की एक घटना का हवाला दिया गया। यह घटना शुक्रवार 24 जनवरी को घटी थी जिसमें छात्र और कुछ बाहरी लोग आपस में भिड़ गए थे। रिम्स प्रशासन के इस आदेश पर छात्रों ने नाराजगी जताई।

रिम्स में न्यूरो सर्जन डॉक्टर विकास कुमार ने भी इस आदेश को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने रिम्स प्रशासन को निशाने पर लिया। डॉक्टर विकास ने कहा, लगता है रिम्स में बैठे बड़े पद वालो से रिम्स संभल नहीं रहा है और अपनी कमी को छुपाने के लिए इस देश की सांस्कृतिक परंपराओं पर सीधा आघात किया जा रहा है, जो हर दृष्टि से निंदनीय है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भाजपा ने भी सरकार को निशाने पर लिया। भाजपा झारखंड के मुखिया बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की साम्प्रदायिक सोच के चलते यह रोक लगी है। उन्होंने इसे धार्मिक विभाजन को बढ़ावा देने वाला बताया।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कानून व्यवस्था को देखते हुए रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि छात्र हॉस्टल में ही सरस्वती पूजा मनाएं। मंत्री अंसारी ने आरोप लगाया कि बाबूलाल मरांडी भाईचारे को तोड़ रहे हैं। मंत्री के जोरदार विरोध के बाद रिम्स ने रोक का फैसला वापस ले लिया। इसकी जानकारी डॉक्टर विकास कुमार ने दी। विकास कुमार ने कहा, सरस्वती पूजा की इजाजत मिल गई है, प्रबंधन ने अपना फरमान वापस ले लिया है। गौरतलब है कि 2022 में रांची में हुए दंगों के दौरान 2 मुस्लिम पुलिस फायरिंग में मारे गए थे। इरफान अंसारी ने इन्हें शहीद का दर्जा, 50 लाख रुपए का मुआवजा और उसके परिजनों को सरकारी नौकरी देने की मांग की थी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव: सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश जयश्री ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने 30 जनवरी को होने वाले चंडीगढ़ मेयर के चुनाव 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष' तरीके से संपन्न कराने के लिए सोमवार को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयश्री ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त किया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मेयर कुलदीप कुमार की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम इस संबंध में स्पष्ट कर सकते हैं कि इस न्यायालय को अधिकारियों की निष्पक्षता, स्वतंत्रता या निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा हालांकि व्यक्त की गई आशंका को ध्यान में रखते हुए एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा गया था।

पीठ ने कहा कि पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नामित करने के लिए वर्तमान मेयर कुलदीप कुमार तथा चंडीगढ़ नगर निगम ने सहमति दे दी।

पीठ ने कहा, हम न्यायमूर्ति ठाकुर को स्वतंत्र पर्यवेक्षक नियुक्त करना उचित समझते हैं। चुनाव कार्यवाही पर्यवेक्षक की उपस्थिति में ही संचालित की जाएगी। चुनाव कार्यवाही की विधिवत वीडियोग्राफी की जाएगी।

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि वे स्वतंत्र पर्यवेक्षक से संपर्क करें तथा चुनाव की निर्धारित तिथि से पहले ही उसके साथ समन्वय स्थापित करें।

चंडीगढ़ के मेयर कुमार ने मतदान प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 'गुप्त मतदान' के बजाय 'हाथ उठाकर मतदान' करने का निर्देश देने की मांग करते हुए इस याचिका के जरिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

उन्होंने 20 फरवरी तक चुनाव स्थगित करने से उच्च न्यायालय के इनकार के बाद शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। उनका दावा था कि उस तारीख को उनका वास्तविक कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए निर्धारित तिथि पर होने वाले मतदान की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया।

शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी 2024 को विवादास्पद मतदान के परिणाम को पलटते हुए पराजित आम आदमी पार्टी -कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार अप्रत्याशित विजेता के रूप में उभरे थे।

शीर्ष अदालत ने तब कई दिनों की सुनवाई के बाद पूर्व रिटर्निंग अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ 'गंभीर कदाचार' का मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया था।

समान नागरिक संहिता लागू करने का समय आ गया है : धनखड़

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के लागू होने को शुभ संकेत करार देते हुए सोमवार को कहा कि पूरा देश के लिए समान नागरिक संहिता को अपनाने का समय आ गया है।

श्री धनखड़ ने उपराष्ट्रपति भवन में 'राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम' के प्रतिभागियों के पांचवें बैच को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है कि उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता को हकीकत बना दिया है। उन्होंने कहा , आज, एक बहुत ही शुभ संकेत हुआ है। और वह शुभ संकेत है, जो संविधान के निर्माताओं ने संविधान में, विशेष रूप से भाग - चार में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में कल्पना की थी और निर्देशित किया था।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने इन निर्देशक सिद्धांतों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का निर्देश दिया था। उनमें से कुछ को साकार किया गया है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 यह अनिवार्य और आदेश देता है कि पूरे भारत के क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास किया

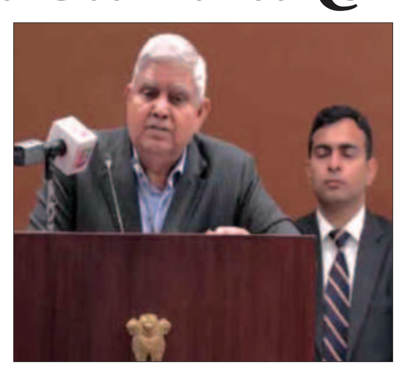

जाएगा। भारतीय संविधान को अपनाने के बाद से सदी की आखिरी तिमाही की शुरुआत हो गई है। देवभूमि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता को वास्तविकता बना दिया है। एक राज्य ने यह कर दिखाया है।

उन्होंने कहा, मैं सरकार की दूरदर्शिता की सराहना करता हूँ.... संविधान निर्माताओं के सपने को साकार करने के लिए अपने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए, और मुझे यकीन है कि यह केवल समय की बात है जब पूरा देश समान कानून अपनाएगा।

समान नागरिक संहिता के विरोध पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री धनखड़ ने कहा, कुछ लोग, अज्ञानता के कारण, इसकी आलोचना कर रहे हैं। हम उस चीज़ की आलोचना कैसे कर सकते हैं जो भारतीय संविधान का आदेश है? उन्होंने कहा कि राजनीति ने कुछ लोगों के दिमाग में इतनी गहरी जड़ें जमा ली हैं कि यह जहर बन गई है। राजनीतिक लाभ के लिए, लोग बिना किसी चिंता के, एक पल के लिए भी राष्ट्रवाद को त्यागने में संकोच नहीं करते। उन्होंने कहा कि संविधान सभा की बहसों का अध्ययन किया जाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय के संकेतों को देखा जाना चाहिए।

अवैध प्रवासियों से उत्पन्न सुरक्षा खतरे पर उप राष्ट्रपति ने कहा, हमें चुनौतियों को देखना होगा। और राष्ट्र के लिए चुनौती यह है कि लाखों अवैध प्रवासी हमारी भूमि पर रह रहे हैं। क्या यह हमारी संप्रभुता के लिए चुनौती नहीं है? ऐसे लोग कभी भी हमारे राष्ट्रवाद से जुड़े नहीं रहेंगे। वे हमारे स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाओं के संसाधनों का उपयोग करते हैं। मैं सरकार में सभी से अपेक्षा करता हूं कि वे इस पर गंभीरता से विचार करें। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं क्योंकि वे चुनावी प्रणाली को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं।

सर्दी में हो रहा वसंत का अहसास

असामान्य मौसम से जूझ रहा है कश्मीर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 27 जनवरी।

धरती का स्वर्ग कश्मीर, जिसमें इसकी राजधानी श्रीनगर भी शामिल है, इस जनवरी में असामान्य मौसम पैटर्न से जूझ रहा है, क्योंकि तापमान 14 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गया है, जिससे यह सर्दियों की तुलना में वसंत जैसा अधिक महसूस हो रहा है। नतीजतन मौसमी औसत से 6 से 8 डिग्री अधिक दिन के तापमान ने विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ा दी है, जो इस घटना को बढ़ते शहरीकरण, अनियंत्रित प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभाव से जोड़ते हैं।

श्रीनगर में मौसम विभाग के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद ने बदलते मौसम पैटर्न पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, जनवरी में वास्तव में गर्मी जैसा महसूस होता

है। यह बेहद असामान्य है, और इसके पीछे कई कारण हैं, क्षेत्र के तेजी से शहरीकरण से लेकर बढ़ते प्रदूषण स्तर और वाहनों की संख्या में उछाल तक। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा तापमान दर्ज किया गया है। पिछले साल, जनवरी का तापमान भी इसी तरह असामान्य था। पिछले एक दशक में हमने मौसम के पैटर्न में भारी बदलाव देखा है, जिसमें सर्दियों का मौसम गर्म और कम अनुमानित होता जा रहा है। वर्षा में चिंताजनक गिरावट से मौसम की विसंगति और बढ़ गई है। पिछले साल जम्मू-कश्मीर में 81 प्रतिशत वर्षा की कमी हुई थी और इस सर्दी में अब तक 75 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। लंबे समय तक सूखे की वजह से तापमान में वृद्धि हुई है।

श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी बरहम पाल ने इस विसंगति के वैज्ञानिक आधार के बारे में बताया। उन्होंने कहा, कार्बन मोनोऑक्साइड और अन्य प्रदूषकों के बढ़ते स्तर वातावरण में अवरोध पैदा करते हैं, जिससे नमी आवश्यक वायुमंडलीय परतों तक नहीं पहुंच पाती। नतीजतन, सूरज की किरणें सीधे मैदानी इलाकों को गर्म करती हैं, जिससे ये बेमौसम उच्च तापमान बन जाते हैं। पाल ने क्षेत्र की बदलती जलवायु के लिए वनों की कटाई को एक प्रमुख कारक बताया और कहा, हमने 28 दिसंबर को बर्फबारी देखी और उसके बाद थोड़ी देर के लिए बर्फबारी हुई, फिर भी वर्षा का स्तर चिंताजनक रूप से कम है। यह ग्लोबल वार्मिंग का एक स्पष्ट संकेतक है, जो बड़े पैमाने पर वनों की कटाई और मानव-प्रेरित गतिविधियों से और बढ़ गया है।

सामान्य से ज़्यादा गर्म सर्दी ने निवासियों को चिंतित कर दिया है, किसानों को फसलों पर इसके संभावित प्रभाव की आशंका है और पर्यावरणविदों ने जलवायु परिवर्तन की अनदेखी के दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दी है। विशेषज्ञ नीति निर्माताओं से संकट को दूर करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह कर रहे हैं। प्रस्तावित उपायों में प्रदूषण पर अंकुश लगाना, शहरी फैलाव को नियंत्रित करना और चल रहे पर्यावरणीय परिवर्तनों को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर वनीकरण परियोजनाएं शुरू करना शामिल है। निर्णायक हस्तक्षेप के बिना, जनवरी में अस्थायी वसंत जैसा लगने वाला मौसम स्थायी और अस्थिर वास्तविकता बन सकता है जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों की एक कठोर याद दिलाता है

छत्तीसगढ़ में ईसाई धर्मांतरण की दो घटनाएं हिंदू संगठनों ने पकड़ी

रायपुर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हिंदू संगठनों ने दो अलग-अलग शहरों में चल रहे ईसाई धर्मांतरण रैकेट पकड़े। हिंदू संगठनों ने राजधानी रायपुर और बलरामपुर में प्रार्थना के नाम पर ईसाई धर्मांतरण के रैकेट का भंडाफोड़ किया। मामले में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन भी किया। दोनों घटनाओं में 2 पादरियों समेत 7 लोग गिरफ्तार हुए हैं।

रायपुर में पंडरी थाना क्षेत्र के मितान विहार कॉलोनी में जबरन धर्मांतरण की जानकारी बजरंग दल समेत हिंदू संगठनों को मिली थी। इसके बाद वह उस घर में पहुंच गए जहां धर्मांतरण गतिविधियां करवाए जाने का आरोप लगाया गया था। यहां हिंदू संगठनों ने जय श्री राम के नारे लगाए। इसके बाद मौके पर कुछ पुलिसकर्मी भी पहुंचे। रायपुर के एसीपी लखन पटेल इसके बाद कई थानों की फ़ोर्स के साथ मौके पहुंचे। यहां उस घर से दस लोगों को निकाला गया, इनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे और एक नाबालिग शामिल थे। पुलिस ने कीर्ति कुमार केशवानी, महारथी बंजारे और जीवन लाल साहू नाम के तीन लोगों को हिरासत में लिया और बाद में जेल भेज दिया।

इस मामले में पुलिस ने छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 4 के तहत एफआईआर दर्ज की है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि इलाके में लंबे समय से धर्मांतरण हो रहा है। उन्होंने पादरी पर प्रार्थना की आड़ में कमजोर लोगों को प्रभावित करने का आरोप भी लगाया है।

धर्मांतरण की दूसरी घटना बलरामपुर जिले के वड्रफनगर ब्लॉक के सरुआत गांव में हुई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि एक पादरी और उसके साथी ग्रामीणों को बीमारियों के इलाज और पैसे का वादा करके लालच दे रहे थे। इस मामले में उन्होंने पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस ने इसके बाद छापा मारकर धर्मांतरण वाले घर से एक पादरी सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन के पास से बड़ी संख्या में बाइबिल, प्रचार सामग्री और राष्ट्रीय ईसाई संघ का एक पहचान पत्र भी जब्त किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, पादरी ने लोगों को इकट्ठा करने के लिए हीलिंग मीटिंग आयोजित की थी। पुलिस ने कहा है कि दोनों मामलों में जांच चल रही है। इन दो घटनाओं के साथ छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। पिछले कुछ सालों में, राज्य में धर्मांतरण के बड़े पैमाने पर मामले देखे गए हैं, इनमें मिशनरियों ने आदिवासियों सहित पिछड़े लोगों को लालच देकर धर्मांतरित करवाया है।

महाकुंभ पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह, लगाई संगम में डुबकी

सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक

महाकुंभनगर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे एकता का महाकुंभ करार दिया। उन्होंने कहा, महाकुंभ सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। यह हमारे सनातन जीवन-दर्शन और समरसता पर आधारित अखंड परंपरा को दर्शाता है। गृहमंत्री ने कहा, आज धर्म नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के इस महापर्व में संगम स्नान करने और संतजनों का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं। प्रयागराज पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने अमित शाह का भव्य स्वागत किया।

गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मठों, मंदिरों और अखाड़ों के संतों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संगम में पवित्र डुबकी लगाई। संत समाज ने उन्हें वैदिक विधि से स्नान करवाया और मां गंगा का पावन जल गृहमंत्री पर छिड़ककर पूजा-अर्चना कराई। स्नान के बाद गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने संगम पर ही विशेष पूजा अर्चना की और संगम आरती में भी हिस्सा लिया। इस दौरान, गृहमंत्री अमित शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह और पुत्रवधु एवं पोतियों ने भी स्नान और पूजा पाठ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृहमंत्री को कुंभ कलश भी भेंट में दिया, जबकि साधु संतों ने उन्हें माला पहनाई और चंदन व टीका लगाया।

भगवा वस्त्रों में गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद, निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाशानंद और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी, बाबा रामदेव समेत अन्य संतों के साथ संगम में डुबकी लगाई। संतों ने गृहमंत्री को वैदिक विधि से स्नान कराया और उन पर संगम का जल छिड़का। इसके बाद गृहमंत्री ने सूर्य को अर्घ्य भी दिया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों ने गृहमंत्री और मुख्यमंत्री की संगम स्थल पर ही विशेष पूजा अर्चना संपन्न कराई और फिर विशेष संगम आरती का भी आयोजन हुआ। संगम पर मां गंगा, यमुना और सरस्वती के जयकारे गूंजे। इस दौरान शाह परिवार के सबसे छोटे सदस्य को भी संतों का आशीर्वाद मिला। पूजा की वेदी पर मुख्यमंत्री योगी ने भी बच्चियों को दुलराया और उनसे हंसी ठिठोली की। इसके बाद हर हर महादेव के उद्घोष के बीच शाह और योगी ने मां गंगा और भगवान भास्कर को प्रणाम किया।

इससे पहले, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम में अरैल स्थित वीआईपी घाट से प्रवेश किया। दोनों नेताओं ने क्रूज की सवारी की। मां गंगा को प्रणाम किया। इसके बाद साइबेरियन पक्षियों को दाना भी खिलाया। क्रूज पर बने विशेष कक्ष में गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद, अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक महंत हरि गिरी और अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी के साथ महाकुंभ पर विशेष मंत्रणा की। संगम स्नान के दौरान बाबा रामदेव और सतुआ बाबा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अलग से डुबकी लगवाई। संगम स्नान के बाद स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी का हाथ पकड़कर विशेष योगासन ताड़ासन भी कराया।

गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभनगर में अक्षयवट का भी दर्शन किया। मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री की अगवानी की, जिसके बाद मुख्य पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। गृहमंत्री अमित शाह ने अक्षयवट की आरती उतारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ पुष्प अर्पित किए। संत समाज के साथ गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने अक्षयवट की परिक्रमा की और महाकुंभ की तैयारियों पर चर्चा की। अमित शाह ने अपने परिवार के साथ अक्षयवट की पूजा की। जिसमें उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह, बहू और पोतियां भी शामिल थीं। पूजा के बाद शाह परिवार ने वृक्ष के सामने खड़े होकर ग्रुप फोटो भी खिंचवाई। इस अवसर पर अक्षयवट के नीचे संतों के साथ मिलकर महाकुंभ की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया।

लखीमपुर खीरी में धर्मांतरण का कारोबार, दो गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में ईसाई मिशनरियां धर्मांतरण में सक्रिय हैं। वो लोगों को चंगाई, लालच और डर दिखाकर ईसाई बना रही हैं। ताजा मामला नीमगांव थाना इलाके के बेजहम गांव का है, जहां ईसाई मिशनरी से जुड़े दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। यहां लोगों को जमजम पानी पिलाकर और एक बोरी चावल का लोभ देकर ईसाई बनाया जा रहा था। हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मिशनरियों के खेल को उजागर किया और पुलिस को सूचित किया। इस मामले की एफआईआर की कॉपी के पास मौजूद है।

एफआईआर के मुताबिक, नीमगांव थाना इलाके के बेजहम गांव में बाबूराम नाम के व्यक्ति के घर में ईसाई धर्मांतरण का काम किया जाता है।

जहां बाबूराम ने रविवार 26 जनवरी को धर्मांतरण की नीयत ये काफी लोगों को अपने घर पर बुलाया था। उसके घर पर प्रमोद कुमार वाल्मीकि नाम का पादरी भी मौजूद था। बाबूराम शिकायतकर्ता युवक को ये कह कर अपने घर ले गया था कि उसकी तबियत ठीक हो जाएगी, क्योंकि उसके पास विशेष दवा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद बाबूराम और प्रमोद कुमार बाल्मीकि ने माथे से तिलक हटाने और अपने घर से देवी-देवताओं की मूर्तियों को हटाने की बात कही। दोनों लोगों पर ईसाई मजहब अपनाने का भी दबाव डाल रहे थे। वहां लोगों को एक बोतल पानी, एक बोरी चावल और और तेल देकर धर्मांतरित कराया जा रहा था। हमारे साथ भी ऐसी ही कोशिश हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

इस मामले में नीमगांव की एसओ सुनीता कुशवाहा और बेहजम चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार मौके पर पहुंचे और छापेमारी की।

मौके पर दर्जनों लोग मौजूद मिले और शुरुआती जांच में आर्थिक प्रलोभन देकर धर्मांतरण की भी पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। घटना का खुलासा करने वाले हिंदू कार्यकर्ता सूर्यमणि मिश्र ने बताया, हमें लम्बे समय से यहां धर्मांतरण की शिकायत आ रही थी, पता चला था कि यहां गरीब लोगों को झांसा देकर ईसाई बनाया जा रहा है। सूचना मिलने पर अमन रस्तोगी समेत तमाम हिंदू कार्यकर्ताओं ने इस घटना का खुलासा किया और आरोपियों पर कार्रवाई करवाई।

रामलला ने तोड़े पुराने रिकार्ड, 25 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे

26 जनवरी से श्रद्धालुओं से भरी पड़ी है अयोध्या

अयोध्या, 27 जनवरी (एजेंसियां)। गंगा बड़ी न गोदावरी, तीरथ बड़ौ न प्रयाग, सबसे बड़ी अयोध्या नगरी, जहां राम लियो अवतार। इसी प्रचलित कहावत के मायनों को श्रद्धालुओं ने सिद्ध कर दिया है। गणतंत्र दिवस पर श्रद्धालुओं का अयोध्या में ऐसा रेला उमड़ा की हर कोई अचंभित रह गया। रामलला ने अपने पुराने रिकॉर्डों को तोड़ दिया। लाखों की संख्या में लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पिछले 30 घंटे में लगभग 25 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन को पहुंच चुके हैं। इसमें बड़ी संख्या में अभी भी श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है। श्रद्धालु रामलला और हनुमानगढ़ी मंदिर की तरफ ही रुख कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि आने वाली अमावस्या, बसंत पंचमी पर्व तक अयोध्या श्रद्धालुओं से खचाखच भरी रहेगी।

प्रयागराज के महाकुंभ को देखते हुए प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या में पहले ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई थी। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया था की अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की तकलीफ नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन लगातर नजर बनाए हुए है। भीड़ प्रबंधन को लेकर मण्डलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार व जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह, मैहर लगातर मेला क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। राम मंदिर में बैठक कर भीड़ के प्रबंधन का भी इंतजाम कर रहे हैं।

राम मंदिर को देखते हुए सरकार ने अयोध्या में सड़कों का चौड़ीकरण कराया। दिल्ली के कर्तव्य पथ की तरह अयोध्या में करोड़ों की लागत से रामपथ का निर्माण कराया गया, लेकिन संभावना से परे भीड़ पहुंचने के बाद रामपथ भी फुल हो गया। इसके अलावा राममंदिर को जाने वाला मार्ग जन्मभूमि पथ व हनुमानगढ़ी को जाने वाला भक्तिपथ और धर्मपथ पर श्रद्धालुओं का रेला उमड़ता जा रहा है। अयोध्या की सभी गालियां श्रद्धालुओं से पटी पड़ी हैं। राम मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रस्ट ने अंगद टीला से श्रद्धालुओं के निकास की व्यवस्था की थी, लेकिन भीड़ अप्रत्याशित होता देख तीन नम्बर गेट से भी निकासी का रास्ता खोल दिया गया है। हनुमानगढ़ी पर डेढ़ किमी लगी लंबी लाइन को देखते हुए नई लेन तैयार की गई है। भीड़ प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन की पहल से की गई कसरत काफी काम आ रहा है। बड़े वाहनों को मौनी अमावस्या को देखते हुए डायवर्जन किया जाना है। हालांकि अभी से अयोधया में वाहनों का प्रवेश बंद करा दिया गया है। ठहरने के लिए आश्रय स्थलों में 20 हजार लोगों के लिए व्यवस्था है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि सभी पुख्ता इंतजाम किये गए हैं। चौक-चौराहों पर श्रद्धालुओं के स्वागत को सजावट भी कराई गई है। भीड़ को देखते हुए राम मंदिर और हनुमानगढ़ी पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। महिला पुलिस कर्मियों को भी उतारा गया है। सादी वर्दी में भी पुलिस संदिग्धों पर नजर रखे हुए है। ट्रैफिक कर्मी यातायात को नियंत्रित किए हुए हैं।

मुस्लिमों ने मजार पर किया अवैध निर्माण, फिर खुद ही तोड़ा

बरेली, 27 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक मजार पर अवैध पक्का निर्माण करवा दिया गया। रातों रात यहां पर सीमेंट का लेंटर डाल दिया गया। जब इस मामले में बरेली के सांसद ने शिकायत की तो प्रशासन ने जांच करके नोटिस भेज दिया। इसके बाद मुस्लिमों ने अवैध मजार को खुद तोड़ना चालू कर दिया।

बरेली के शाही थाना क्षेत्र में गणेशपुर में गांव में यह घटना हुई। यहां एक कब्रिस्तान के भीतर एक पुरानी मजार बनी हुई थी। यह मजार लगभग 30-40 साल पुरानी है। यहां के मुस्लिमों ने इसके चारों तरफ से 20 फीट ऊंचे पिलर रातों रात खड़े किए। इस पर जनवरी, 2025 में ही रातों-रात छत डाल गई। इस निर्माण कार्य के लिए ना प्रशासन की कोई अनुमति ली गई और ना ही उसे सूचना दी गई। यह पूरा मामला तब खुला जब बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार इस गांव के पास से गुजरे। उन्होंने इस जगह को देख कर जानकारी इकट्ठा की।

इसके बाद उन्होंने प्रशासन से विषय में शिकायत की। एसडीएम ने इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए। प्रशासन जब जांच की तो निर्माण अवैध निकला। इसके बाद तुंरत इस निर्माण को तोड़ने के आदेश दिए गए। लेकिन यहां निर्माण को तोड़ने के लिए प्रशासन कोई कार्रवाई करता इससे पहले ही लोग तोड़ने लगे। मुस्लिमों ने यहां निर्माण में लगी बांस-बल्ली हटा कर सीमेंट के पिलर और छत तोड़ने चालू कर दिए।

अंतरिक्ष से दिखा महाकुंभ का विहंगम नजारा

आईएसएस से खींची गई तस्वीरें एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने साझा कीं

महाकुंभ नगर, 27 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और मानवीय आयोजन महाकुंभ मेला को सिर्फ जमीन से ही नहीं बल्कि अंतरिक्ष से भी कैप्चर किया जा रहा है। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर (आईएसएस) ने रविवार रात को अंतरिक्ष से महाकुंभ की आश्चर्यचकित कर देने वाली तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों में महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इसमें गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा है। इन तस्वीरों को आईएसएस से एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर शेयर किया है।

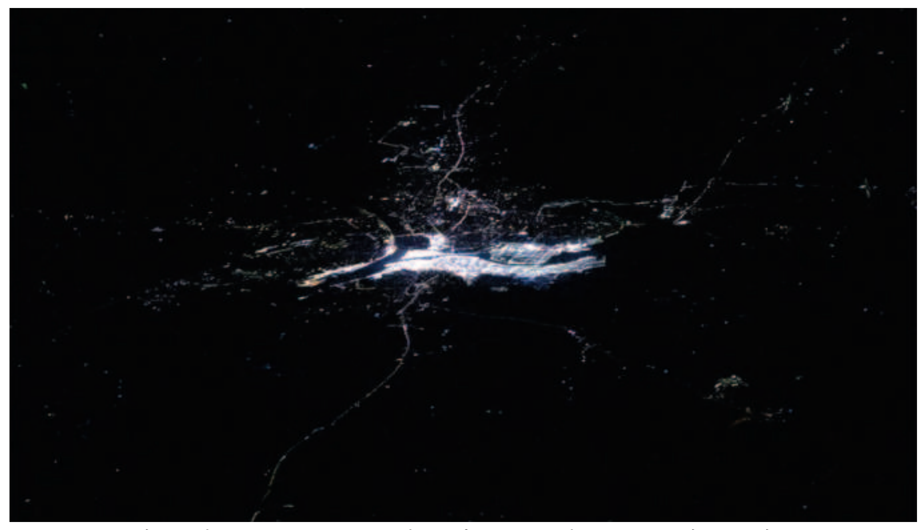

तस्वीरों में महाकुंभ मेले की भव्य रौशनी और विशाल मानव भीड़ ने गंगा नदी के किनारे को अनोखे दृश्य में बदल दिया। अंतरिक्ष से ली गई यह तस्वीरें पृथ्वी पर इस धार्मिक आयोजन की विशालता को दर्शा रही हैं। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा नदी में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं। अब तक 13 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर इस सुखद और धार्मिक अनुभूति को महसूस कर सकें हैं तो वहीं यहां से आ रही तस्वीरों को देखकर पूरी दुनिया विस्मित है। अंतरिक्ष से ली गईं ये तस्वीरें महाकुंभ को लेकर पूरी दुनिया का ध्यान खींचने वाली हैं। डॉन पेटिट ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से खींची गई तस्वीरों में 2025 के महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा था।

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और केमिकल इंजीनियर डोनाल्ड रॉय पेटिट, जो अपनी कक्षा में खगोल-फोटोग्राफी और इनोवेशन के लिए मशहूर हैं, ने इन तस्वीरों को खींचा। पेटिट अंतरिक्ष में बनाई गई पहली पेटेंटेड वस्तु जीरो जी कप के आविष्कारक भी हैं। पेटिट विगत 555 दिनों से आईएसएस में हैं और 69 वर्ष की आयु में नासा के सबसे वृद्ध सक्रिय एस्ट्रोनॉट हैं।

संपादकीय

लाउडस्पीकर पर रोक

कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं, उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अतः कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अतः ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

> कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतः नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है।

संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस चुप क्यों

योगेंद्र योगी

> राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी की तरह झूठे वादे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाएंगे लेकिन क्या दिल्ली में भ्रष्टाचार हटा क्या? अडानी पर भी केजरीवाल कुछ भी नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने जब केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसी समय कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले के संबंध में 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

आतंरिक तौर पर देखें तो राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है। यही वजह है कि भाजपा ने विगत चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस की बखिया उधड़ने में कोई कसर बाकी नहीं रखी।

दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो

गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्ररवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई।

कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था- जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। इसी तरह कांग्रेस मौके-बेमौके ऐसे मुद्दें पर उपहास का पात्र बनती रही है।

भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि यह सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया।

वर्ष 2013 में अगस्ता वेस्टलैंड वीआइपी हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला में सीबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। राजस्थान में एंबुलेस घोटाला में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आरोपी हैं। ये मामला 2010 से लेकर 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का है। ईडी अब तक 12 करोड़ की संपत्तियां आरोपियों से जब्त कर चुकी है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी।

आश्चर्य यह नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं, बल्कि लगाने वाले ने अपनी पार्टी की गिरेबां में झांक कर नहीं देखा। आकंठ तक भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस के मुंह से भ्रष्टाचार शब्द भी अब बेजान हो गया है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान भ्रष्टाचार के काले कारनामों से रंगा हुआ है। कांग्रेस यदि आज देश में लगातार सिमटती जा रही है तो उसका प्रमुख कारण भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। भाजपा के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने दामन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर दोमुंही बातें करती रही है। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार को लेकर कथनी और करनी के फर्क को नहीं मिटाती तब तक देश के मतदाताओं का पूरा भरोसा नहीं जीत सकती।

दृष्टि कोण

जागरूकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

लोकतंत्र का आधार मतदान है और युवा इस आधार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। हमारे देश में युवा आबादी काफी बड़ी है। ऐसे में युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिका निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है। भारत में यह दिन हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना का दिवस भी है। 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

लोकतंत्र की सफलता का आधार स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्रिय मतदान है। जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तभी एक सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, दिव्यांगजन सहित सभी वर्गों के लिए मतदान की सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इस दिन युवाओं को विशेष रूप से संबोधित किया जाता है और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है।

मतदान एक कानूनी अधिकार है, और यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। भारत में, मतदान से संबंधित सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है। सभी योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होते हैं। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है। कोई भी यह नहीं जान सकता कि आपने किस उम्मीदवार को वोट दिया है।

शिक्षक छात्रों को लोकतंत्र के मूल्यों, मतदान का महत्व बताने के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बना सकते हैं। शिक्षक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, नाटक, पोस्टर प्रदर्शन आदि आयोजित कर सकते हैं। छात्रों के बीच मॉक पोल का आयोजन कर उन्हें वास्तविक मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जा सकता है। विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें छात्रों को मतदान के महत्व और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाए। शिक्षक चुनाव आयोग के साथ मिलकर छात्रों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने में मदद कर सकते हैं। इससे छात्र अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें हर नागरिक के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। मतदान इसी अधिकार का प्रयोग करने का एक तरीका है। युवाओं को यह बताना चाहिए कि वे अपने मतदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे ऐसे नेताओं को चुन सकते हैं जो उनके मुद्दों को समझें और उनके लिए काम करें। उन्हें ऐसे नेताओं को चुनना चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। युवाओं को यह समझाना होगा कि मतदान एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मतदान करके इसे निभाना चाहिए।

कुछ अलग

ट्रंप का अमेरिका

डोनाल्ड ट्रंप ने विधिवत रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। अमेरिकी इतिहास में वे दूसरे ऐसे राष्ट्रपति बन गये हैं, जिन्होंने अलग-अलग समय में दो कार्यकाल के लिए चुने जाने का गौरव प्राप्त किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की वापसी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक प्रभाव डालने वाली है। उन्होंने आते ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लेना शुरू कर दिया है। अमेरिका की आंतरिक राजनीति से प्रभावित निर्णयों के अलावा अन्य बड़े निर्णय भी इनमें शामिल हैं। जैसे- उन्होंने अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए कठोर निर्णय ले लिया है, ट्रांसजेंडर व्यवस्था खत्म कर दी और ड्रग माफिया को आतंकी की श्रेणी में डालने का निर्णय, इस प्रकार के कई निर्णय उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते ही ले लिए हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के 78 निर्णयों को पलट दिया है। कैपिटल हिंसा के 1600 आरोपियों के प्रकरण वापस लेने का निर्णय भी लिया है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह पहले अमेरिकी हितों की चिंता करेंगे। यानी वैश्विक राजनीति में अमेरिका अब अपने हितों के संरक्षण पर जोर देगा। इसी संदर्भ में देखना होगा कि उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका के बाहर होने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। कोरोना महामारी के समय से ट्रंप विश्व स्वास्थ्य संगठन के विरोध में रहे हैं। बहरहाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह है कि ट्रंप की नीतियों के कारण अब अमेरिका-भारत के संबंध किस प्रकार के रहेंगे। वैश्विक राजनीति के विश्लेषक मान रहे हैं कि ट्रंप का राज भारत के लिए अवसरों और चुनौतियों का मिश्रण प्रस्तुत करता है। ट्रंप की व्यापार, रक्षा और विदेशी संबंधों की नीतियां- विशेष रूप से दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत में- अमेरिका-भारत संबंधों की भविष्य की दिशा को आकार देंगी। पहले की प्रशासनिक नीतियों की तरह, चीन को लेकर साझा चिंताओं और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता में बढ़ती रुचि के कारण दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध ट्रंप के कार्यकाल में और गहरे होने की संभावना है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी में विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में निरंतर वृद्धि की संभावना है। चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर साझा चिंता दोनों देशों के लिए एक मजबूत एकीकृत कारक बनी हुई है। ट्रंप का क्वाड को मजबूत करने पर जोर भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। भारत को संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और खुफिया जानकारी साझा करने में अमेरिका से और अधिक समर्थन मिलने की उम्मीद है, जो भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ायेगा। ट्रंप की 'शक्ति के माध्यम से शांति' की नीति हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक अधिक मुखर अमेरिकी रुख में परिवर्तित हो सकती है, जो भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भी सहयोग बढ़ने की संभावना है, खासकर ऐसे समय में जब भारत-मध्य एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे जैसी पहलें चर्चा में हैं और इस्राइल-सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं। अभी तक प्राप्त संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है कि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका-भारत संबंधों को नया आयाम मिल सकता है।

देश दुनिया से

रूस-चीन संबंधों की नई इबारत लिखते ट्रंप

वर्ष 2024 के अंत में अपनी सालाना पत्रकार वार्ता में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की : 'मैं कहूंगा कि स्थिति नाटकीय रूप से बदल रही है'। उन्होंने आगे कहा : 'हर दिन समूचे अग्रिम मोर्चे पर हलचल हो रही है'। पुतिन के बारे में माना जाता है कि वे अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि यह केवल कुछ वक्त की बात है जब रूस यूक्रेन को शेष बचे रूसी क्षेत्र से खदेड़ कर, अपने इलाकाई उद्देश्यों की प्राप्ति कर लेगा, जिस पर जल्द से जल्द पुनः नियंत्रण बनाने को अब वह बेताब है। यह दक्षिण तटों सहित वह इलाका है जिस पर रूस का नियंत्रण ऐतिहासिक रूप से रहा था। अब ऐसा लग रहा है कि यूक्रेन को उस क्षेत्र से बेदखल होना पड़ेगा, जिस पर लड़ाई शुरू होने से पहले उसका नियंत्रण था। फिलहाल, रूस वह इलाका दुबारा पाने की कोशिश में लगा है, जो युद्ध शुरू होने के बाद हाथ से निकल गया था।

साथ ही, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां मामला युवा और अनुभवहीन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का भी है, जिन्हें बाइडेन प्रशासन और उसके नाटो सहयोगियों ने अपने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उकसाया था। अब यह स्पष्ट है कि बाइडेन प्रशासन के विपरीत, ट्रम्प की सरकार पुतिन के सैनिकों से निबटने के लिए यूक्रेन के सैन्य अभियानों में उनका साथ नहीं देने वाली। इस सारी प्रक्रिया में, ऐसा लगता है कि अमेरिका यह भूल गया कि रूसियों का एक मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से 'गर्म पानी' वाले तटों पर अपना नियंत्रण और निर्बाध पहुंच बनाए रखना है। साफ है जो बाइडेन ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि रूस के लिए वे अपने पूर्व में मौजूद इलाके कितने महत्वपूर्ण हैं, जिनपर कभी उसका नियंत्रण रहा था और जिससे होकर समुद्र तक उसकी पहुंच साल भर बनी रहती है, विशेषकर वर्तमान में यूक्रेन के तटों वाला।

ट्रम्प के आगमन के साथ देखा जा रहा सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह होगा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक गंभीर प्रयास चल निकलेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो पाए कि समुद्र तक रूस की पहुंच पूर्णतः सुरक्षित रह सके। इसके अलावा, ऐसे संकेत हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में भी इलाका कब्जाने में रूसी सावधानीपूर्वक लगे हुए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के क्षेत्रीय दावों पर यूरोपीय मुल्कों की चिंताओं से जानबूझकर अनजान बने प्रतीत होते हैं। उन्होंने पुतिन के क्षेत्रीय दावों का जिक्र इस प्रकार किया है : 'क्या दिमाग है। पुतिन यूक्रेन के एक बड़े हिस्से को आजाद घोषित कर रहे हैं। यह अद्भुत है'! यह हैरानी जनक है क्योंकि कोई यह उम्मीद नहीं कर सकता था कि अमेरिका इस प्रकार से रूस के क्षेत्रीय दावों का समर्थन करेगा!

राष्ट्रपति ट्रम्प के राज में अमेरिका-चीन संबंधों के बारे में, ऐसे वक्त पर जब भारत चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव को खत्म करने के प्रयास करने में लगा है, चीन के साथ ट्रम्प के संबंधों में कोई गंभीर सफलता मिलने की संभावना कम ही है। ट्रम्प ने चीन की नीतियों के साथ अपने मतभेद व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं किया है। इसकी पुष्टि सीनेटर

मार्को रुबियो को अपना विदेश मंत्री और सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करने से होती है। रुबियो और वाल्ट्ज, दोनों को, वाशिंगटन में 'कट्टर चीन विरोधी' के रूप में जाना जाता है। चीन ने साल 2020 में रुबियो को अपने यहां प्रवेश देने से दो बार रोका था। किसी को हैरानी हो सकती है कि क्या यह प्रतिबंध आगे भी लागू रहेगा। ट्रम्प द्वारा इन दोनों की नियुक्ति का चीन जरा भी स्वागत नहीं करेगा। फिर भी, ट्रम्प के एक अन्य सहयोगी, अरबोंपति एलन मस्क के चीन में बड़े वाणिज्यिक हित हैं, जिनका मूल्य अरबों डॉलर में है। ट्रम्प स्पष्ट रूप से चीनियों को लेकर अपने इरादों के बारे में अनिश्चितता से भरे हुए हैं। ब्यानबाजी के बावजूद, यह भी साफ है कि ट्रंप चीन के साथ अपने विकल्प खुले रखेंगे। हाल-फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप को चीन को उसकी जगह पर रखने के लिए, भारत को संतुलन के तौर पर इस्तेमाल करना चाहेंगे। बदले में भारत को अभी भी अमेरिका की जरूरत है। उच्च तकनीक, रक्षा उत्पादन और अंतरिक्ष से लेकर सुरक्षा आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग के अन्य क्षेत्रों में सहयोग की। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब अमेरिका में बसे उच्च शिक्षित भारतीयों की आबादी बढ़ रही है, जोकि वर्तमान में लगभग 51 लाख है।

हालांकि, अमेरिका-चीन संबंध कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जो दोनों शक्तियों के नेताओं के बीच काफी आपसी अविश्वास और नापसंदगी से पैदा हुआ है। विश्वास और सहयोग की बहाली में समय लगेगा, खासकर जब ट्रम्प के ब्यानबाजी के लहजे ने 'मध्य साम्राज्य' (कभी चीनी खुद को धरती का धुरा मानते थे) के लोगों को चौंका दिया होगा। लेकिन, चीनियों के साथ मतभेदों को दूर करने के लिए ट्रंप के पास एलन मस्क के साथ उनके बढ़िया रिश्ते का उपयोग करने वाला पत्ता सदा हाथ में रहेगा, क्योंकि 'मध्य साम्राज्य' के साथ मस्क के संबंध काफी प्रगाढ़ और निहित स्वार्थ से जुड़े हैं। पहले से ही, ऐसी अटकलें हैं कि चीन अमेरिका में टिकटॉक के कारोबार का मस्क द्वारा अधिग्रहण किए जाने को मंजूरी देने की सोच रहा है। जो भारतीय मस्क के साथ सौदा करने का अवसर ढूंढ़ रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण कारक जिसे किसी को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए, वह यह है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति पुतिन के साथ संबंध बहुत बढ़िया हैं और दुनिया भर के देश इसे स्पष्ट रूप से समझते हैं। इन घटनाक्रमों से सबसे ज़्यादा प्रभावित होने वाले व्यक्ति हैं, यूक्रेन के घिरे बैठे राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की। वे यह मानकर गंभीर रूप से गलत अनुमान लगा बैठे कि जो बाइडेन के नेतृत्व वाले अमेरिका का समर्थन पाकर वे पुतिन के रूस के साथ इलाकाई विवाद में भिड़ने के काबिल हो गए हैं। दुख की बात है कि बाइडेन के उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रम्प ज़ेलेंस्की का साथ देने के मूड में नहीं हैं।

ट्रम्प के हाथ में समझौता करवाने का जो औजार है, वह है अमेरिका के नेतृत्व में रूस पर लगाए गए दंडात्मक प्रतिबंधों की श्रृंखला। निवर्तमान बाइडेन प्रशासन के अंतिम कार्यों में से एक था रूस के ऊर्जा क्षेत्र को लक्षित करते हुए एक व्यापक प्रतिबंध निजाम लागू करना, जो 10 जनवरी, 2025 से प्रभावी हुआ है।

आप का नजरिया

बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जाए

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के कारण देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि, सैफ अली खान पर हमले की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाय-तौबा मचाने और मोदी सरकार को घेरनेवाले लोग हमलावर शरीफुल इस्लाम शहजाद की गिरफ्तारी के बाद से एकदम चुप्पी साध गए हैं। उनकी चुप्पी का कारण है- आरोपी का मुस्लिम और बांग्लादेशी घुसपैठिया होना। सोचिए, यदि हमलावर कोई हिन्दू होता, तब ये तथाकथित सेकुलर बिरादरी के लोग किस प्रकार सरकार को घेरते। हमले के बाद उन्होंने यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया ही कि देश में मुसलमानों के खिलाफ नकारात्मक वातावरण बना दिया गया है, जिसके कारण सैफ अली खान पर हमला हुआ। इसमें भी 'तैमूर प्रकरण' को विशेष रूप से जोड़ा जा रहा था। लेकिन जैसे ही सामने आया कि सैफ अली खान पर हमला करनेवाला कोई हिन्दू नहीं अपितु मुस्लिम ही है, तब से हाय-तौबा मचानेवाले समूह में खामोशी पसर गई है। इस प्रकरण से यह भी स्पष्ट होता है कि घटनाओं को सांप्रदायिक रंग देने में तथाकथित सेकुलर समूह सबसे आगे रहता है। बहरहाल, देश के आम नागरिक को यह बात तो ध्यान आ गई कि बांग्लादेश से होनेवाली अवैध घुसपैठ एक गंभीर संकट है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय विचार के संगठन लंबे समय से इस बात की ओर संकेत करते आ रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की शांति एवं सुरक्षा के लिए चुनौती बनने लगे हैं। चिंताजनक बात यह है कि बांग्लादेश से आनेवाले ये अवैध घुसपैठिए अपनी धार्मिक एवं वास्तिवक पहचान छिपाकर यहाँ-वहाँ फैल गए हैं। आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद भी बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। कुछ दिन पहले मुंबई से ही एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी पुलिस ने पकड़ा था, जो 2016 से मोहिनी के नाम से यहाँ रह रही थी। ऐसे ही कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के पीछे खुद को छिपा रखा था। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से ऐसे हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। आपराधिक वारदात में भी बांग्लादेशी और रोहिंग्या की शामिल होने के समाचार आते रहते हैं। अलग-अलग रिपोर्टस के अनुसार, जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के लगभग 17 राज्यों में लगभग दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। केन्द्र सरकार को चाहिए कि संकल्प लेकर एक बार समूचे देश में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कराए और उन्हें वापस भेजे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को दोषी ठहराया गया

सियोल, 27 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को पिछले महीने विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में कल दोषी ठहराया गया। वह अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा करने के बाद आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले राष्ट्रपति हैं। येओल महाभियोग का भी सामना कर रहे हैं। पूर्व रक्षामंत्री और कई सैन्य जनरलों और पुलिस प्रमुखों को भी हाल ही में दोषी ठहराया जा चुका है। इन सभी पर येओल को अपराध करने में मदद करने का आपराधिक आरोप है। अभियोजकों ने येओल को औपचारिक रूप से दोषी ठहराया है। येओल 26 जनवरी को संवैधानिक न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए। संवैधानिक न्यायालय इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या संसदीय महाभियोग वैध था और क्या उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद से हटा दिया जाना चाहिए।

जनमत सर्वेक्षणों में अधिकांश दक्षिण कोरियाई नागरिक महाभियोग को मंजूरी देने के पक्ष में हैं। येओल को मार्शल लॉ घोषणा की विफलता से जुड़े विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में रविवार को दोषी ठहराया गया। इसी के साथ वह हिरासत और औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने वाले पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए। 19 जनवरी को उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने उन्हें अदालत के आदेश पर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था।

हिरासत अवधि समाप्त होने से ठीक एक दिन पहले अभियोजकों ने उन्हें दोषी ठहराया। अभियोजकों ने येओल को केवल इस चिंता का हवाला देते हुए विद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में दोषी ठहराया है कि संदिग्ध सबूत नष्ट कर सकता है। येओल पर सत्ता के दुरुपयोग के आरोप भी लगे, लेकिन यह आरोप हटा दिए गए हैं। कानून के तहत, राष्ट्रपति को विद्रोह के मामलों को छोड़कर पद पर रहते हुए अभियोजन से छूट प्राप्त है। इससे पहले रविवार को, अभियोजक जनरल शिम वू-जंग ने इस मामले में अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए देश भर के वरिष्ठ अभियोजकों के साथ एक बैठक की। प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों ने कहा कि विद्रोही नेता को अब न्यायाधीशों का उपहास नहीं करना चाहिए। येओल की कानूनी टीम ने अभियोजन के कदम की आलोचना की है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को मिली जमानत

ढाका। बांग्लादेश की अभिनेत्री पोरी मोनी को ढाका के न्यायिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद जुनैद की अदालत ने जमानत दे दी। व्यवसायी नासिर उद्दीन महमूद ने उनपर हमला, बर्बरता और धमकी देने का आरोप लगाया था। इस मामले में पोरी मोनी ने सुबह 10 अदालत में आत्मसमर्पण किया। पोरी मोनी के वकील ने सुबह 10:15 बजे जमानत के लिए अर्जी दी। अदालत ने 1,000 टका के मुचलके पर जमानत दे दी। इससे पहले, इसी अदालत ने पोरी मोनी और उनके कॉस्ट्यूम डिजाइनर जुनैद बोगदादी जिमी के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया था। दोनों के गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए थे। नासिर उद्दीन ने 6 जुलाई, 2022 को केस दर्ज कराया था। पिछले साल 18 मार्च को ढाका जिले के पुलिस ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर मोहम्मद मोनिर हुसैन ने ढाका के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें पोरी मोनी और जुनैद के खिलाफ हमले और धमकी के सबूतों की पुष्टि की गई थी।

पाकिस्तान के खुजदार में कार बम विस्फोट में दो की मौत, सात घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार में रविवार को हुए कार बम विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट खुजदार-शाहदादकोट राजमार्ग पर खोरी इलाके में हुआ। लेवी अधिकारियों ने कहा कि यह शक्तिशाली विस्फोट तब हुआ जब एक बस उस इलाके से गुजर रही थी। इसदौरान विस्फोटकों से लदी एक कार में विस्फोट हो गया। कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बजई ने इसकी पुष्टि की। खुजदार के सहायक आयुक्त हफीजुल्लाह काकर का कहना है कि घायलों में बस चालक और क्लीनर भी शामिल हैं। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान शिराज और सनाउल्लाह के रूप में हुई है।

लंदन में बवाल तिरंगे का अपमान करने वाले खालिस्तानियों पर भड़के भारतीय

लंदन। भारत के गणतंत्र दिवस पर लंदन में भारी बवाल हो गया। विवाद की वजह ये थी, कि यहां गणतंत्र दिवस समारोह का कुछ खालिस्तानी समर्थक विरोध कर रहे थे। विरोध में नारेबाजी कर रह थे। तभी उनका सामना भारतीय समुदाय से हो गया। खास बात है कि इसी तरह की तस्वीरें पहले कनाडा से भी सामने आ चुकी हैं। ब्रिटेन में कई जगहों पर बॉलीवुड फिल्म इमरजेंसी को लेकर भी खालिस्तान समर्थकों ने थिएटर्स में उपद्रव मचाया था। बातचीत में भारतीय समुदाय के एक शख्स ने बताया, हम यहां उच्चायोग में 76वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए एकजुट हुए थे। हमने देखा कि खालिस्तान बाहर इकट्ठे हो रहे हैं और भारत और हमारी संप्रभुता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम यहां एकजुट हुए और उनके प्रदर्शन का जवाब दिया। हमें कोई नहीं तोड़ सकता। एक अन्य शख्स ने कहा कि हम 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर झंडा फहराने के लिए भारतीय उच्चायोग आए थे। हमने देखा कि कुछ खालिस्तानी बाहर जुट रहे हैं और हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि उनके कामों से हमें या हमारे देश को कोई फर्क नहीं पड़ता है। भले ही हम संख्याबल में कम हों, लेकिन हमारा हौसला उनसे ज्यादा है। हम हमारी आखिरी सांस तक लड़ेंगे। वीडियो में नजर आ रहा है कि दोनों ही पक्ष एक-दूसरे को लेकर जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। वहीं, स्थिति को संभालने के लिए पुलिस भी मौके पर मौजूद है।ब्रिटेन में इमरजेंसी फिल्म के प्रदर्शन में खालिस्तान समर्थक कुछ तत्वों के व्यवधान डालने पर भारत ने चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि फिल्म के प्रदर्शन में व्यवधान डालने में शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा, हम भारत विरोधी तत्वों द्वारा हिंसक विरोध-प्रदर्शन और डराने-धमकाने की घटनाओं के बारे में ब्रिटेन सरकार के समक्ष निरंतर चिंता जताते रहे हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कोलंबिया पर कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की

सियोल, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कोलंबिया के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के कोलंबियाई प्रवासियों को निर्वासित करने वाली अमेरिकी सैन्य उड़ानों के प्रवेश से इनकार करने के जवाब में यह कदम उठाए हैं। ट्रंप ने कोलंबिया से आयात पर कड़े नए टैरिफ और वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की है।

कोलंबिया के राष्ट्रपित पेट्रो ने हथकड़ी लगे बंदियों की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए ट्रंप प्रशासन पर कोलंबियाई प्रवासियों के साथ अपराधियों की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनका देश अमेरिका से निर्वासन उड़ानों को तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि प्रवासियों के साथ उस सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जाता जिसका एक इंसान हकदार है।

दो प्रत्यावर्तन उड़ानों को कोलंबिया में उतरने की अनुमति नहीं मिलने के बारे में जानने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह दक्षिण अमेरिकी देश से अमेरिका में आने वाले सभी सामानों पर तुरंत 25 फीसद टैरिफ लगा देंगे और एक सप्ताह के बाद इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे।

उन्होंने कोलंबिया के सरकारी अधिकारियों, उनके सहयोगियों और समर्थकों के तत्काल वीजा रद्द करने और अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। ट्रंप ने कोलंबिया को वित्तीय प्रतिबंध लगाने की भी चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सभी कोलंबियाई नागरिकों और कार्गो के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा निरीक्षण को बढ़ाएंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, ये उपाय सिर्फ शुरुआत हैं। हम कोलंबिया सरकार को उन अपराधियों की स्वीकृति और वापसी के संबंध में अपने कानूनी दायित्वों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे।

इस घोषणा पर पेट्रो ने कहा कि वह अमेरिका से निर्वासन का सामना करने वाले कोलंबियाई प्रवासियों की सम्मानजनक वापसी के लिए एक विमान प्रदान करेंगे। पेट्रो ने कहा कि उन्होंने अपने व्यापारमंत्री को अमेरिकी वस्तुओं पर कोलंबियाई टैरिफ को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का आदेश दिया।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा कहा- चीन की लैब से निकला था कोविड वायरस

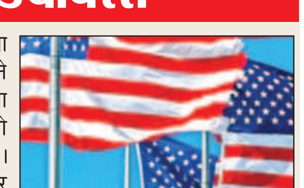

वॉशिंगटन। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने दावा किया है कि कोरोना वायरस एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। एजेंसी ने संकेत दिया है कि वायरस चीन से सामने आया। एजेंसी का यह भी मानना है कि उसे अपने परिणाम पर कम भरोसा है। एजेंसी ने अपनी नई रिपोर्ट को नए निदेशक जॉन रैटक्लिफ के शपथ ग्रहण के बाद सार्वजनिक की। सीआईए के अधिकारियों का कहना है कि कोविड 19 को लेकर खोज और उसकी प्राकृतिक उत्पति दोनों पर लगातार शोध जारी है। क्योंकि अमेरिकी सांसद वायरस की सच्चाई जानने के लिए खुफिया एजेंसियों पर लगातार दबाव डाल रहे हैं। सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ का कहना है कि हम मानते हैं कि वायरस किसी प्रयोगशाला से लीक हुआ है। हम इसके बारे में अधिक विश्वसनीय जानकारियां जुटा रहे हैं। कोविड 19 महामारी को लेकर लगातार शोध हो रहे हैं। अमेरिका में निवर्तमान बाइडन प्रशासन के दौरान कोविड को लेकर सीआईए ने जो रिपोर्ट तैयार की थी, उसमें कहा गया था कि कोरोना वायरस की शुरुआत चीन से हुई थी। मगर इसे लेकर संशय था कि क्या ये वायरस चीनी लैब से गलती से उत्पन्न हुआ या ऐसा जान बूझकर किया गया। कोरोना वायरस को लेकर वैज्ञानिकों के अलग-अलग मत हैं। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि कोरोना वायरस चमगादड़ों से फैला। इसके बाद यह वुहान के बाजार में फैला और मामले सामने आने लगे। जबकि कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि वायरस वुहान की किसी लैब से बाहर आया था। दो साल पहले भी एक अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया था कि वायरस लीक होने का संभावित स्रोत लैब ही थी। मगर इस रिपोर्ट के नतीजों पर कम भरोसा जताया गया था। अब नई रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया विभाग यह तो मान रहा है कि वायरस प्राकृतिक तौर पर नहीं बल्कि किसी लैब से बाहर आया है। मगर एजेंसी को अपनी ही रिपोर्ट के नतीजों पर कम भरोसा है। सीआईए ने कहा कि कोरोना की उत्पति को लेकर जो शोध किए गए, उसके साक्ष्य अपर्याप्त, अनिर्णायक और विरोधाभासी हैं।

महिला की पालतू बिल्ली की वजह से चली गई नौकरी

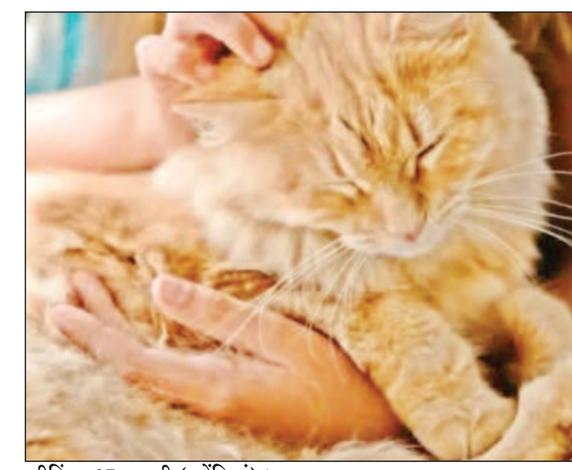

बीजिंग, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

चीन में एक महिला की नौकरी उसकी पालतू बिल्ली की वजह से चली गई। यह घटना है चीन के चोंगकिंग शहर की। यह महिला अपनी नौ बिल्लियों के साथ रहती हैं, जो कि नौकरी से इस्तीफा देने की सोच रही थीं, लेकिन पैसों की जरूरत के चलते वह इस फैसले पर असमंजस में थीं। इस बीच, एक दिन उनकी बिल्ली ने लैपटॉप पर छलांग लगाई और अचानक 'एंटर' बटन दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप उनका इस्तीफा उनके बॉस के पास पहुंच गया। महिला को जब यह एहसास हुआ, तो उन्होंने तुरंत अपने बॉस से संपर्क किया और उन्हें सच्चाई बताने की कोशिश की।

महिला ने कहा कि उनका इस्तीफा भेजने का कोई इरादा नहीं था और यह पूरी तरह से उनकी बिल्ली की गलती थी। हालांकि, उनके बॉस ने यह दावा न मानते हुए इस्तीफा स्वीकार कर लिया और महिला को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इसके साथ ही महिला को साल के अंत में मिलने वाला बोनस भी गंवाना पड़ा।

नौकरी गंवाने के बाद महिला ने अपनी अजीब सी घटना सोशल मीडिया पर शेयर की, जो तेजी से वायरल हो गई। कई लोगों ने इस पर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं, एक यूजर ने तो यह तक कहा कि आपकी बिल्ली ने शायद आपके बॉस का भला किया है, उन्हें बोनस का खर्च बचा लिया।

यह घटना अब इंटरनेट पर एक हंसी मजाक का विषय बन चुकी है, और कई लोग इसे पालतू जानवरों की शरारतों का हिस्सा मानते हुए हल्का-फुल्का मजाक बना रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब पालतू जानवरों ने अनजाने में अपने मालिकों के लिए मुश्किलें खड़ी की हों।

इससे पहले अमेरिका में एक कुत्ते ने गलती से 911 नंबर डायल कर दिया था, जिससे पुलिस बिना सूचना के मालिक के घर पहुंच गई। इसी तरह, ब्रिटेन में एक तोते ने अलार्म की आवाज की नकल की, जिससे दमकल विभाग को बुलाना पड़ा, लेकिन बाद में पता चला कि वह आवाज असल में तोते की थी।

सोने से 2-3 घंटे पहले बंद करें फोन-टीवी

आजकल लोगों को फोन चलाने की इतनी आदत हो गई है कि वे रात भर फोन देखते रहते हैं, जिससे उनकी नींद बुरी तरह प्रभावित हो रही है। तो सवाल यह है कि अच्छी नींद के लिए रात में फोन कब बंद करना चाहिए एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रात को फोन का इस्तेमाल करने से हमारी नींद पर बुरा असर पड़ता है। फोन के अलावा लैपटॉप, टीवी और कंप्यूटर से भी बचने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह यह है कि इन उपकरणों की स्क्रीन से एक ब्लू लाइट निकलती है, जो हमारे शरीर के मेलाटोनिन हॉर्मोन को प्रभावित करती है। यह हॉर्मोन नींद के लिए जरूरी होता है, और जब यह ब्लू लाइट हमारी आंखों पर पड़ती है, तो मेलाटोनिन का प्रोडक्शन कम हो जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि हमारा ब्रेन सोने का संकेत नहीं पाता और हमें नींद नहीं आती। रात को मोबाइल चलाने से मानसिक तनाव भी बढ़ सकता है।

लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद मारकाट

बेरूत/गाजा पट्टी, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

लेबनान और गाजा में संघर्ष विराम के बीच मारकाट मची हुई है। लेबनान के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली बलों ने कल दक्षिणी लेबनान में कम से कम 22 लोगों को मार डाला, जबकि गाजा में इजराइल ने फिलिस्तीनियों को उत्तर की ओर वापस जाने से रोक दिया। इजराइल का कहना है कि हमास संघर्ष विराम की शर्तों का लगातार उल्लंघन कर रहा है। रविवार को विस्थापित हजारों लेबनानी अपने घरों की ओर जाने वाली सड़कों पर आ गए तो इजरायली सेना ने गोलीबारी शुरू कर दी। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के झंडे वाला एक वाहन उनके सैनिकों के पास आ गया। इस वजह से गोलीबारी करनी पड़ी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस गोलीबारी में 120 से अधिक लोग घायल हो गए।

लेबनान में संघर्ष विराम पर नवंबर में हस्ताक्षर हुए थे। यह तय किया गया था कि इजराइल और हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान से हट जाएंगे। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को तैनात किया जाएगा।

इस बीच इजराइल यह कहकर फिलिस्तीनियों को उनके घर लौटने से रोक दिया कि हमास ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। इजराइल इससे भी खफा है कि अर्बेल येहुद (आखिरी महिला नागरिक बंधक) को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। इजराइल का मानना है कि संभवत: वह जीवित है इस बीच फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कहा कि अर्बेल येहुद हमास के नहीं, उसके कब्जे में है। वह अर्बेल येहुद को शनिवार से पहले रिहा कर देगा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को राहत, कोर्ट ने दी जमानत

कोलंबो, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता राजपक्षे को कोलंबो की एक अदालत ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। उन्हें आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 25 जनवरी की सुबह धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत बेलिएट्टा क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवित्रा संजीवनी ने योशितो को आज तक के लिए सीबीडी को रिमांड पर दिया था।

अदालत ने योशिता राजपक्षे की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक अन्य समाचार पत्र डेली न्यूज की खबर के अनुसार, कोलंबो की अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मंजुला रत्नायके ने लंबे विचार-विमर्श के बाद यह आदेश जारी किया। उन्हें इसके लिए दो जमानत बांड जमा कराने के होंगे। साथ ही योशिता को हर महीने के आखिरी रविवार को सीआईडी के सामने उपस्थित होना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले योशिता को 28 दिसंबर को सीआईडी ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया था। यह पूछताछ कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में की जानी थी। सीआईडी ने 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज किए थे।

सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

योशिता राजपक्षे को साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना करना पड़ा है। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फर्जीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था। उन्हें कोलंबो हाई कोर्ट ने 14 मार्च, 2016 को जमानत प्रदान की थी।

कनाडा में भारतवंशी के पीएम बनने की राह में रोड़ा अटका रही ट्रूडो की पार्टी

ओटावा। कनाडा में लोग चाहते हैं कि इस बार प्रधानमंत्री कोई भारतवंशी बने, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनकी पार्टी नहीं चाहती कि कोई भारतवंशी प्रधानमंत्री बने। यही कारण है कि आए दिन किसी न किसी बहाने इसमें रोड़े अटकाए जा रहे हैं। बता दें कि कनाडा में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बीते दिनों प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही देश में अगला पीएम चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिसके लिए कई भरतवंशियों ने भी दावेदारी पेश की है। इनमें सबसे बड़ा नाम था भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्या का। हालांकि अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि चंद्र आर्या को इस लीडरशिप की रेस से बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी चल रही है।

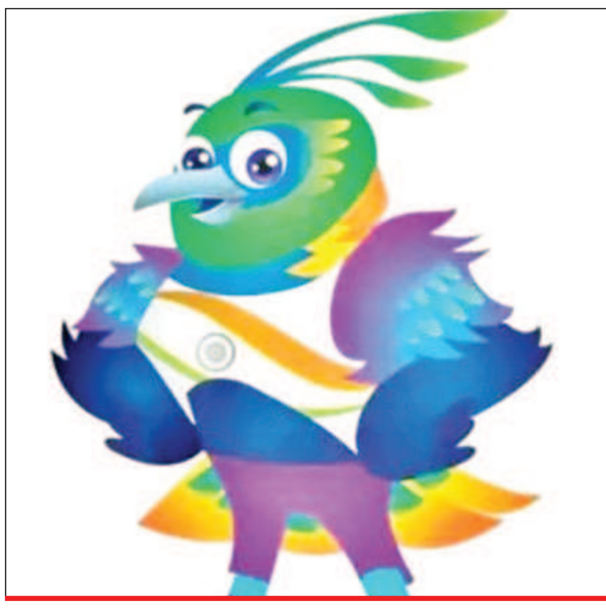

आईओए और एनजीओसी ने एथलीट सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन शुरू की

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति (एनजीओसी) ने उत्तराखंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेल-2025 के दौरान एथलीटों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष सुरक्षा टेलीफोन हेल्पलाइन की स्थापना की है। इस पहल का उद्देश्य खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण तैयार करना है।

चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी हेल्पलाइन

आईओए की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, यह हेल्पलाइन खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी। यह खेलों के दौरान उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अन्य प्रतिकूल घटनाओं को रोकने और हल करने में मदद करेगी।

सुरक्षा समिति की विशेष भूमिका

डॉ. उषा ने बताया कि इस पहल के तहत एक सुरक्षा समिति भी गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता नीतल नारंग और दीपा मेहता कर रही हैं। यह समिति सुरक्षा संबंधी मुद्दों की रोकथाम के लिए काम करेगी और आने वाली शिकायतों पर गोपनीयता के साथ तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

महिला प्रतिभागियों को मिलेगा विशेष समर्थन

सभी प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं, लेकिन समिति विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करेगी। डॉ. उषा ने कहा, यह पहल आईओए और एनजीओसी की खेलों में एक सुरक्षित और समावेशी माहौल बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शिकायतों की गोपनीयता और जवाबदेही पर जोर

डॉ. उषा ने बताया कि सुरक्षा समिति घटनाओं का दस्तावेजीकरण करेगी, जवाबदेही सुनिश्चित करेगी और कदाचार को रोकने के लिए सक्रिय उपाय लागू करेगी। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य एक ऐसा भरोसेमंद खेल वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभागी अपनी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकें और उन्हें प्रभावी ढंग से हल किया जा सके।

राज्य संघों और महासंघों को जागरूकता बढ़ाने का निर्देश

राज्य ओलंपिक संघों और राष्ट्रीय खेल महासंघों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपनी टीमों के साथ हेल्पलाइन और अन्य संसाधनों के संपर्क विवरण साझा करें।

आईओए और एनजीओसी ने एथलीटों और अन्य प्रतिभागियों को इन संसाधनों का उपयोग करने और अपनी भलाई की रक्षा के लिए प्रोत्साहित किया है। यह पहल राष्ट्रीय खेलों में सुरक्षा और कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर करियर की धमाकेदार शुरुआत की

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने अपने पेशेवर मुक्केबाजी करियर की शानदार शुरुआत करते हुए लास वेगास के कॉस्मोपॉलिटन में खेले गए मुकाबले में एल्टन विगिन्स पर पहले राउंड में स्टॉपेज के जरिए शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला 25 जनवरी को डिएगो पचेको बनाम स्टीव नेल्सन अंडरकार्ड का हिस्सा था। निशांत, जो पहले ही एडी हर्न और मैचरूम बॉक्सिंग के साथ करार कर चुके हैं, को पूर्व पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह जीत उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है और भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक नया आयाम जोड़ती है।

ओलंपिक और शौकिया करियर में बेहतरीन प्रदर्शन निशांत देव ने 2024 पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, वह मैक्सिको के मार्को वर्डे से मामूली अंतर से हार गए थे। पेशेवर मुक्केबाजी में कदम रखने से पहले, निशांत को अपनी पीढ़ी के भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष शौकिया मुक्केबाज के रूप में जाना जाता था। 2023 आईबीए बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने क्यूबा के एक मुक्केबाज को हराकर इतिहास रच दिया था। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बने। यह उपलब्धि उनकी क्षमता और कौशल को दर्शाती है। निशांत की यह जीत उनके समर्थकों और भारतीय खेल जगत के लिए गर्व का विषय है। उनके प्रदर्शन ने भारतीय मुक्केबाजी के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं।

अंगूठे की चोट के साथ कुहनेमन ने पहला प्रशिक्षण सत्र पूरा किया

नई दिल्ली। मैट कुहनेमन ने स्वीकार किया कि उन्हें थोड़ी देर के लिए डर लगा था कि उनके अंगूठे की चोट के कारण श्रीलंका दौरे पर जाने की उनकी उम्मीदें समाप्त हो सकती हैं, लेकिन टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के गाले पहुंचने पर उन्होंने और स्टीवन स्मिथ ने पूर्ण प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बाएं हाथ के स्पिनर कुहनेमन के दाहिने हाथ के अंगुठे पर इस महीने की शुरुआत में ब्रिसबेन हीट के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी। वह सप्ताहांत में श्रीलंका में टीम के साथ फिर से जुड़ गए और दो मैचों की श्रृंखला के लिए द्वीप पर पहुंचने के बाद रविवार दोपहर का पहला पूर्ण सत्र पूरा किया। कार्यवाहक कप्तान स्मिथ, जिन्हें बीबीएल में कोहनी में मामूली चोट लगी थी, ने नेट पर बल्लेबाजी में उतना ही समय बिताया जितना किसी और ने बिताया और ऐसा नहीं लगा कि वे किसी परेशानी में हैं। हर टीम सदस्य ने वैकल्पिक सत्र में भाग लिया। स्पष्ट रूप से टर्निंग परिस्थितियों की तैयारी के लिए, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने इस महीने की शुरुआत में एससीजी में टेस्ट डेब्यू पर मध्यम गति की गेंदबाजी के बजाय अपने करियर के शुरुआती दिनों की तरह दाएं हाथ की ऑफ स्पिन गेंदबाजी की। कुहनेमन अपने दाहिने अंगूठे पर ब्रेस पहनना जारी रखे हुए हैं और मेडिकल स्टाफ उनकी निगरानी करेगा। उनकी चोट स्मिथ की तुलना में ज्यादा गंभीर लग रही है, लेकिन कुहनेमन 29 जनवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले पूरी तरह से फिट महसूस कर रहे हैं। कुहनेमन ने पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, मैंने घर पर कुछ सत्र किए और मैं स्पष्ट रूप से बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण तथा गेंदबाजी के अलावा हर चीज में सतर्क था, मुझे कोई समस्या नहीं हुई। कुछ साल पहले भी यही अंगूठा चोटिल हुआ था और यह वास्तव में दर्दनाक था, लेकिन यह शुरू से ही ठीक है। सर्जरी का इंतजार करते हुए, कुहनेमन ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें श्रीलंका में अपने तीन टेस्ट कैप में कुछ और मौका मिलेगा या नहीं। 28 वर्षीय खिलाड़ी को 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के लिए देर से बुलाया गया था, और उसके बाद से उपमहाद्वीप के दौरे की कमी ने उन्हें आगे के अवसरों से वंचित कर दिया।

शिवम दुबे की भारतीय टीम में वापसी संभव, नीतीश रेड्डी और रिंकू सिंह चोटिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम को बड़ा झटका लग सकता है क्योंकि उभरते हरफनमौला खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण शेष मैचों से बाहर हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी को कम से कम चार सप्ताह के आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है, जिससे उनकी वापसी अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान ही संभव होगी। रेड्डी की अनुपस्थिति में, 31 वर्षीय शिवम दुबे को भारतीय टीम में बुलाए जाने की संभावना है। दुबे 28 जनवरी को राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 : चीन को रजत थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा

जकार्ता, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 रविवार को इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

चीन को मिश्रित युगल में रजत पदक

मिश्रित युगल फाइनल में चीन के गुओ झिनवा और चेन फांगहुई जापान के हिरोकी मिडोरिकावा और नात्सु सैतो के हाथों 21-15, 21-17 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए। यह मुकाबला 34 मिनट तक चला, जिसमें जापानी जोड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाया।

पुरुष एकल: थाईलैंड के कुनलावुत ने जीता खिताब

पुरुष एकल फाइनल में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न ने मेजबान इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-18 से हराया और खिताब पर कब्जा जमाया।

महिला एकल: थाईलैंड की रत्चानोक का दबदबा

थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन ने महिला एकल फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू-जिन को सीधे सेटों में 21-18, 21-17 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पुरुष युगल: मलेशिया ने जीता स्वर्ण

पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन ने इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को 21-11, 21-19 से हराकर खिताब जीता।

महिला युगल: दक्षिण कोरिया का शानदार प्रदर्शन

महिला युगल फाइनल में दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग ने इंडोनेशिया की पर्ली टैन और मुरलीधरन थिनाह को 21-12, 17-21, 21-18 से हराकर खिताब पर कब्जा किया।

इस टूर्नामेंट में थाईलैंड और दक्षिण कोरिया का दबदबा देखने को मिला, जबकि चीन और मेजबान इंडोनेशिया स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अर्शदीप सिंह बने आईसीसी पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024

दुबई। भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण तब आया जब बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 'आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया। 25 वर्षीय अर्शदीप ने 2024 में 18 टी20 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 विकेट हासिल किए। यह उपलब्धि उन्हें न केवल भारतीय क्रिकेट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी सबसे प्रभावशाली तेज गेंदबाजों में से एक बनाती है। इससे पहले, अर्शदीप को रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के साथ आईसीसी की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम में शामिल किया गया था। आईसीसी द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में अर्शदीप ने इस सम्मान के लिए अपने कोच, खिलाड़ियों और स्पोर्ट्स स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी मेहनत और समर्थन के बिना संभव नहीं था। 2024 टी20 विश्व कप में अर्शदीप का प्रदर्शन भारत की सफलता की आधारशिला साबित हुआ। भारतीय टीम ने 17 वर्षों बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। जसप्रीत बुमराह के साथ अर्शदीप ने भारत के तेज आक्रमण का नेतृत्व किया और टूर्नामेंट में 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान साझा किया। टी20 विश्व कप के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने 9 रनों पर चार विकेट के शानदार आंकड़े दर्ज किए। फाइनल मुकाबले में, जहां भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से था, अर्शदीप ने निर्णायक भूमिका निभाई। क्विंटन डी कॉक का महत्वपूर्ण विकेट लेकर उन्होंने भारत की उम्मीदें बनाए रखीं। 19वें ओवर में जब दक्षिण अफ्रीका को 12 गेंदों में 20 रन चाहिए थे, अर्शदीप ने मात्र 4 रन दिए। हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में 16 रन डिफेंड कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। अर्शदीप ने कहा, टी20 विश्व कप फाइनल में जीतना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। मैं भविष्य में भी ऐसे प्रदर्शन कर टीम को बेहतरीन नतीजे दिलाने की कोशिश करूंगा। यह पुरस्कार अर्शदीप की प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण है और वह भारतीय क्रिकेट का चमकता सितारा बने हुए हैं।

एफसी बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर लगातार चौथी बार महिला सुपर कप जीता

मैड्रिड, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना की महिला फुटबॉल टीम ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को रियल मैड्रिड को 5-0 से करारी शिकस्त दी और लगातार चौथी बार महिला सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना, जो स्पेन की लीगा एफ में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बनाए हुए है, ने मैच के हर क्षण में अपना वर्चस्व दिखाया।

गोल की बारिश:

मैच के 30वें मिनट में नॉर्वे की कैरोलिन ग्राहम-हैनसेन ने पहला गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। इसके बाद 37वें मिनट में पोलिश फॉरवर्ड इवा पाजोर ने शानदार गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में पाजोर ने एक और गोल कर बार्सिलोना को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने अपना आक्रमण जारी रखा। 62वें मिनट में पैट्री गुइजारो ने दूर से शक्तिशाली शॉट मारकर चौथा गोल किया। मैच के 85वें मिनट में कप्तान एलेक्सिया पुटेलस ने हेडर से गोल करते हुए स्कोर 5-0 कर दिया। यह स्कोर अंत तक बरकरार रहा।

बार्सिलोना का दबदबा जारी:

यह जीत बार्सिलोना की महिला टीम के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। लगातार चार महिला सुपर कप खिताब जीतकर बार्सिलोना ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमवर्क का परिचय दिया है।

रियल मैड्रिड पर एकतरफा जीत:

मैच के दौरान बार्सिलोना ने न केवल अपने आक्रमण को मजबूती से प्रदर्शित किया, बल्कि रियल मैड्रिड को कोई मौका नहीं दिया। यह जीत बार्सिलोना के महिला फुटबॉल में प्रभुत्व को और मजबूत करती है।

बार्सिलोना की यह जीत उनके फैंस और क्लब के लिए एक और यादगार क्षण साबित हुई। अब टीम अपने आगामी मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार है।

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन विजेता

जकार्ता में इंडोनेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन में विजेता दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी किम हेयी जियांग और कोंग ही योंग रनर अप व अन्य खिलाड़ियों के साथ पोज देती हुई।

महिला एचआईएल ट्रॉफी जीतना हमारे लिए गर्व की बात : नेहा

रांची, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

ओडिशा वॉरियर्स ने 26 जनवरी को खचाखच भरे मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को हराकर पहली बार महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और तीन क्वार्टर तक 1-1 की बराबरी पर था। मैच के आखिरी पांच मिनट में रुतुजा दादासो पिसल (20', 56') ने निर्णायक गोल दागा, जिससे वॉरियर्स ने खिताब अपने नाम किया।

कप्तान नेहा ने जताई खुशी

टीम की कप्तान नेहा ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। महिला एचआईएल की पहली ट्रॉफी जीतना हमारे लिए गर्व की बात है। लड़कियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और यह जीत हमारी कड़ी मेहनत का फल है। मजबूत रणनीति और दमदार प्रदर्शन फाइनल में टीम की रणनीति पर बात करते हुए नेहा ने बताया, हम जानते थे कि सूरमा एक मजबूत टीम है और उनकी गति को रोकना हमारी प्राथमिकता थी। हमने नजदीकी मार्किंग पर जोर दिया और अपने पेनल्टी कॉर्नर को हथियार बनाया। हालांकि, हमारे दोनों गोल फील्ड गोल के रूप में आए, जिससे यह जीत और भी खास बन गई।

पूरे टूर्नामेंट में रहा शानदार प्रदर्शन

लीग चरण में वारियर्स ने 13 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था, जबकि सूरमा ने तालिका में शीर्ष स्थान पाया था। वॉरियर्स की स्टार ड्रैगफ्लिकर यिब्बी जेनसन ने लीग में सर्वाधिक पाँच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

भारतीय हॉकी के लिए बड़ा अनुभव

नेहा ने कहा, टूर्नामेंट का माहौल अद्भुत था। यहां प्रशंसकों ने सभी टीमों का समर्थन किया, जो भारतीय हॉकी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। विदेशी खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलते हुए हमने गति और तकनीक के मामले में कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं, जो हमें आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में मदद करेंगे। ओडिशा वॉरियर्स की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल टीम को गौरवान्वित किया, बल्कि भारतीय महिला हॉकी के लिए भी एक नई प्रेरणा दी है।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट राउंड 8: प्रज्ञानानंद और गुकेश के बीच मुकाबला ड्रॉ

नई दिल्ली, 27 जनवरी (एजेंसियां)।

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ रोमांचक मुकाबले में ड्रॉ खेला। बर्लिन डिफेंस में सफेद मोहरों से खेलते हुए, प्रज्ञानानंद ने एक अनुकूल स्थिति बनाई, लेकिन गुकेश ने अपने बेहतरीन बचाव से खेल को बराबरी पर बनाए रखा।

खेल के दौरान गुकेश ने काउंटरप्ले को आगे बढ़ाने के लिए एक मोहरे की बलि दी। हालांकि प्रज्ञानानंद ने इसका लाभ उठाने की कोशिश की, लेकिन खेल बराबरी के करीब बना रहा।

जैसे ही रानियों का आदान-प्रदान हुआ, खेल एक रूक और प्यादों के अंतिम गेम में पहुंचा, जहां गुकेश ने शानदार रणनीति अपनाते हुए एक बाहरी पास मोहरा बना लिया। प्रज्ञानानंद के पास इसे रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। 33 चालों के बाद मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

इस ड्रा के साथ प्रज्ञानानंद और गुकेश दोनों 5.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने रहने की संभावना है।

वहीं, दूसरे ओवरनाइट लीडर उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रॉ खेला, जिससे वह भी शीर्ष स्थान पर बने रहेंगे।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन:

ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा ने डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रुई लोपेज़ के आर्केंजेल्स्क वेरिएशन में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआती मध्य खेल के बाद दोनों खिलाड़ियों ने बराबरी पर खेल को खत्म किया। हरिकृष्णा के अब 4 अंक हैं, जबकि गिरी ने लगातार सातवां ड्रॉ खेलते हुए 3.5 अंक जुटाए।

अर्जुन एरिगैसी ने सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ ड्रॉ खेला, जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका ने हॉलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ भी ड्रॉ निकाला। अर्जुन, मेंडोंका से आधे अंक पीछे हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये से लेकर 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,540 रुपये से लेकर 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 97,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने टीपी-लिंक के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भारत में अपने नेटवर्किंग उपकरणों तथा स्मार्ट घरेलू उत्पादों के विनिर्माण के लिए अग्रणी वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड टीपी-लिंक के साथ साझेदारी की सोमवार को घोषणा की। दोनों कंपनियों के अनुसार इस रणनीतिक साझेदारी का मकसद कनेक्टेड डिवाइस के लिए भारत की बढ़ती मांग को पूरा करना तथा भारत में विनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक को निर्यात बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें कहा गया कि यह सहयोग टीपी-लिंक के मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता को और दूरसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करता है। इन उत्पादों का विनिर्माण ओईएल की सुविधा में किया जाएगा, जिसकी प्रति वर्ष 60 लाख उपकरणों के उत्पादन की क्षमता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि यह सहयोग निर्यात बाजारों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के विकास और विनिर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इसमें कहा गया, ओईएल, टीपी-लिंक के लिए पावर एडॉप्टर, मैकेनिकल पार्ट्स और अन्य चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। इस समझौते से आयात निर्भरता कम होगी और आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण मिलेगा।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी, क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर, दिसंबर 2024 में 50.1 था

हांगकांग। चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जनवरी में मंदी दर्ज की गई है। यह मंदी का कारण मुख्य

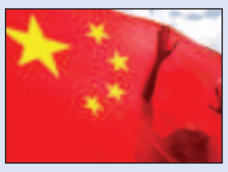

रूप से श्रमिकों के चंद्र नववर्ष की छुट्टियों के लिए अपने गृहनगर जाना माना जा रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार कारखाना प्रबंधकों के सर्वेक्षण पर आधारित क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49.1 पर आ गया, जो कि दिसंबर 2024 में 50.1 था। सूचकांक के 50 से ऊपर होने का मतलब है कि उत्पादन गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट दर्शाता है। नये ऑर्डर तथा उत्पादन में भी कमी आई है। गैर-विनिर्माण क्षेत्र के लिए समानांतर क्रय प्रबंधक सूचकांक दिसंबर के 52.2 अंक से फिसलकर जनवरी में 50.2 अंक पर आ गया है। ब्यूरो के एक वरिष्ठ सांख्यिकीविद् ने कहा कि कारखाना गतिविधियों में गिरावट अंशिक रूप से छुट्टियों के कारण है। उन्होंने बताया कि चीन में सबसे बड़ा त्यौहार चुंग जी का सार्वजनिक अवकाश है, जो मंगलवार से शुरू होगा और चार फरवरी तक जारी रहेगा। इसके दौरान लाखों नागरिक अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए शहरों से गांवों की ओर लौटते हैं। चीन की अर्थव्यवस्था ने 2024 में पांच प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ाई थी, जो कि मजबूत निर्यात और प्रोत्साहन के परिणाम है।

स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने बुनियादी ढांचा खर्च को मिले प्राथमिकताः जिंदल

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस को उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट में स्टेनलेस स्टील क्षेत्र के विकास में बाधा बनने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार से उम्मीद है कि वह स्टेनलेस स्टील उद्योग की कुछ प्रमुख आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिनमें जलमार्ग, रेलवे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, आवश्यक कच्चे माल के आयात पर शून्य आयात शुल्क जारी रखना और सस्ते आयात से होने वाले नुकसान को रोकना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 से पहले जिंदल स्टेनलेस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्टेनलेस स्टील की मांग बढ़ाने के लिए, हम सरकार को बुनियादी ढांचे पर खर्च को प्राथमिकता देते रहने और अंतर्देशीय जलमार्ग, रेल बुनियादी ढांचे और तटीय परिवहन जैसे गतिशील बुनियादी ढांचे के विकास पर खास ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने इस उद्योग के लिए और भी कई सुझाव दिए, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आयात शुल्क पर बदलाव करना। जिंदल स्टेनलेस ने सरकार को स्टेनलेस स्टील उद्योग के उत्थान के लिए और भी कई कदम उठाने की सलाह दी है, जिससे घरेलू उद्योग मजबूत हो सके और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिल सके।

भारत के निर्यातकों की मजबूत स्थिति : अमेरिकी बाजार में छाया भारतीय सामान का जलवा

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात बढ़कर 59.93 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिका में ट्रंप युग की शुरुआत हो गई हो और उन्होंने विभिन्न देशों, भारत सहित, पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी हो लेकिन भारत के निर्यातकों ने बजाय हर्जाने के अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूती साबित की है।

नवंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत ने अमेरिका को हर घंटे लगभग 80 करोड़ रुपए का सामान निर्यात किया है। इसका मतलब है कि भारतीय उत्पादों की मांग अमेरिकी बाजार में बढ़ रही है और निर्यात में वृद्धि हो रही है।

पिछले वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में, भारत का वस्तु निर्यात 5.57 फीसदी बढ़कर 59.93 अरब डॉलर पहुंच गया है, जो मौजूदा रुझान की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात 8.49 फीसदी बढ़कर सात अरब डॉलर रहा है। भारतीय निर्यात में यह वृद्धि सकारात्मक संकेत देती है और भारत के भीतर उत्पादन की वृद्धि को प्रोत्साहित करती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार में निर्यात के लिए अच्छे मौके हैं, जिससे भारतीय उत्पादकों के लिए नये दरवाजे खुल सकते हैं।

आगे चलकर, इस व्यापारिक संबंध का विस्तार होने की संभावना है और भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में और बढ़ोतरी हो सकती है। इस रिपोर्ट से स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय निर्यातकों की क्षमता और उत्पादन अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज हो रही है। यह संकेत भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका में बड़ी संभावनाएं दर्शाता है, जो आने वाले वर्षों में निर्यात में और वृद्धि को देख सकते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में 2024 में ऐतिहासिक वृद्धि

नई दिल्ली। 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की है। निवेश प्रवाह में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज करते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड योजनाओं में कुल निवेश 3.9 लाख करोड़ रुपए हुआ, जो 2023 के 1.6 लाख करोड़ रुपए से दोगुना बढ़कर अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक निवेश की ओर इशारा करती है। हालांकि, इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद 2025 के लिए बाजार में सतर्कता का माहौल देखा जा रहा है। जर्मिनेट इन्वेस्टर सर्विसेज के सह-संस्थापक और सीईओ संतोष जोसेफ ने दिसंबर में इक्विटी फंड प्रवाह में कमी का संकेत दिया है, जिसे बाजार में बढ़ती अस्थिरता के कारण देखा जा रहा है। जोसेफ ने कहा कि इतिहास गवाह है कि इक्विटी फंड्स में निवेश प्रवाह बाजार के प्रदर्शन से गहराई से जुड़ा होता है। जब बाजार में अनिश्चितता रहती है, तो निवेशक गतिविधि धीमी हो जाती है। उन्होंने इस प्रवृत्ति का कारण बाजार में बढ़ती अस्थिरता बताया और जोड़ा कि 2025 में नए फंड लॉन्च और इक्विटी फंड जुटाव में कमी देखने का संकेत मिल सकता है। इसके बावजूद दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिति उत्साहजनक है और विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाजार में बने रहते हैं, वे स्थिरता आने पर इक्विटी मार्केट्स की संपत्ति सृजन क्षमता का लाभ उठा सकते हैं। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हुई इस वृद्धि ने दिखाया कि निवेशक आधुनिक और दीर्घकालिक योजनाओं को अधिक पसंद करने लगे हैं, पारंपरिक विकल्पों से हटकर।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कर्ज 12 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली,27 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का शुद्ध ऋण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12 प्रतिशत घटकर 4,320 करोड़ रुपये रह गया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित आंकड़ों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ब्रांड के तहत संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपये था।

इसके बाद की चुनौतियों और संघर्षों के बारे में भी उन्होंने बात की।

शुद्ध ऋण चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के अंत में 4,930 करोड़ रुपए था

उन्होंने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है और उनकी उम्मीद भी वित्त वर्ष के समापन में मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही पूर्व-बिक्री मामले में हमारी अब तक की सबसे मजबूत तिमाही रही।

संग्रह के मामले में भी यह अब तक की सबसे अच्छी तिमाही रही। उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों के बारे में भी बात की और कहा कि महत्वपूर्ण व्यावसायिक विकास और मजबूत परिचालन प्रदर्शन के दम पर उनका शुद्ध ऋण करीब 600 करोड़ रुपये कम हो गया है और अब करीब 4,300 करोड़ रुपये का है। इसका ऋण समता अनुपात 0.22 है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसद में पेश...

वाले संशोधनों को स्वीकार किया जा सकता है? चाहे संसद हो या जेपीसी, यह स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि कई चीजें थीं जिन पर वे सहमत थे और जिन पर उन्होंने अपनी राय दी थी। आज एक संशोधन पारित किया गया, पहले कलेक्टर को प्राधिकरण बनाया गया था लेकिन अब प्राधिकरण राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा, चाहे वह आयुक्त हो या सचिव। वक्फ पैनल में संसद के दोनों सदनों से 31 सदस्य हैं। इनमें एनडीए से 16, जिनमें भाजपा से 12, विपक्षी दलों से 13, वाईएसआरसीपी से एक, और एक नामित सदस्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 8 अगस्त 2024 को लोकसभा में पेश किए गए प्रस्तावित विधेयक की धारा 3 सी (2) में सरकार को यह तय करने का अधिकार देने की मांग की गई है कि वक्फ के रूप में दी गई सम्पत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। जेपीसी ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सांसदों के विधेयक में सुझाए गए सभी सुझाव स्वीकार कर लिए। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि उनके सुझावों को नकार दिया गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। वहीं समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति द्वारा सुझाए गए बदलावों से बेहतर और प्रभावशाली कानून बनेगा।

विपक्षी सांसदों ने जेपीसी की बैठकों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया नष्ट होने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद और जेपीसी के सदस्य कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि जेपीसी बैठक के दौरान उनकी बात नहीं सुनी गई और जगदंबिका पाल तानाशाही तरीके से काम कर रहे हैं। उन्होंने पूरी प्रक्रिया को हास्यास्पद करार दिया। हालांकि जगदंबिका पाल ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक तरीके से हुई और बहुमत के आधार पर फैसले लिए गए।

विधेयक में जो अहम संशोधन प्रस्तावित हैं, उनमें से एक ये है कि मौजूदा कानून में प्रावधान है कि वक्फ सम्पत्तियों पर सवाल नहीं उठाए जा सकते, लेकिन प्रस्तावित विधेयक में इसे हटा दिया गया है। वक्फ बोर्ड की मनमानियों पर रोक लगाने के लिए लाए गए वक्फ संशोधन विधेयक-2024 के लिए गठित संसद की ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी ने इसके ड्राफ्ट में 572 संशोधन सुझाए हैं। इस बिल को पहले संसद के शीतकालीन सत्र में सदन में पेश किया गया था। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे संसद की पटल पर रखा था। इसके बाद 8 अगस्त को ही इसे जेपीसी को भेज दिया गया। इस दौरान तब से जेपीसी की टीम लगातार देश भर में मुस्लिमों से इसको लेकर उनकी राय जानने की कोशिश कर रही थी। उसी के आधार पर इसमें कुछ संशोधन सुझाए गए थे।वक्फ संशोधन विधेयक-2024 का मुख्य उद्देश्य वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन करके वक्फ की सम्पत्तियों का विनियमन और उसके प्रबंधन को दुरुस्त करना है। वक्फ बोर्ड भारतीय रेलवे और भारतीय सेना के बाद देश में सबसे बड़ा जमीन धारक है, जिसके पास 9 लाख एकड़ से भी अधिक जमीन है।

उत्तराखंड में लागू ...

संहिता को लेकर 2.33 लाख नागरिकों ने सुझाव दिए। 61 हजार पोर्टलों पर सुझाव मिले। 36 हजार सुझाव डाक से मिले। 1.20 लाख सुझाव दस्ती से आए। 24 हजार सुझाव ई-मेल से भी आए। समिति ने सऊदी अरब, तुर्की, इंडोनेशिया, नेपाल, फ्रांस, अजरबैजान, जर्मनी, जापान और कनाडा में लागू यूसीसी का गहन अध्ययन किया।

समिति ने बैठकों, परामर्शों, क्षेत्र के दौरे और विशेषज्ञों और जनता के साथ बातचीत के बाद मसौदा तैयार किया। इस प्रक्रिया में 13 महीने से अधिक का समय लगा। जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी पहली बैठक 04 जुलाई 2022 को दिल्ली में की थी। इसमें महत्वपूर्ण पहलुओं पर जुलाई 2023 में एक मैराथन बैठक में विचार-विमर्श किया गया और इसे अंतिम रूप दिया गया। कमेटी को समान नागरिक संहिता पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से करीब 20 लाख सुझाव मिले हैं। इनमें से कमेटी ने लगभग ढाई लाख लोगों से सीधे मिलकर इस मुद्दे पर उनकी राय जानी है।

प्रदेश में यूसीसी की घोषणा से कानून बनने तक का सफर जद्दोजहद से भरा रहा। 12 फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में यूसीसी लाए जाने पर फैसला लिया गया। मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति बनी। समिति ने 20 लाख सुझाव ऑफलाइन और ऑनलाइन प्राप्त किए और ढाई लाख लोगों से समिति ने सीधा संवाद किया। 02 फरवरी 2024 को विशेषज्ञ समिति ने ड्राफ्ट रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। 06 फरवरी को विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश हुआ। 07 फरवरी को विधेयक विधानसभा से पारित हुआ। इसके बाद राजभवन ने विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजा। 11 मार्च को राष्ट्रपति ने यूसीसी विधेयक को अपनी मंजूरी दी।प्रदेश में यूसीसी लागू होते ही अब सभी धर्म-समुदायों में विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और विरासत के लिए एक ही कानून होगा। 26 मार्च 2010 के बाद से हर दंपति के लिए तलाक और शादी का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, महानगर पालिका स्तर पर पंजीकरण की सुविधा होगी। पंजीकरण नहीं कराने पर 25,000 रुपए का जुर्माना लगेगा। पंजीकरण नहीं कराने वाले सरकारी सुविधाओं के लाभ से भी वंचित रहेंगे। विवाह के लिए लड़के की न्यूनतम आयु 21 और लड़की की 18 वर्ष होगी। महिलाएं भी पुरुषों के समान कारणों और अधिकारों को तलाक का आधार बना सकती हैं। हलाला और इद्दत जैसी प्रथा खत्म होगी। महिला का दोबारा विवाह करने की किसी भी तरह की शर्तों पर रोक होगी। कोई बिना सहमति के धर्म परिवर्तन करता है तो दूसरे व्यक्ति को उस व्यक्ति से तलाक लेने और गुजारा भत्ता लेने का अधिकार होगा। एक पति और पत्नी के जीवित होने पर दूसरा विवाह करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। पति-पत्नी के तलाक या घरेलू झगड़े के समय पांच वर्ष तक के बच्चे की कस्टडी उसकी माता के पास रहेगी। सम्पत्ति में बेटा और बेटी को बराबर अधिकार होंगे। जायज और नाजायज बच्चों में कोई भेद नहीं होगा। नाजायज बच्चों को भी उस दंपति की जैविक संतान माना जाएगा। गोद लिए गए, सरोगेसी से या असिस्टेड री प्रोडेक्टिव टेक्नोलॉजी से जन्मे बच्चे जैविक संतान माने जाएंगे। किसी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे के सम्पत्ति में अधिकार संरक्षित रहेंगे। कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को वसीयत से अपनी सम्पत्ति दे सकता है। लिव इन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए वेब पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। युगल पंजीकरण रसीद से ही किराये पर घर, हॉस्टल या पीजी ले सकेंगे। लिव इन में पैदा होने वाले बच्चों को जायज संतान माना जाएगा और जैविक संतान के सभी अधिकार मिलेंगे। लिव इन में रहने वालों के लिए संबंध विच्छेद का भी पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अनिवार्य पंजीकरण न कराने पर छह माह के कारावास या 25 हजार जुर्माना या दोनों का प्रावधान होगा।

नए मुख्य चुनाव...

राजीव कुमार के बाद ज्ञानेश कुमार सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त हैं, जिनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक है। 17 जनवरी को केंद्रीय कानून मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के तहत चयन समिति गठित की गई। यह संसद के बजट सत्र के दौरान 31 जनवरी से बैठक कर सकती है।

दिल्ली आ रहे ...

उन्होंने केजरीवाल को सलाह देते हुए कहा आरोप लगाने के बजाय उन्हें काम करना चाहिए। दिल्ली की जनता ने मन बना लिया है और वह उन्हें सबक सिखाएगी।

जसप्रीत बुमराह...

इस तरह वह रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले और कपिल देव की लिस्ट में शामिल हो गए।

बुमराह से पहले राहुल द्रविड़ (2004), गौतम गंभीर (2009), वीरेंद्र सहवाग (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2018) भी यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। बुमराह हालांकि, भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं जिन्हें साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी चुना गया है।

मेरा डीएनए...

साथ कर्तव्य पथ पर परेड का हिस्सा बनने के बाद, उनका भारत दौरा महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने न केवल भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत बनाने की बात की, बल्कि अपने डीएनए और संस्कृत के बारे में कुछ दिलचस्प विचार भी व्यक्त किए, जो इस दौरे को और भी खास बना गए। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने 26 जनवरी को महात्मा गांधी की समाधि, राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शाम को राष्ट्रपति भवन में एक महत्वपूर्ण मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति सुबिआंतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एक दिलचस्प बयान दिया। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने कहा कि उनका डीएनए भारतीय है। यह बयान उन्होंने भारतीय संस्कृति और भारत के साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को लेकर किया। उनका यह बयान काफी मायने रखता है, क्योंकि इससे यह साफ होता है कि वे भारतीय सभ्यता और संस्कृति के प्रति गहरी आस्था रखते हैं।

राष्ट्रपति सुबिआंतो का कहना था कि उनकी भाषाई, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ें भारतीय सभ्यता से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने संस्कृत भाषा को लेकर भी अपनी बातें साझा की, यह दर्शाता है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की एक लंबी परंपरा रही है। संस्कृत भाषा का प्रभाव इंडोनेशिया के विभिन्न हिस्सों में देखा जा सकता है, और यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कड़ी है, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को सशक्त बनाती है। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका भारत दौरा दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए है।

उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई पहलुओं पर चर्चा की, जिनमें व्यापार, निवेश, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यावरण संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर बात की गई।

इंडोनेशिया और भारत के बीच सदियों पुरानी सांस्कृतिक और व्यापारिक कड़ी रही है। भारत के साथ सांस्कृतिक संबंधों के कारण ही इंडोनेशिया में हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के प्रभाव का अस्तित्व देखा जाता है। राष्ट्रपति सुबिआंतो ने यह भी उल्लेख किया कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्ते से एशियाई महाद्वीप में शांति और समृद्धि के प्रयास को बल मिलेगा।

शिववास योग और सिद्धि योग में कल मौनी अमावस्या

माघ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को माघी अमावस्या या मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस साल मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। मौनी अमावस्या का ज्योतिष शास्त्र में बहुत महत्व है। इस दिन किसी पवित्र नदी में स्नान के बाद दान करना शुभ माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन पड़ रहा है। यह बेहद शुभ माना गया है। मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। मौनी अमावस्या का हिंदू धर्म में काफी अधिक महत्व है। मौनी अमावस्या को पवित्रता, तप और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना गया है। इस दिन श्रद्धालु मौन धारण करके संगम में स्नान करेंगे। महाकुंभ के अलावा, अन्य श्रद्धालु अन्य नदियों में स्नान करेंगे और पुण्य अर्जित करेंगे। मौनी अमावस्या का शाब्दिक अर्थ है 'मौन रहने वाली अमावस्या'।

माघ मास की मौनी अमावस्या का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन स्नान, ध्यान, पूजा, तप और दान पुण्यदायक माना जाता है। हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के अगले दिन मौनी अमावस्या मनाई जाती है। इस वर्ष मौनी अमावस्या 29 जनवरी को पड़ रही है। इस दिन श्रद्धालु गंगा, नर्मदा समेत अन्य पवित्र नदियों में स्नान करेंगे। साथ ही विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा की जाएगी। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान के बाद दान करने पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन मौन व्रत रखने का विधान है। हालांकि गृहस्थ लोगों के लिए दिन भर मौन रह पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में गृहस्थ लोग पूजा-पाठ करने के बाद अपना मौन व्रत खोल सकते हैं।

उदयातिथि से 29 को मौनी अमावस्या

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या की तिथि की शुरुआत 28 जनवरी को रात 07:35 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 29 जनवरी को शाम को 06:05 मिनट पर होगा। ऐसे में मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी।

शिववास योग

मौनी अमावस्या पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास का संयोग मौनी अमावस्या यानी 29 जनवरी को सायं 06: 05 मिनट तक है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शिव कैलाश पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे।

सिद्धि योग

माघ अमावस्या या मौनी अमावस्या पर सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सिद्धि योग का संयोग रात 09:,22 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में सिद्धि योग को शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। इसके अलावा मौनी अमावस्या पर श्रवण एवं उत्तराषाढ़ा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी।

मौनी अमावस्या पर करें दान

शास्त्रों के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने से पुण्य फल कई गुना बढ़ जाता है। इस दिन का धार्मिक महत्व अधिक है। मौनी अमावस्या के दिन व्रत करने वाले व्यक्ति को दान करना चाहिए। इस दिन जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाना चाहिए। ऐसा करने से पितरों की कृपा प्राप्त होती है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक इस दिन तेल, कंबल, दूध ,चीनी, अनाज तथा अपने आवश्यकता अनुसार पैसों का दान करना चाहिए। इसके अलावा मौनी अमावस्या के दिन पशु-पक्षियों को भोजन करना चाहिए। ऐसा करते श्री पित्र प्रसन्न होते हैं और जीवन में आ रही तमाम समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

महत्व

मौनी अमावस्या का महत्व धर्म के साथ-साथ ज्योतिष से भी जुड़ा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, मौनी अमावस्या तब मनाई जाती है जब माघ महीने के दौरान चंद्रमा और सूर्य मकर राशि में एक साथ आते हैं। मौनी अमावस्या के दिन चंद्रमा और सूर्य दोनों की संयुक्त ऊर्जा के प्रभाव से इस दिन का महत्व और भी अधिक हो जाता है। मकर राशि चक्र की दसवीं राशि है और कुंडली के दसवें घर में सूर्य मजबूत है। ज्योतिष में सूर्य को पिता और धर्म का कारक माना जाता है, इसलिए जब सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में मिलते हैं तो मौनी अमावस्या का त्योहार मनाया जाता है।

क्या करें

इस दिन सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान करें। यदि आप गंगा स्नान नहीं कर सकते हैं, तो पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान के बाद सूर्य देवता को अर्घ्य जरूर दें। ध्यान रहे स्नान करने से पहले तक कुछ बोलें नहीं। मौनी अमावस्या के दिन ज्यादा से ज्यादा ध्यान, प्रार्थना व अन्य धार्मिक क्रिया करें। इस दिन दान जरूर करें। जरूरतमंद लोगों की मदद करें। निस्वार्थ कार्य करना इस दिन शुभ फलदायी होता है। मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में डुबकी लगाएं ताकि शरीर और आत्मा दोनों शुद्ध हो जाएं। मौनी अमावस्या के दिन उपवास करें, ऐसा करना शुभ फल देता है।

क्या ना करें

मौनी अमावस्या के दिन मांस-मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन केवल सादा भोजन ही करें। साथ ही जितना हो सके मौन रहने की कोशिश करें।

मौनी अमावस्या के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए। इसका उल्टा प्रभाव आपके जीवन में पड़ने की संभावना रहती है। मौनी अमावस्या के दिन देर तक सोने से बचना चाहिए। मौनी अमावस्या के दिन नकारात्मक विचारों और भावनाओं को अपने अंदर न आने दें।

करें इस मंत्र का जाप

मौनी अमावस्या के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। मौनी अमावस्या के दिन ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि, शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात मंत्र का जाप 108 बार करें। ऐसा करने से जातक के घर से पितृ दोष समाप्त हो जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मौनी अमावस्या पर राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप, कालसर्प दोष होगा दूर

वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 को माघ अमावस्या है। सनातन धर्म में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व है। इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान करने से साधक द्वारा जाने-अनजाने में किए गए पाप धुल जाते हैं। वहीं, पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा स्नान करते हैं।

असुविधा होने पर साधक अपने घर पर गंगाजल युक्त पानी से स्नान-ध्यान कर भगवान शिव की पूजा करते हैं। मौनी अमावस्या पर शिवजी की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर आप भी भगवान शिव की कृपा पाना चाहते हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन स्नान-ध्यान कर भक्ति भाव से महादेव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय राशि अनुसार मंत्र जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ महाकाल नमः और ॐ गंगायै नमः'मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ रुद्रनाथ नमः और ॐ हरवल्लभायै नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ भीमशंकर नमः और ॐ अनलायै नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक मौनी अमावस्या को पूजा के समय 'ॐ चंद्रधारी नमः और ॐ अव्ययायै नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ कैलाश पति नमः और ॐ श्रीमत्यै नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ गोरापति नमः और ॐ त्रिवेण्यै नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ उमापति नमः और ॐ सावित्र्यै नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के समय 'ॐ विश्वनाथ नमः और ॐ नन्दिन्यै नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ भोलेनाथ नमः और ॐ शरण्यै नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ चंद्रमोली नमः और ॐ अनन्तायै नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ अमरनाथ नमः और ॐ शिवदायै नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक मौनी अमावस्या के दिन पूजा के दौरान 'ॐ नंदराज नमः और ॐ भीष्ममात्रे नमः' मंत्र का जप करें।

मौनी अमावस्या पर कर लें तिल से जुड़े ये उपाय, पितरों की बरसेगी कृपा

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, माघ का महीना 11वां होता है। इस माह में पड़ने वाले व्रत और पर्व का विशेष महत्व है। इनमें मौनी अमावस्या भी शामिल है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर पवित्र नदी में स्नान एवं दान करने से व्यक्ति को सभी पाप से छुटकारा मिलता है। साथ ही पितृ देव प्रसन्न होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में मौनी अमावस्या के दिन किए जाने वाले तिल के उपाय के बारे में बताया गया है। माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन तिल से जुड़े उपाय करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और मृत्यु के बाद बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है।

तिल के उपाय : मौनी अमावस्या के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की विधिपूर्वक उपासना करें। इसके बाद श्रद्धा अनुसार गरीब लोगों में या फिर मंदिर में काले तिल का दान जरूर करें। धार्मिक मान्यता है कि तिल का दान करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद बैकुंठ में सुख मिलता है।

अगर आप पितरों को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद एक लोटे में जल और काले तिल ड़ालकर महादेव का सच्चे मन से अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से शिव जी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही पितृ दोष की समस्या दूर होती है। अगर आप कुंडली में शनि दोष की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो मौनी अमावस्या के दिन लोगों में काले तिल का दान करें। ऐसा माना जाता है कि काले तिल का दान कुंडली में अशुभ प्रभाव दूर होते हैं।

मौनी अमावस्य से सोने की तरह चमकेगी तीन राशियों की किस्मत, धन-संपत्ति में होगी बढ़ोतरी

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस शुभ अवसर पर गंगा स्नान किया जाता है। साथ ही पूजा, जप-तप किया जाता है। वहीं, पूजा के समापन के बाद दान किया जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो मौनी अमावस्या से एक दिन पहले सुखों के कारक शुक्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें मीन राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ होगा। इस राशि में ही शुक्र देव गोचर करेंगे।

शुक्र ग्रह गोचर 2025

सुखों के कारक शुक्र देव 28 जनवरी को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में शुक्र देव 30 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव मेष राशि में गोचर करेंगे। इससे पूर्व कई बार नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से इन राशियों की किस्मत सोने की तरह चमकेगी।

इन राशियों को होगा लाभ

शुक्र देव के राशि परिवर्तन से मीन राशि के जातकों को सबसे अधिक लाभ होगा। इस राशि के जातकों पर शुक्र देव की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से सुखों में वृद्धि होगी। साथ ही धन-संपत्ति में भी बढ़ोतरी होगी। सुख सुविधाओं पर धन व्यय करेंगे। सोचे हुए काम पूरे होंगे। अचानक से धन लाभ होगा। खासकर, फरवरी महीने में धन लाभ होगा। इसके साथ ही वृषभ, कर्क, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों को भी लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों को कारोबार से लाभ मिल सकता है। अगर निवेश किया है, तो अच्छा रिटर्न मिल सकता है। निवेश करने के लिए उत्तम समय है। धन में समय के साथ वृद्धि होगी। रियल स्टेट से अधिक लाभ प्राप्त होगा। विवाहित लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है।

कर्क राशि

शुक्र देव के राशि परिवर्तन से कर्क राशि के जातक भी मालामाल होंगे। इस राशि के जातकों को परिवारजनों और मित्रों का साथ मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। बल और बुद्धि से आप धन अर्जित करने में सफल होंगे। बिगड़े काम बनेंगे। अचानक से धन लाभ हो सकता है। निवेश के लिए उत्तम समय है। घर के बड़ों की सलाह पर निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक एवं कुंभ राशि

शुक्र देव की कृपा वृश्चिक एवं कुंभ राशि के जातकों पर भी बरसेगी। उनकी कृपा से जीवन में सुखों का आगमन होगा। कुंभ राशि के जातकों को बिजनेस से अधिक लाभ होगा। इस राशि के जातकों को ज्वेलरी से संबंधित व्यापार में विशेष लाभ होगा। कपड़ों की खरीदारी पर धन खर्च हो सकता है। आसान शब्दों में कहें तो शॉपिंग कर सकते हैं। वहीं, वृश्चिक राशि के जातकों को ससुराल से धन लाभ हो सकता है। पार्टनर आपको महंगा गिफ्ट दे सकता है।

मौनी अमावस्या के दिन शिव जी का अभिषेक करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है

माघ माघ की अमावस्या को मौनी अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन मौन साधना करने का काफी महत्व माना गया है। इस साल यह तिथि और भी खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन यानी बुधवार, 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ में तीसरा अमृत स्नान किया जाएगा।

मिलेगी पितृ दोष से मुक्ति

अगर आप पितृ दोष से परेशान हैं, तो ऐसी स्थिति में मौनी अमावस्या के दिन तांबे के लोटे में जल लेकर उसमें काले तिल डालें और शिव जी का अभिषेक करें। इससे जातक को पितृ दोष से राहत मिल सकती है और जीवन की कई समस्याएं हल हो जाती हैं।

आय और सौभाग्य में होगी वृद्धि

मौनी अमावस्या के दिन आप गंगाजल में बेल पत्र और पान के पत्ते मिलाकर भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से साधक की आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

होगा सुख-शांति का वास

अगर आपके परिवार में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनी रहती है, तो इसके लिए मौनी अमावस्या के दिन महादेव की विधिपूर्वक रूप से पूजा-अर्चना करें। साथ ही उनका कच्चे दूध में दही और शहद मिलाकर अभिषेक करें। इससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

प्रसन्न होंगे महादेव

मौनी अमावस्या के दिन आप शिव जी का शुद्ध घी से भी अभिषेक कर सकते हैं। इससे शिव जी जल्दी प्रसन्न होते हैं। वहीं भोलेनाथ की कृपा के लिए आप अमावस्या पर शुद्ध शहद से भी उनका अभिषेक कर सकते हैं। इस उपाय को करने से व्यक्ति का सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उसके सभी दुख-दर्द भी दूर होने लगते हैं।

अमावस्या के दिन कुछ जगहों पर जलाएं दीपक पितृ होंगे प्रसन्न और बनेंगे बिगड़े काम

पंचांग के अनुसार, मौनी अमावस्या का त्योहार 29 जनवरी को मनाया जाएगा। इस दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है। इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना और जप, तप और दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही पितृ दोष दूर होता है। ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन कुछ जगहों पर दीपक जलाकर पितरों को प्रसन्न किया जा सकता है।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं। साथ ही शाम के समय तेल का दीपक जरूर जलाएं। इस दौरान सच्चे मन से पितृ सूक्त का पाठ करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से व्यक्ति को पितरों की कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक समस्याएं से छुटकारा मिलता है।

बनेंगे बिगड़े हुए काम

मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु के साथ महादेव की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इस दौरान कच्चे दूध में दही, शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। साथ ही देसी घी का चौमुखी दीपक जलाएं। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं और शिव जी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा शिव जी की पूजा में तिल का दीपक भी जला सकते हैं। इससे शंकर जी का आशीर्वाद बना रहेगा और सभी कष्ट दूर होंगे।

पितृ दोष की समस्या होगी दूर

मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करने के बाद दीपदान करें। पितरों को जल अर्पित करें। इससे पितृ दोष की समस्या दूर होगी और पूर्वजों की शांति प्राप्त होगी।

इन जगह पर भी जला सकते हैं दीपक

सनातन धर्म में पूजा-अर्चना करने के लिए दिशा का विशेष ध्यान रखें। अमावस्या की रात घर में उत्तर और पूर्व दिशा के बीच दीपक जलाएं। धार्मिक मान्यता है कि इस उपाय को विधिपूर्वक करने से पितरों और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

कमाल अमरोही के वजह से मीना कुमारी और मधुबाला बन गई थीं कट्टर दुश्मन?

मधुबाला और मीना कुमारी दोनों ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की महान अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। भले ही अब वे दोनों इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने पीछे छोड़ गई हैं अनेकों कालजई फिल्में। अपने शानदार अभिनय प्रतिभा के कारण वे दोनों हिंदी सिनेमा के इतिहास में अमर हो गईं और सदियों तक याद की जाती रहेंगी। मधुबाला और मीना कुमारी अपनी अद्भुत सुंदरता के लिए जानी जाती थीं।लेकिन कम ही लोगों को पता होगा कि करोड़ों दिलों की मल्लिका इन दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समानताए भी थीं। दोनों अपने समय की सुपरस्टार थीं, लेकिन दोनों की पर्सनल लाइफ बेहद दुखद थी। कहा जाता है कि दोनों के बीच में एक सख्श ऐसा था, जिनसे दोनों ही मोहब्बत कर बैठीं और वहीं दोनों के बीच दुश्मनी की वजह बना।

बता दें कि साल 1949 के आसपास मधुबाला और मीना कुमारी के पति कमाल अमरोही के साथ अफेयर की अफवाहें थीं। इस बात को जानने के बावजूद कि कमाल अमरोही पहले ही मीना कुमारी से शादी कर चुके हैं मधुबाला उनसे शादी करना चाहती थीं। मधुबाला चाहती थीं कि कमाल अपनी पत्नी को तलाक दे दें और उनसे शादी कर लें। रिपोर्ट्स की मानें तो जब मीना को इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने मधुबाला को अपनी चप्पलों से पीटना चाहा था और उन्हें थप्पड़ भी मारना चाहा था।।

ट्रेजेडी क्वीन' के नाम से मशहूर मीना कुमारी की असल जिंदगी कांटों के बिस्तर से कम नहीं थी। गरीबी के कारण उनके जन्म के ठीक बाद उनके पिता ने उन्हें एक अनाथालय के दरवाजे पर छोड़ दिया था। बाद में रोती हुई मीना को वह वापस ले गए। बड़ी होने के बाद पिता से बगावत कर के फिल्म निर्माता कमाल अमरोही के साथ मीना कुमारी ने शादी की। कमाल पहले से 3 शादिया कर चुके थे। कमाल के साथ उनकी जिंदगी बेहद जिल्लत भरी थी। कमाल से रिश्ता उनके लिए किसी दर्दनाक जेल से कम नहीं था। जहां उन्हें न केवल बेवफाई, बल्कि घरेलू हिंसा का भी सामना करना पड़ा था। वह शराब पीने लगीं और बीमार रहने लगीं। जब वह अस्पताल में थी तो कमाल उन्हें छोड़ कर भाग गए थे। उनके पास अस्पताल का बिल देने के लिए भी पैसे नहीं थे। कम उम्र में ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

वहीं मधुबाला की कहानी भी कुछ मीना कुमारी जैसी ही थी। मधुबाला के कुल 8 भाई बहन थे। घर का खर्च चलाने के लिए वह कम उम्र में ही काम करने लगीं। उन्हें दिल की बीमारी थी। इसके बावजूद वह लगातार काम करती रहीं। वह दिलीप कुमार से बेइंतहा मोहब्बत करती थीं। लेकिन उनकी शादी नहीं हो पाई। बाद में उन्होंने किशोर कुमार से शादी की, लेकिन बीमारी में किशार कुमार ने उन्हें तन्हा छोड़ दिया। कम उम्र में ही मधुबाला ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

11 साल बाद फिल्मों में लौटी कैमरून डियाज

52 की उम्र में दिखाया ऐसा एक्शन आप भी कहेंगे उम्र है कि बढ़ती नहीं

नेटफ्लिक्स पर 17 जनवरी को एक फिल्म रिलीज हुई। इस फिल्म का नाम बैक इन एक्शन है और यह फिल्म लगातार ट्रेंडिंग में टॉप वन पर बनी हुई है। इस एक्ट्रेस की कोई फिल्म 11 साल बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इस एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी एक्टिंग और एक्शन से फैन्स का दिल जीत लिया। इस एक्ट्रेस नाम है कैमरून डियाज। 52 साल की कैमरून डियाज आखिरी बार किसी फिल्म में 2014 में नजर आई थीं और नेटफ्लिक्स की बैक इन एक्शन फिल्म से उन्होंने फिर से एक्टिंग की दुन्यिा में कदम रख दिया है। बैक इन एक्शन का निर्देशन सेठ गॉर्डन ने किया है और इसमें कैमरून डियाज के साथ जेमी फॉक्स, एंड्रयू स्कॉट, जेमी डिमेत्रो और ग्लेन क्लोज नजर आए।

कैमरून डियाज हॉलीवुड में 40 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कैमरून 30 अगस्त 1972 को कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में जन्मी थीं। 1994 में फिल्म द मास्क के साथ उन्होंने अपनी फिल्मी सफर की शुरुआत की, जिसमें उनके साथ जिम कैरी थे। इस फिल्म ने उन्हें स्टार बना दिया और उनके काम को खूब पसंद किया गया।

कैमरून डियाज ने माय बेस्ट फ्रेंड्स वेडिंग (1997), देयर इज समथिंग एबाउट मैरी (1998), चार्लीज एंजल्स (2000), चार्लीज एंजल्स: फुल थ्रॉटल (2003), वनिला स्काई (2001), द हॉलिडे (2006), व्हॉट हैप्न्स इन वेगास (2008), नाइट ऐंड डे (2010), श्रेक (2001), नो स्ट्रिंग्स अटैच्ड (2011) और बैड टीचर्स (2011) जैसी फिल्मों से दर्शकों का खूब दिल जीता। कैमरून डियाज ने संगीतकार बेंजामिन मैडेन से 2015 में शादी की, और दोनों के दो बच्चे हैं।

पैन इंडिया फिल्म कन्नप्पा से प्रीति मुकुंदन का पोस्टर जारी

निर्माताओं ने उठाया अभिनेत्री के किरदार से पर्दा

विष्णु मांचू अभिनीत कन्नप्पा के निर्माताओं ने प्रीति मुकुंदन के किरदार नेमाली का अनावरण किया है। यह गतिशील भूमिका अनुग्रह, सौंदर्य, साहस, प्रेम और भक्ति का प्रतीक है, जो नेमाली को कन्नप्पा का दिल और आत्मा बनाती है। फर्स्ट-लुक पोस्टर में प्रीति का ग्लैमर दिखाया गया है, जो दर्शकों को और अधिक देखने के लिए उत्सुक कर रहा है। कन्नप्पा में मोहन बाबू, प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथ कुमार, अर्पित रांका और काजल अग्रवाल सहित कई स्टार कलाकार हैं। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित, इस एक्शन से भरपूर फिल्म में लुभावने वीएफएक्स हैं और यह एक सच्ची, प्रेरक कहानी पर आधारित है। 25 अप्रैल, 2025 को रिलीज़ होने वाली कन्नप्पा सबसे बड़ी समर ब्लॉकबस्टर होने का वादा करती है।प्रीति मुकुंदन ने नेमाली का किरदार निभाया है, जो कन्नप्पा की कहानी में गहराई लाता है। उनके किरदार की वफ़ादारी और करुणा झलकती है, जो उन्हें कलाकारों में एक आकर्षक जोड़ बनाती है।

अपने विविध कलाकारों और आकर्षक कहानी के साथ, कन्नप्पा देश भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। कन्नप्पा की रिलीज़ की तारीख, 25 अप्रैल, 2025, का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है। फिल्म की अखिल भारतीय पहुँच और सार्वभौमिक विषय व्यापक अपील सुनिश्चित करते हैं। निर्देशक मुकेश कुमार सिंह की दृष्टि एक्शन, ड्रामा और शानदार दृश्यों को जोड़ती है, जो कन्नप्पा को एक प्रत्याशित फिल्म बनाती है।

हॉरर थ्रिलर सबधाम की रिलीज आज

अरिवाझगन द्वारा निर्देशित आदि की हॉरर थ्रिलर सबधाम 28 फरवरी, 2025 को रिलीज़ होने वाली है। इस तमिल-तेलुगु द्विभाषी फिल्म में आदि और अरिवाझगन फिर से साथ आ रहे हैं, जिन्होंने पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 2009 की हॉरर फिल्म ईरम में साथ काम किया था। लक्ष्मी मेनन, लैला और सिमरन की प्रमुख भूमिकाओं वाली सबधाम का टीजर एक खौफनाक कहानी की ओर इशारा करता है। आदि एक शिक्षक की भूमिका में हैं जो एक महिला की आत्महत्या से शुरू हुई कॉलेज के भीतर भयानक घटनाओं की जांच कर रहा है। फिल्म एक भावनात्मक अंतर्धारा की खोज करती है, जो अरिवाझगन के निर्देशन की एक खासियत है, जो ईरम / वैशाली में स्पष्ट है और एम नाइट श्यामलन की सिक्स्थ सेंस से प्रेरित है।7जी फिल्म्स और अल्फा फ्रेम्स द्वारा समर्थित अरिवाझगन के प्रोडक्शन वेंचर में एक प्रतिभाशाली तकनीकी दल है। एस थमन ने संगीत तैयार किया है, अरुण बाथमनबन ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और सबु जोसेफ वीजे ने संपादन किया है। थमन और अरिवाझगन ने पहले ईरम, वलिनम और आराथु सिनम में सहयोग किया था।जैसे-जैसे सबधाम रिलीज के करीब आ रहा है, हॉरर और भावनात्मक गहराई के मिश्रण के लिए उम्मीदें बढ़ रही हैं। क्या आधी और अरिवाझगन ईरम का जादू फिर से जगा पाएंगे? लक्ष्मी मेनन और सिमरन की भूमिकाएँ कैसे सामने आएंगी?

फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला पल : जुनैद खान

अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने फराह खान के साथ काम करने पर बात की। उन्होंने बताया कि डांसिंग कौशल में आने वाली परेशानियों के बावजूद इसे फराह खान ने कैसे आसान और सहज बनाया। जुनैद ने उनके साथ काम करने को कभी ना भूलने वाला बताया।जुनैद ने हाल ही में कोरियोग्राफर-निर्देशक फराह के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। फराह खान ने जुनैद और खुशी कपूर के साथ अपकमिंग लवयापा के गाने रहना कोल को कोरियोग्राफ किया है।लवयापा को लेकर जुनैद ने कहा, फराह मैम के साथ काम करना कभी ना भूलने वाला रहा है। वह सेट पर शानदार उपस्थिति लेकर आती हैं। मैं इतने सम्मानित और अनुभवी व्यक्ति से सीखने के अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं। एक डांसर के रूप में मेरी कमजोरियों के बावजूद, उनकी एनर्जी ने मुझे सहज महसूस कराया और इससे मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान केंद्रित कर पाया।दिलचस्प बात यह है कि आमिर खान की फिल्म जो जीता वो सिकंदर (1992) के मशहूर गाने पहला नशा को कोरियोग्राफ करने वाली फराह ने अब आमिर के बेटे जुनैद के लिए भी गाना कोरियोग्राफ किया है। फराह के साथ काम करने के अपने अनुभव को याद करते हुए जुनैद ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे यादगार पलों में से एक बताया।लवयापा के बारे में बता दें कि यह एक युवा जोड़े के सफर को दिखाती है, जिनके रिश्ते में तब मुश्किलें आती हैं, जब वे मोबाइल फोन की अदला-बदली करते हैं और एक-दूसरे के बारे में कुछ सच्चाइयों को जान जाते हैं। यह फिल्म तमिल हिट लव टुडे की रीमेक है, जिसमें 2022 में प्रदीप रंगनाथन और इवाना ने मुख्य भूमिका निभाई थी।लवयापा में अपनी भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए, जुनैद ने कथित तौर पर दिल्ली में तीन महीने बिताए, और खुद को शहर की जीवनशैली और संस्कृति में ढाल दिया।घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, जुनैद खान ने अपने किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए दिल्ली में तीन महीने बिताकर खुद को पूरी तरह से इस भूमिका में ढाल दिया।

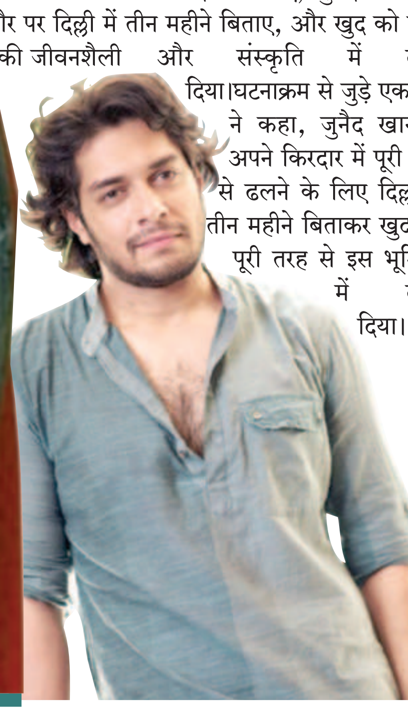

अवनीत कौर ने मजेदार अंदाज में सुनाई अपनी लव स्टोरी

अभिनेत्री अवनीत कौर ने आखिरकार अपनी लव लाइफ के बारे में बात की। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने मजेदार अंदाज में लव स्टोरी सुनाई।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर खासा सक्रिय रहती हैं और अपनी शानदार पोस्ट को प्रशंसकों संग साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बिस्तर पर लेटी हुई एक शॉर्ट वीडियो साझा की। शॉर्ट वीडियो में वह ब्राउन रंग की स्वेटशर्ट पहने सेल्फी लेती नजर आईं।अवनीत ने कैप्शन में लिखा, मैं और मेरा बिस्तर, यह एक लव स्टोरी है।एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने बताया था कि वह इस समय जम्मू-कश्मीर में हैं। बताया कि उन्होंने 13 डिग्री तापमान में शूटिंग की। हालांकि, उन्होंने प्रोजेक्ट का ब्योरा नहीं दिया। नहीं बताया कि वो फिल्म की या किसी सीरीज की शूटिंग के लिए वहां पहुंचीं हैं।पिछले हफ्ते ही अवनीत अबू धाबी में कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में शामिल हुई थीं, जिसे उन्होंने बेस्ट बताया और कहा कि वापस जाकर लोगों संग उन हसीन पलों को शेयर करना चाहती हैं।

अवनीत ने इसके बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज में कॉन्सर्ट के कई वीडियो साझा किए थे।एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2010 में डांस शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स से करियर की शुरुआत की थी।साल 2012 में मेरी मां से अवनीत ने अभिनय यात्रा शुरू की। इसके बाद वह टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं, झलक दिखला जा में नजर आईं। 2013 में उन्होंने सावित्री - एक प्रेम कहानी और एक आसमान में काम किया।अवनीत ने साल 2014 में रिलीज प्रदीप सरकार की मर्दानी से फिल्मी दुनिया में कदम रखा।जून 2023 में अभिनेत्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ कंगना रनौत की टीकू वेड्स शेरू में नजर आई थीं। जून 2024 में उन्होंने सनी सिंह के साथ लव की अरेंज मैरिज की। उनकी अपकमिंग फिल्म लव इन वियतनाम की घोषणा 2024 के कान फिल्म महोत्सव में की गई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जी–वनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आप–धापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 28 जनवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 07:38 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 08:59 तक
योग : वज्र रात्रि 11:51 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:12 तक
चन्द्रराशि : धनु दोपहर 02:53 तक
सूर्योदय : 06:48 , सूर्यास्त 06:09 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 08:10 तक

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजभवन में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। राजभवन में सोमवार को उत्तर प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव राज्य तथा केन्द्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के स्थानीय निवासियों को शुभकामनाएं देते हुए 'विकसित भारत' में सभी की समान भागीदारी का आह्वान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अखण्ड भारत के राज्य विविधता में एकता की संस्कृति लिए है। उन्होंने राज्यों के नामकरण में निहित संस्कृति और उनकी विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि हर राज्य भारत की श्रेष्ठ संस्कृति से जुड़ा है। उन्होंने प्राचीन भारत के ज्ञान–विज्ञान और वैदिक संस्कृति से जुड़े सूक्ष्म पहलुओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि जो वैज्ञानिक खोजें पश्चिम के आधुनिक वैज्ञानिकों के नाम है, उनके बारे में हमारे वेद–पुराणों और भास्कराचार्य और उनकी पुत्री लीलावती ने पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा कि हमारा देश ज्ञान परम्परा की धरोहर लिए है। उन्होंने रियासतों के एकीकरण के बाद बने विभिन्न राज्यों की प्रगति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसमें वहां के नागरिकों की भी महती भूमिका रही है।

राज्यपाल ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत राज्यों के स्थापना दिवस मनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राजभवन में इस तरह के आयोजन परस्पर संस्कृतियों के साझा संबंधों को दर्शाते हैं। राज्यपाल बागडे ने विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज और प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

राजस्थान हाईकोर्ट में तीन नवनियुक्त जजों ने ली शपथ

न्यायाधीशों की संख्या हुई 33, लेकिन 17 पद खाली

जोधपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट में तीन नए जजों ने शपथ ली, जिससे कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 33 हो गई। यह शपथ ग्रहण समारोह जोधपुर में आयोजित हुआ, जहां मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने जज चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चंद्र प्रकाश श्रीमाली को शपथ दिलाई। ये तीनों जज 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट में फिलहाल 50 जजों की स्वीकृत संख्या है, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 33 जज कार्यरत हैं, यानी अब भी 17 पद रिक्त हैं। इस वर्ष जनवरी से लेकर नवंबर तक 5 जज रिटायर हो जाएंगे, जिनमें जस्टिस पंकज भंडारी, जस्टिस मदन गोपाल व्यास, जस्टिस बीरेंद्र कुमार, जस्टिस नरेंद्र ढड्ढा और जस्टिस मनोज कुमार गर्ग शामिल हैं।

हालांकि, हाल ही में अक्टूबर में तीन और जजों की नियुक्ति हुई थी, जिनमें 2 जज पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से तथा 1 जज तेलंगाना हाईकोर्ट से थे।

नवनियुक्त जजों की शपथ के बाद, अदालतों में उनके द्वारा मामलों की सुनवाई की रूपरेखा जारी की गई है, जिसमें प्रमुख बेंचों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई हैं।

18वां जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 30 को

पुरस्कृत लेखकों और विचारकों के साथ कहानियों का जश्न

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। 18वाँ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, होटल क्लार्क्स आमेर में 30 जनवरी, 2025 से साहित्य और कला के केंद्र के रूप में जगमगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। शब्दों का उत्सव मनाने की परंपरा और दुनिया भर के लिटरेचर फेस्टिवल्स के सिरमौर के रूप में विख्यात, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल एक बार फिर सिद्ध करेगा कि आखिर क्यों यह फेस्टिवल लेखकों, बुद्धिजीवियों और दर्शकों को इतना प्रिय है। इस बार भी दुनिया भर की पुरस्कार विजेता हस्तियाँ इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी।

नोबेल और बुकर पुरस्कार से लेकर साहित्य अकादमी और पुलित्जर पुरस्कार की सूचियों के लेखक इस बार इस आयोजन का हिस्सा होंगे, जो विचारों और कहानियों की दुनिया को बदल डालने वाली ताकत और ज्ञान का जश्न मनाने के लिए गुलाबी शहर जयपुर में इकट्ठे हो रहे हैं।

साल 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के सह–विजेता अभिजीत बनर्जी, अपनी नई किताब छौंक पर बातचीत करेंगे, जिस में भारतीय भोजन, संस्कृति और समाज का एक अद्भुत वर्णन है। इसी पुरस्कार की सह–विजेता एस्थर डुफ्लो, अपनी प्रसिद्ध पुस्तक पुअर इकोनॉमिक्स के बच्चों पर केंद्रित संस्करण पुअर इकोनॉमिक्स फॉर किड्स को प्रस्तुत करेंगी। रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता वेंकी रामकृष्णन अमरत्व की खोज और उम्र बढ़ने के विज्ञान पर आधारित एक शानदार सत्र का हिस्सा होंगे। इसके अलावा एक विशेष लॉन्चिंग ईवेंट में कैलाश सत्यार्थी अपनी नई किताब दियासलाई के विमोचन में शामिल होंगे और इस सत्र की मेज़बानी वरिष्ठ साहित्यकार नमिता गोखले करेंगी।

व्यापारी की पत्नी की हत्या कर 25 लाख लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में 24 जनवरी 2025 को हुई व्यापारी दिग्शन कन्नी के घर लूट और उनकी पत्नी कंचन देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी सन्नी चौधरी और उसके साथी रोहित कुमार को उत्तर प्रदेश के हाथरस से गिरफ्तार कर लिया गया है।

व्यापारी दिग्शन कन्नी की पत्नी कंचन देवी घर पर अकेली थीं, जब सन्नी चौधरी ने अपने रिश्तेदार रोहित कुमार और बुआ के लड़के सुनील के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। सन्नी चौधरी पहले व्यापारी के घर में नौकर था और उसे घर में रखे नकदी और अन्य सामानों की जानकारी थी।

आरोपी ने कंचन देवी को चाकू दिखाकर डराया और अलमारी तोड़कर उसमें रखे 24 लाख 30 हजार और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। घटना के दौरान कंचन देवी ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी।

आवासन मण्डल को सिरमौर बनाना हमारा कर्तव्य : वैभव गालरिया

जयपुर,27 जनवरी (एजेंसियां)। आवासन के क्षेत्र में आवासन मण्डल को सिरमौर बनाना हमारा कर्तव्य है। नवनियुक्त कार्मिक मण्डल के भविष्य की नींव हैं,उनके कौशल विकास और सशक्तिकरण से मण्डल की कार्यप्रणाली मजबूत होगी। यह कहना है नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया का। आवासन मण्डल द्वारा हाल ही में विभिन्न पदों पर नियुक्त किए गए 191 कार्मिकों का फाउंडेशन कोर्स सोमवार से ओटीएस में प्रारंभ हुआ । वैभव गालरिया ने इस अवसर पर नवनियुक्त प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया । उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों के पूर्ण जिम्मेदारी, पारदर्शिता और निष्ठा से अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करने में यह फाउंडेशन कोर्स मील का पत्थर साबित होगा ।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आवासन मण्डल का संकल्प है की आमजन को बेहतर आवास उचित दामों पर उपलब्ध करवाएँ , मण्डल के आगामी 3 दशक आपके हाथ में है इसलिए अपने ज्ञान की नींव में मेहनत की ईंटे लगाये और मन लगाकर इस कोर्स को समझते हुए पूर्ण करें ।

इस अवसर पर आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षणार्थी सभी विधाओं में दक्ष बन स्पेशलिस्ट के साथ –साथ जनरलिस्ट भी बनें ताकि आने वाले समय में उन्हें फील्ड पोस्टिंग में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े ।

हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे

मुख्यमंत्री सैनी ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा

चंडीगढ़,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में कदम उठाते हुए एक क्लिक से किसानों के बैंक खातों में 368 करोड़ रुपये की बोनस राशि जारी की है। सरकार का यह कदम न केवल सरकार की किसान–हितैषी नीतियों को प्रतिबिंबित करता है, बल्कि हरियाणा के किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज, विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, श्रुति चौधरी और विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए खरीफ–2024 के दौरान प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण राज्य में उत्पादित की जा रही कृषि एवं बागवानी फसलों पर 2000 रुपये प्रति एकड़ बोनस देने का फैसला किया। अब तक कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी जा चुकी है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल के पहले विधानसभा सत्र में ही किसानों को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने 3 और महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाल किया है। पहले भू–मालिकों और काश्तकारों के बीच में जमीन के कब्जे तथा मुआ–वजे इत्यादि को लेकर विवाद होते रहते थे। अब सरकार ने कृषि भूमि पट्टा एक्ट लागू करके, इन विवादों को जड़ से खत्म कर दिया है। साथ ही, शामलात भूमि पर 20 वर्षों से काबिज पट्टेदारों को उस भूमि का मालिकाना हक दिया है।

इसके अलावा, गांवों में पंचायती भूमि पर बने 500 वर्ग गज तक के मकानों पर काबिज लोगों को उनका मालिकाना हक दिया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीति करती है। कांग्रेस के नेता बताएं कि उन्होंने किसान हित में क्या कदम उठाए। जबकि वर्तमान राज्य सरकार ने किसानों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी फसलों के दाने–दाने की खरीद एम.एस.पी. पर की जाती है। हमने किसानों को मंडी में अपनी फसल बेचने के लिए ई–खरीद एप्लीकेशन द्वारा घर बैठे ई–गेट पास बनाने की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 18वीं किस्त के रूप में लगभग 342 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में डाली गई है। अब तक कुल 6,203 करोड़ रुपये की राशि डाली गई है।

उन्होंने कहा कि पराली के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर अनुदान के रूप में 10,393 मशीनों के लिए 122 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। किसानों के खेतों से गुजरने वाली हाई टेंशन बिजली की लाइनों के लिए मुआवजा नीति बनाई गई है। इसके तहत किसान को टावर एरिया की जमीन के लिए मार्केट रेट का 200 प्रतिशत मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। लाइन के नीचे की भूमि के लिए भी किसानों को मार्केट रेट का 30 प्रतिशत मुआवजे का प्रावधान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 100 दिनों में विकास कार्यों के लिए पंचायतों को 500 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इसके अलावा, प्रदेश की गौशालाओं के लिए 216 करोड़ 25 लाख रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की गई।

भाजपा सरकार द्वारा किसान और मजदूरों की अनदेखी : सैलजा

हिसार,27 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहाकि भाजपा सरकार उद्योगपतियों के करोड़ों रुपए के कर्ज माफ कर सकती है पर किसान और मजदूरों के कर्जे माफ करने से दूर भाग रही है, देश का अन्नदाता किसान मांगों को लेकर धरनारत है, सरकार उनकी अनदेखी की अन्नदाता का अपमान कर रही है। देर सवेर भाजपा सरकार को किसानों–मजदूरों की बात सुननी ही होगी, कांग्रेस देश के अन्नदाता किसान के साथ आज भी खड़ी है और कल भी खड़ी रहेगी। वे हिसार में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। पंजाब सीएम को जान से मारने की धमकी पर उन्होंने कहा कि यह गंभीर और चिंता का विषय है, पंजाब के हालात संवेदनशील बने हुए है। हरियाणा और पंजाब में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, कानून व्यवस्था का जनाजा निकल चुकी है, अपराधियों ने कानून की धज्जियां उड़ाकर रखी हुई है। हरियाणा के हर जिला में अपराध बढ़ा है, रोज हत्याएं हो रही है, सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रही है। बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर दोनों राज्यों की सरकारों को जनता को जवाब देना होगा।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को हर जिला में बिना किसी भेदभाव के काम करना चाहिए क्योंकि जनता काम की उम्मीद रखती है। सैलजा ने कहा कि प्रदेश में और केंद्र में भाजपा की ही सरकार है, अपने आप को डबल इंजन की सरकारें कहने वाले सरकारे कोई काम तो नहीं करा पा रही है। हरियाणा सरकार के सौ दिन के कार्यकाल को लेकर कुमारी सैलजा ने कहाकि इस सरकार ने सौ दिन में कोई ढंग का काम नहीं किया, भाजपा सरकारें केवल और केवल घोषणाएं ही करना चाहती है, उन्हें आज तक अमली जामा नहीं पहना पाई। ये भाजपा सरकार अपने पिछले दस सालों के काम तक नहीं गिना पा रही है। सरकार के काम केवल कागजों ही हो रहे है धरातल पर कुछ भी नजर नहीं आता।एक सवाल के जवाब में कुमारी सैलजा ने कहाकि शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे अहम होते है पर सरकार इस ओर ध्यान ही नहीं दे रही है, अस्पतालों में न डॉक्टर है और न ही दवाएं है, स्कूलों में बच्चे है पर शिक्षक नहीं है और जहां शिक्षक है वहां पर बच्चे नहीं है, सरकारी स्कूलों पर ध्यान देने के बजाए सरकार प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं को बढ़ावा दे रही है।

संकल्प पत्र में किए सभी वादों के लिए सरकार प्रतिबद्ध : बडौली

चंडीगढ़,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नायब सरकार के 100 दिन का कार्यकाल पूरा होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इन 100 दिनों में नायब सरकार ने कई नायाब काम किए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनकी सरकार ने 100 दिन में कई जनहित में महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बडौली ने कहा कि भाजपा जो कहती है वो करके दिखाती है। सरकार ने अपने वादे के अनुसार सबसे पहले 24 हज़ार युवाओं को रोज़गार दिया, अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा देने का निर्णय लिया। गरीब परिवारों को प्लाट वितरित किए गए, किसानों को 24 फसलों पर एमएसपी देने वाला पहला राज्य हरियाणा बना है। बडौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने प्रदेश हित और जनहित के लिए अपना संकल्प पत्र जारी किया था, उसी के मद्देनज़र नायब सरकार संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही है और अपने वादों पर खरा उतरते हुए भाजपा सरकार ने पहले 100 दिनों में ही प्रदेश के विकास के लिए कई एतिहासिक निर्णय लिए हैं।

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार में युवाओं का विश्वास बढ़ा है। पिछले 10 वर्षों में युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा की भाजपा सरकार बिना भेदभाव समान रूप से नॉन स्टॉप विकास कर रही है।

जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए : अनिल विज

अम्बाला,27 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने उत्तराखंड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने पर खुशी जताते हुए कहाकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बहुत बड़ा माइलस्टोन स्थापित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहाकि जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए, जबकि यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। इस संबंध में विज ने एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री उत्तराखंड के इस कार्य की सराहना भी की है। उधर, आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहाकि समान नागरिक संहिता लागू करना बहुत बड़ा कदम है और वे उसकी पूरी तरह से सराहना करते है। उन्होंने कहा कि जब देश एक है तो कानून भी सभी के लिए एक ही होना चाहिए, यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। मगर, पूर्व की सरकारें तुष्टीकरण की नीति पर चलती रही जिस कारण से यह नहीं हुआ, एक देश एक कानून होना चाहिए।

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने डोमेस्टिक एयरपोर्ट अम्बाला छावनी से विमान सेवा प्रारंभ करने को लेकर गत दिवस हुई बैठक पर कहा कि डोमेस्टिक एयरपोर्ट जल्द प्रारंभ होगा और इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। वहीं, दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा वोटरों को पैसे देने के मामले में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह तो आम आदमी पार्टी का कलचर है और यही कुछ वह करते आए हैं।

समान काम समान वेतन

बिहार रक्षा वाहिनी का 3 दिवसीय धरना, मांग पूरी नहीं होने पर राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी

पटना (एजेंसियां)।

समान काम समान वेतन को लेकर बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ के सदस्यों ने सोमवार से सासाराम जिला समाहरणालय के समक्ष अपना तीन दिवसीय धरना शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे रक्षा वाहिनी के स्वयंसेवकों ने बताया कि राज्य के गृह रक्षकों के वर्षों से लंबित समस्याओं के संदर्भ में बिहार सरकार एवं संघ प्रतिनिधि के बीच वार्ता हुई थी। लेकिन आश्वासन देने के बावजूद भी अब तक कोई मांग पारित नहीं किया गया।

संघ के जिलाध्यक्ष सुजीत कुमार पांडे ने बताया कि रक्षा वाहिनी दिन रात मेहनत करते हैं, परंतु उनके अनुसार उन्हें मासिक वेतन नहीं दिया जाता है। सुजीत कुमार पांडे ने बताया कि वे लोग भी समान पुलिसकर्मी के जैसी ड्यूटी करते हैं, परंतु दोनों के मासिक वेतन में जमीन

आसमान का अंतर है। सरकार से हम लगातार मांग करते आ रहे हैं कि बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ को भी समान कार्य का समान वेतन दिया जाए, लेकिन फिर भी हमारी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है।

वहीं, बिहार रक्षा वाहिनी स्वयंसेवक संघ रोहतास जिला इकाई के सचिव नागेंद्र चौधरी ने बताया कि आज से हम लोग धरना पर बैठे हैं और चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को सरकार के दोहरे नीति एवं सौतेले व्यवहार के विरुद्ध रैली एवं थाली पीटते हुए जिला के मुख्य मार्ग से होते हुए जिला पदाधिकारी समक्ष जाएंगे। साथ ही 29 जनवरी को शाम 5:30 बजे से जिला के गृहरक्षकों द्वारा जिला के मुख्य मार्ग से होते हुए जिला समाहरणालय तक शांतिपूर्ण वातावरण में मसाल जुलूस भी निकाला जाएगा तथा यदि सरकार ने हमारी मांगे पूरी नहीं की तो राज्यव्यापी आंदोलन होगा।

मौके पर संघ के उपाध्यक्ष चंदन कुमार, रामजी सिंह, उपसचिव जालंधर सिंह, संगठन सचिव रामप्रवेश सिंह, राम रमेश सिंह, अकबर खान, अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष संजय कुमार सहित अन्य लोग धरने पर मौजूद रहे।

चलती गाड़ी में अचानक लगी आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई अपनी जान

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक एक गाड़ी में आग लग गई। और कुरियर की गाड़ी धू-धूकर जलने लगी। गाड़ी में सवार दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, यह घटना आलमगंज थाना क्षेत्र स्थित मरीन ड्राइव का है। जहां चलती चार चक्का ब्लू डॉर्ट की कुरियर गाड़ी में अचानक से धुआं उठने लगता है। जब तक ड्राइवर और खलासी समझते उतने में गाड़ी से तेज आग की लपटें निकलना शुरू हो जाता है। लेकिन गनीमत रही कि ड्राइवर और खलासी ने सूझ बूझ से काम लिया और समय रहते गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई।

ब्लू डॉर्ट कुरियर की गाड़ी पाटलिपुत्रा से मरीन ड्राइव होकर आ रही थी। जैसे ही आलमगंज के पास पहुंचती है, वैसे ही गाड़ी से धुआं निकलने लगता है और अचानक आग की तेज लपटे निकलने लगती है।वहीं, ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी खाली थी और गाड़ी महादेव स्थान का है। ये आग अचानक कैसे लगी मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है।

हालांकि, आग लगने की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़िया मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। आग को दमकल की तीन गाड़ियों ने कुछ ही समय में कड़ी मशक्कत के बाद काबू किया।

देह व्यापार सूचना पर हुई कार्रवाई

पटना में छापेमारी में कई लड़के-लड़कियां पुलिस हिरासत में

पटना (एजेंसियां)।

पटना पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी, जिसके बाद छापेमारी की गई। इस छापेमारी में एक निजी रेस्टोरेंट से तीन लड़का और चार लड़कियों को पुलिस ने एसबीआर चौक के नजदीक निजी रेस्टोरेंट से रेस्क्यू किया है। इस छापेमारी में संचालिका को भी गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, बाढ़ के एसबीआर चौक के नजदीक रौशनी फैमिली रेस्टोरेंट में कई थाने की पुलिस द्वारा छापेमारी किया गया है। यह छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई। यह छापेमारी बाढ़ थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में अथमलगोला और पंडारक थाने की पुलिस ने कार्रवाई की है।

छापेमारी के दौरान रेस्टोरेंट से तीन लड़का और चार लड़कियों को पुलिस ने रेस्क्यू किया है। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि रेस्टोरेंट के संचालक द्वारा देह व्यापार का धंधा करवाया जा रहा है। इसी को लेकर आज बाढ़ थाने की पुलिस ने छापेमारी किया गया।

गुप्त सूचना के आलोक में पुलिस ने छापेमारी की है। मामले को लेकर एएसपी-1 राकेश कुमार ने बताया कि कई दिनों से रेस्टोरेंट में चल रहे थे, अवैध धंधे की सूचना मिल रही थी। उसके बाद छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान संचालिका समेत तीन युवक और चार युवतियों को हिरासत में लिया है। वहीं, इस मामले में पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

फर्जी एडीएम बन धौंस जमाने वाले चार लोग गिरफ्तार

रिसॉर्ट में फर्जी एडीएम बनकर बुक कराई थी सीट

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले में सदर थाना क्षेत्र के रिसॉर्ट में गणतंत्र दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में समस्तीपुर के फर्जी एडीएम बनकर अपने साथियों के साथ धौंस जमाते हुए मारपीट और उत्पात मचाने के मामले पुलिस चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन बदमाश अपनी स्कॉर्पियो से फरार हो गए। इन बदमाशों की भी तलाश की जा रही है। इस मामले को लेकर रिसॉर्ट के मालिक मृदुल कुमार शुक्ला ने सोनकी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

गिरफ्तार बदमाशों की पहचान दरभंगा के सोनकी थाना क्षेत्र के दलान रिसॉर्ट में फर्जी एडीएम बनकर धौंस जमाने वाले चार लोगों को होटल संचालक अपने कर्मियों के सहयोग से पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि तीन लोग

स्कॉर्पियो के साथ भागने में सफल रहे।

रिसॉर्ट परिसर से गिरफ्तार लोगों की पहचान बहादुरपुर थाना क्षेत्र के भैरोपट्टी निवासी अभिनव कुमार, इंदिरा कॉलोनी निवासी दीपक कुमार यादव, सदर थाना क्षेत्र के कोटी निवासी राजमुखी कुमार सिन्हा, सोनकी थाना क्षेत्र के कपछाही निवासी राहुल यादव शामिल हैं। जबकि घटना के बाद हंगामे के दौरान भागने वालों में लहेरियासराय थाना क्षेत्र के अल्लपट्टी निवासी मोनू कुमार चौधरी, अजीत यादव सहित अज्ञात चालक शामिल हैं।

दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि समस्तीपुर एडीएम बनकर एक व्यक्ति ने फोन करके बोला कि मैं डॉ. अभिनव कुमार समस्तीपुर एडीएम बोल रहा हूं। आपके यहां आयोजित सांस्कृतिक प्रोग्राम में अपने चार पांच दोस्तों के साथ आ रहा हूं।

हम लोगों के लिए वीआईपी ट्रीटमेंट की व्यवस्था करवा दीजिएगा। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी लोग नशे में धुत पाए गए। जब होटल के इन लोगों से पहचान पत्र मांगा गया तो इन लोगों ने पहचान पत्र देने से इनकार कर दिया था। लेकिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान इनके एडीएम होने पर संदेह हुआ तो रिसोर्ट के मैनेजर ने सोनकी थाना को घटना की सूचना दिया।

जानकरी मिली कि समस्तीपुर में डॉ. अभिनव कुमार नाम के कोई एडीएम नहीं है। इसकी जानकारी मिलते ही सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को ब्रेथ एनालाइजर लगाकर जांच की गई, जिसमें अल्कोहल पीने की पुष्टि पाई गई। इस संबंध में सोनकी थानाध्यक्ष बसंत कुमार झा ने बताया कि रिसोर्ट में फर्जी एडीएम बनकर हंगामा करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि हंगामे के बीच भीड़ का फायदा उठाकर भागने वाले तीन अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

एडवोकेट का पूरा परिवार एक झटके में खत्म : बिहार के मोतिहारी में यूपी हादसे की खबर पहुंचते ही कोहराम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर रविवार की रात एक बजे महाकुंभ से स्नान करके लौट रहे मोतिहारी निवासी दंपती और उसके दोनों बच्चों की भयानक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। मृतक की पहचान छतौनी थाना अंतर्गत मठिया निवासी ओम प्रकाश आर्या (42), उनकी पत्नी पूर्णिमा सिंह, बेटी अहाना (12) और बेटे विनायक के रूप में की गई हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मोतिहारी स्थित उसके पैतृक आवास पर चीख पुकार मच गई। मृतक ओम प्रकाश आर्या मूल रूप से चिरैया थाना क्षेत्र के पीरारी गांव के निवासी थे। उनके परिवार की मौत की सूचना मिलते

ही पीरारी गांव में मातम पसर गया। चिरैया प्रखंड की प्रमुख गीता देवी ने बताया कि मृतक ओमप्रकाश आर्या पेशे से वकील थे।

उनका पूरा परिवार पिछले दस सालों से मोतिहारी में ही रहता था। आज सुबह जैसे ही उनकी मौत की सूचना प्राप्त हुई, घर में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक की लहर है।

छतौनी थाना क्षेत्र के मठिया मोहल्ला निवासी वीर शमशेर सिंह के तीन बेटों में सबसे छोटे पुत्र ओमप्रकाश आर्या अपने पत्नी एवं बच्चों के साथ पिछले तीन सालों से दिल्ली में रहते थे, जहां वह हाइकोर्ट में वकील के रूप में प्रैक्टिस करते थे। बीते 26 जनवरी को वह अपनी बीवी और बच्चों के साथ महाकुंभ में स्नान करने गये थे। वापस दिल्ली लौटने के दौरान सड़क हादसा हो गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद उनके सगे संबंधी घटनास्थल पहुंच चुके है और सभी के शव को मोतिहारी लाने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। इधर मृतक के पिता वीर शमशेर सिंह एवं मां मनोरमा देवी का पुत्र के मौत की सूचना पाकर रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। मृतक की मां बेटे और बहु को याद कर बार बार बेहोश हो जा रही है। मृतक के पिता ने कहा कि जिस उम्र में लोग पुत्र से मुखाग्नि लेकर मोक्ष प्राप्त करते है उस उम्र में बेटे बहु और पोते के शव को कंधा देना पड़ेगा। वीर शमशेर सिंह का परिवार मोतिहारी के अलावा चिरैया थाना क्षेत्र के पीरारी गांव से भी ताल्लुक रखता था। वहां भी अब ओमप्रकाश आर्या की मरने की खबर सुनकर पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

साफ-सुथरी जमीन दिलवाने के नाम पर नौ लाख रुपये की ठगी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के हाजीपुर में एक महिला के साथ जमीन के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें पीड़िता ने आरोपी दंपती के खिलाफ नगर थाना हाजीपुर में शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता, रेखा झा, महीसौर थाना क्षेत्र के हरि प्रसाद गांव की रहने वाली है और हाजीपुर में अपने लिए घर बनाना चाहती थी।

बता दें कि इस दौरान राधे श्याम झा और उनकी पत्नी माधवी कुमारी ने पीड़िता को विश्वास में लेकर अच्छी और साफ-सुथरी जमीन दिलवाने का वादा किया। आरोपी राधे श्याम झा ने पीड़िता को हाजीपुर में आलोक गौरव उर्फ गौरव राय के घर ले जाकर उन्हें एक जमीन दिखाई, जो कथित रूप से बेची

जा रही थी।

आरोपियों ने पीड़िता से इस जमीन के बदले नौ लाख रुपये ले लिए, लेकिन बाद में यह खुलासा हुआ कि पूरा मामला धोखाधड़ी था। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह स्पष्ट किया जा रहा है कि आरोपी किस प्रकार से इस धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे थे।

इस मामले में पुलिस की कार्रवाई से लोगों में यह संदेश गया है कि जमीन खरीदने-बेचने के दौरान सतर्कता बरतनी चाहिए, ताकि इस तरह के धोखाधड़ी से बचा जा सके। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार के मामलों में हर पहलू की जांच की जा रही है, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके।

बिहार में वीडियो वायरल होने के अगले दिन लड़की ने दुनिया छोड़ी

पटना (एजेंसियां)। मधेपुरा जिले के शंकरपुर थाना क्षेत्र में एक लड़की का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अब तक परिजनों ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। जानकारी के अनुसार 25 जनवरी को लड़की अपने चाचा के साथ स्नातक की परीक्षा देने मधेपुरा गई थी। परीक्षा देकर लौटने के दौरान नहर के पास कुछ युवकों ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसमें स्पष्ट दिख रहा है कि लड़की के साथ कुछ मनचले अभद्रता कर रहे हैं। लड़की छोड़ देने की गुहार लगा रही है लेकिन कोई उसकी नहीं सुन रहा। इसके बाद मनचलों ने वीडियो को वायरल कर दिया। इस घटना के बाद लड़की काफी आहत हो गई। इसके बाद 26 जनवरी को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, गोली लगने से एक बदमाश घायल

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा के कमतौल थाना क्षेत्र में पुलिस का अपराधियों के साथ मुठभेड़ की जानकारी देते हुए जिले के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कहा कि रविवार रात कमतौल थाना क्षेत्र के करजापट्टी गांव के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग करना शुरू कर दिया था। इसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग किया, जिसमें एक अपराधी शुभम कुमार को गोली लगी है। जबकि उसके साथी आलोक कुमार और रोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि बाकी तीन और अपराधी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस उनकी भी तलाशी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार सभी अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

कमतौल थाना क्षेत्र के करजापट्टी में हुई पुलिस बदमाशों के मुठभेड़ का खुलासा खुद जिला एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कर

दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को लगातार उस इलाके में बाइक सवार बदमाशों द्वारा लूटपाट की घटना की जानकारी मिल रही थी। इसी सूचना के आधार पर कमतौल थाना की पुलिस को बीती रात बदमाश द्वारा घटना करने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचते ही बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। इसके जबाब में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें एक अपराधी नगर थाना क्षेत्र भगवानदास मुहल्ला निवासी शुभम कुमार को गोली लगी और बाकी उसके दो साथियों नगर थाना क्षेत्र के शिवाजीनगर मुहल्ला निवासी रोहित कुमार एवं कमतौल थाना क्षेत्र के मोहम्दपुर निवासी आलोक कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

एसएसपी ने कहा कि अभी घायल अपराधी व गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को घटना स्थल से गोलियों के छह खोखे बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि बाकी तीन और अपराधी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी भी तलाशी के लिए छापेमारी कर रही है। फिलहाल, सभी तीनों अपराधियों के आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com